बालाघाट
मंगलवार 05 मई 2026
वैशाख कृष्ण 04 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 220
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 77,269.40
निफ्टी - 24,119.30
सोना - 1,50,930
चांदी - 2,65,000
डॉलर - 95.13

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

राइटर मधु किश्वर की कोर्ट में याचिका

चंडीगढ़। फेमस राइटर मधु किश्वर को चंडीगढ़ पुलिस द्वारा इन्वेस्टिगेशन ज्वाइन करने के लिए दूसरा नोटिस दिया जा चुका है, लेकिन वह अब तक पेश नहीं हुई हैं। वहीं, मधु किश्वर पुलिस के सामने पेश होने के बजाय चंडीगढ़ कोर्ट पहुंच गई हैं। मधु किश्वर ने कोर्ट में याचिका दायर की है, जिसमें उन्होंने मांग की है कि उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर की कॉपी उन्हें नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि पुलिस से उन्हें एफआईआर की कॉपी दिलवाई जाए। इस पर कोर्ट ने चंडीगढ़ पुलिस से जवाब मांगा है। वहीं, मिसलीडिंग वीडियो मामले में दर्ज एफआईआर में दिखाई दे रहे दंपति ने इन्वेस्टिगेशन ज्वाइन कर ली है। इस मामले में चंडीगढ़ पुलिस ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फर्जी वीडियो प्रसारित करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

नदी में कार गिरने से 4 लोगों की मौतें

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के कवर्धा में देर रात तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर फोक नदी में जा गिरी। इस हादसे में कार सवार 4 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। घटना पांडातराई थाना क्षेत्र की है। शुरुआती जानकारी के अनुसार सभी युवक बिरगांव (रायपुर) से पंडरिया में शादी में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान पांडातराई के पास कार का बैलेंस बिगड़ा और पलटते हुए 30 फीट नीचे नदी में जा गिरी। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने घायलों को बाहर निकला और पुलिस को हादसे की सूचना दी।

भारत में हो रहा दुनिया की सबसे ऊंची सुरंग का निर्माण, ऊंचाई 15,800 फीट होगी

नई दिल्ली। भारत में कई सुरंगे हैं, जो नए रास्तों के लिए बनाई गई हैं। इनमें अटल टनल भी है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया की सबसे ऊंचाई वाली सुरंग भी भारत में बन रही है, जिसका नाम शिंकुन ला टनल है, यह दुनिया की सबसे ऊंची सुरंग होगी, जिसका काम जारी है। शिंकुन ला टनल 15,800 फीट की ऊंचाई पर बनने वाली दुनिया की सबसे ऊंची मोटरेबल सुरंग होगी, जिसके अगस्त 2028 के आसपास पूरा होने की उम्मीद है। इसका काम 26 जुलाई 2024 को शुरू हुआ था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिंकुन ला टनल हिमाचल प्रदेश और लद्दाख को जोड़ने वाली टनल होगी। शिंकुन ला सुरंग का निर्माण शिंकुन ला दर्रे के नीचे किया जा रहा है, जो हिमाचल प्रदेश की लाहौल घाटी को केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख की जंस्कार घाटी से जोड़ती है। शिंकुन ला टनल का निर्माण कार्य बॉर्डर रोड्स ऑर्गेनाइजेशन कर रही है।

कुछ ना कहना

पांच राज्यों के चुनाव परिणाम...अद्भूत, अविश्वसनीय, अकल्पनीय...

बांग्लादेशी नारे, नहीं बने सहारे, ममता हारीं संग्राम, केरल में 10 साल बाद कांग्रेस ने खत्म किया सत्ता का वनवास...उखड़ा लेफ्ट का तंबू, 21 में से 13 मंत्री चुनाव हारे, मसीहा बनकर तमिलनाडु के किंग बने विजय, असम में भाजपा का किला बरकरार

भगवामय बंगाल, पंजे में केरल

-49 साल में पहली बार देश में लेफ्ट सरकार नहीं...1957 में केरलम में नंबूदरीपाद ने सत्ता दिलवाई; 2026 में केरलम से ही खत्म

-उपचुनावों में बारामती सीट पर सुनेत्रा ने बनाया जीत का महारिकॉर्ड, गुजरात से त्रिपुरा तक भाजपा की प्रचंड जीत

]]]]]]]]]]]]]]]

दिल्ली/कोलकाता/गुवाहाटी/तिरुवनन्तपुरम/चेन्नई।

पांच राज्यों में हुए चुनावों के नतीजे आ गए हैं। भाजपा ने असम का किला बरकरार रखा। भाजपा ने बंगाल में ममता बनर्जी की 15 साल पुरानी टीएमसी सरकार को उखाड़ फेंका है। भाजपा ने तमिलनाडु में अपनी सहयोगी एआईडीएमके के साथ बढ़िया प्रदर्शन किया। पुडुचेरी में भी एनडीए का मामला ठीक रहा। वहीं कांग्रेस ने केरल में 10 साल से सत्ता में काबिज वामदलों के गठबंधन एलडीएफ को उखाड़ फेंका है। केरल विधानसभा चुनाव में पिनराई विजयन की अगुवाई वाले लेफ्ट एलायंस एलडीएफ को हार का सामना करना पड़ा है। कांग्रेस की अगुवाई वाली यूडीएफ ने 140 में से 90 से ज्यादा सीटें जीतकर 10 साल बाद सत्ता में वापसी कर ली है। केरलम में इस हार के बाद 49 साल में यह पहली होने जा रहा है जब देश के किसी भी राज्य में लेफ्ट की सरकार नहीं है।

बंगाल की 293 सीटों पर वोटों की गिनती जारी है। एक सीट फालता पर 21 मई को फिर वोटिंग होगी। रुझानों में भाजपा को बहुमत मिला है। भाजपा 118 और टीएमसी 46 सीटों पर आगे चल रही है। भाजपा 86 सीट जीत गई है, 37 सीट टीएमसी के खाते में आई है। भवानीपुर में ममता बनर्जी आगे हैं, सुवेंदु अधिकारी पीछे हैं। बंगाल में बाबरी मस्जिद बनवा रहे हुमायूं कबीर रेजीनगर और नौदा दोनों सीटों से जीत गए। उधर बंगाल के मुख्य सचिव ने सभी विभागीय सचिवों को आदेश जारी किया है। इसमें कहा गया कि किसी भी सरकारी दफ्तर से कोई भी फाइल या कागज गायब न हो। हावड़ा के डुमुरजला इलाके में टीएमसी दफ्तर में तोडफोड़ की गई। कुर्सियां-खिड़कियां तोड़ दी गईं। पार्टी का झंडा सडक़ पर फेंक दिया गया।

स्टालिन अपने ही बागी से हारे

तमिलनाडु में बड़ा उलटफेर हुआ है। 2 साल पहले बनी विजय की पार्टी नंबर वन हो गई है। टीवीके ने 30 सीटों पर जीत दर्ज की है, 77 सीटों पर आगे चल रही है। इधर, तमिलनाडु के मौजूदा सीएम एमके स्टालिन कोलाथुर सीट से चुनाव हार गए हैं। उन्हें टीवीके के बीएस बाबू ने 8000 से ज्यादा वोटों से हराया है। बाबू पहले डीएमके में थे। फरवरी 2026 में ही उन्होंने विजय की पार्टी जॉइन की थी। इधर, टीवीके को सरकार बनाने के लिए 118 सीटों के साथ बहुमत हासिल करना होगा। एक्टर विजय के पिता चंद्रशेखर ने कहा है कि विजय कांग्रेस के साथ गठबंधन कर सकते हैं।

केरल में कांग्रेस को मिली बूस्टर डोज

केरल ने धीरे धीरे खरगोश की तरह लगातर मेहनत की और देश से वामपंथ का आखिरी किला भी उखाड़ फेंका। पिछले साल केरल राज्य में स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस की अगुवाई वाले यूडीएफ को बड़ी जीत मिली थी। इससे कांग्रेस को केरल में बूस्टर डोज मिली। इस खास संकेत को कांग्रेस ने सधे अंदाज में समझते हुए अपनी जीत का रोड मैप बिछाया कि वो एक दशक लंबे अंतराल के बाद सत्ता में वापसी कर सकती है। हालांकि केरल कांग्रेस की आपसी उठापठक के चलते ऐसे चमत्कारी नतीजों की उम्मीद नहीं थी लेकिन केरल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और राज्य में वर्मतान समय में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने भीतरी कलह को थामते हुए इतिहास रच दिया। इस बार कांग्रेस हाई कमांड यानी आलाकमान बेहद सतर्क था। पार्टी की सबसे बड़ी जरूरत और उसकी सबसे बड़ी चुनौती टीम की एकजुटता बनाए रखना था। इसे सही से हैंडल किया गया। आपसी सिरफुटव्वल दूर करने की शुरुआत तिरुवनंतपुरम सांसद शशि थरूर की नाराजगी दूर करने से हुई। इसी साल 2026 की शुरुआत में शशि थरूर को लेकर तरह-तरह की अटकलें चल रही थीं। इससे पार्टी को जरा सा भी नुकसान होता उससे पहले जनवरी के आखिरी हफ्ते में राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने उनसे लगभग दो घंटे बंद कमरे में चर्चा की जिसमें पार्टी के अंदर नाराजगी की अटकलों को दूर किया गया। इसके बाद थरूर को केरल में चुनाव कैंपेन कमेटी का सह-संयोजक बनाया गया। उन्होंने पूरे राज्य में पार्टी के लिए व्यापक प्रचार किया। जिसका फायदा कांग्रेस को मिला।

विजय पदार्पण के साथ ही सत्ता के करीब

तमिलनाडु में सुपरस्टार विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम यानी टीवीके ने ऐसा सियासी भूकंप ला दिया है जिसकी कल्पना किसी ने नहीं की थी। दशकों से राज्य पर राज करने वाली डीएमके और एआईएडीएमके पीछे छूटती दिख रही है। रुझानों में विजय की पार्टी 100 से ज्यादा सीटों पर बढ़त बनाकर सबसे बड़ी शक्ति बनकर उभरी है। विजय खुद पेरांबुर और तिरुचिरापल्ली ईस्ट जैसी दोनों सीटों पर बड़े अंतर से आगे चल रहे हैं। यह पहली बार चुनाव लड़ रही किसी पार्टी के लिए एक करिश्माई प्रदर्शन है। विजय ने साल 2024 में जब अपनी पार्टी बनाई, तभी से उन्होंने जमीन पर काम करना शुरू कर दिया था। उनकी फिल्मी लोकप्रियता तो थी ही, लेकिन उन्होंने इसे केवल स्टार पावर तक सीमित नहीं रखा। विजय ने अपने पुराने फैन क्लब विजय मक्कल इयक्कम को एक अनुशासित राजनीतिक फौज में बदल दिया। उन्होंने युवाओं और महिलाओं को सीधे अपना निशाना बनाया। लोग डीएमके पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों और पुरानी राजनीति से थक चुके थे। ऐसे में विजय ने साफ-सुथरी छवि और सिस्टम बदलने का वादा किया, जिसे जनता ने हाथों-हाथ लिया।

उपचुनाव में भी भाजपा का जलवा

देश के पांच राज्यों में सात विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों के नतीजे आ चुके हैं। सात सीटों में से चार पर भाजपा की जीत हुई है। वहीं महाराष्ट्र में एनसीपी की जीत हुई, जो एनडीए के साथ है। और दो सीटों पर कांग्रेस को जीत हासिल हुई है। महाराष्ट्र के बारामती विधानसभा उपचुनाव में सुनेत्रा अजित पवार ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए राजनीति में नया रिकॉर्ड कायम कर दिया। एनसीपी (अजित पवार गुट) की उम्मीदवार सुनेत्रा पवार ने 2,18,930 वोटों के विशाल अंतर से जीत हासिल की, जो भारत के किसी भी विधानसभा चुनाव में अब तक का सबसे बड़ा जीत का अंतर माना जा रहा है। मतगणना के 24वें राउंड के अंत तक तस्वीर पूरी तरह साफ हो गई थी, जहां सुनेत्रा पवार के पक्ष में जबरदस्त जनसमर्थन देखने को मिला। इस चुनाव में कुल 23 उम्मीदवार मैदान में थे, लेकिन कोई भी प्रतिद्वंद्वी 1,000 वोट का आंकड़ा भी पार नहीं कर सका। करुणा मुंडे को 125 और अभिजीत बिचुकले को 121 वोट मिले।

भवानीपुर में ममता को करारी शिकस्त

सुवेंदु ने दूसरी बार दी मात, हार के बाद ममता ने लगाए गंभीर आरोप

पश्चिम बंगाल की सबसे चर्चित भवानीपुर विधानसभा सीट से बड़ा राजनीतिक उलटफेर सामने आया है। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सुवेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को 15114 मतों के अंतर से हराकर बड़ी जीत दर्ज की है। खास बात यह है कि ममता बनर्जी के खिलाफ सुवेंदु अधिकारी की यह लगातार दूसरी जीत है, जिससे बंगाल की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। इससे पहले वर्ष दो हजार इक्कीस के विधानसभा चुनाव में भी सुवेंदु अधिकारी ने नंदीग्राम सीट से ममता बनर्जी को मात दी थी। अब भवानीपुर में मिली इस जीत ने एक बार फिर राज्य की राजनीति को नई दिशा दे दी है।

-प. बंगाल का चुनाव परिणाम

पार्टी	आगे	जीते	कुल
भाजपा	112	94	206 (+129)
टीएमसी	41	40	81 (-135)
कांग्रेस	1	1	2 (+2)
लेफ्ट फ्रंट	2	0	2 (+1)
अन्य	0	2	2 (+2)

-तमिलनाडु का चुनाव परिणाम

पार्टी	आगे	जीते	कुल
टीवीके	40	66	106 (+106)
अन्नाद्रमुक+	24	30	54 (-21)
डीएमके+	31	34	65 (-94)
अन्य	2	7	9 (+9)

-केरल का चुनाव परिणाम

पार्टी	जीत
यूडीएफ	102 (+61)
एलडीएफ	35 (-64)
एनडीए	3 (+3)

-पुडुचेरी का चुनाव परिणाम

पार्टी	आगे	जीते	कुल
एनडीए	2	16	18 (+2)
कांग्रेस+	0	6	6 (-2)
अन्य	0	6	6 (0)

-असम का चुनाव परिणाम

पार्टी	आगे	जीते	कुल
भाजपा+	4	98	102 (+27)
कांग्रेस+	7	14	21 (-29)
अन्य	0	3	3 (+2)

प. बंगाल जीत पर पीएम मोदी बोले-

गंगोत्री से गंगासागर तक खिला कमल

नई दिल्ली। भाजपा 5 राज्यों में से 3 (पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी) में सरकार बना रही है। दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय पर मनाए जा रहे जश्न में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक और अभूतपूर्व है। सालों की साधना जब सिद्धी में बदलती है तो चेहरे पर जो खुशी होती है वो खुशी में देशभर के कार्यकर्ताओं के चेहरे पर देख रहा हूं। पिछले साल 14 नवंबर को मैंने यहीं से कहा था गंगा जी बिहार से आगे होते हुए गंगासागर तक जाती हैं। आज बंगाल की जीत के साथ गंगोत्री से लेकर गंगासागर तक कमल ही कमल खिला है। उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार और अब पश्चिम बंगाल। आज मां गंगा के पास बसे राज्यों में भाजपा एनडीए सरकार है। उन्होंने कहा कि बंगाल में महिलाओं को सुरक्षा का महौल मिलेगा, युवाओं को रोजगार मिलेगा, पलायन रुकेगा, पहली कैबिनेट में ही आयुष्मान योजना को हरी झंडी दिखाएंगे। और घुसपैठियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होगी।

मोदी ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की आत्मा को कितनी शांति मिली होगी। उन्होंने 1951 में जनसंघ की स्थापना करके हर कार्यकर्ता को संदेश दिया कि देश के लिए जीना और देश के लिए मरना है। डॉ. मुखर्जी ने बंगाल को भारत का हिस्सा बनाए रखने के लिए बड़ी लड़ाई लड़ी।

पहली कैबिनेट में आयुष्मान भारत को मंजूरी

मोदी बोले कि एक ऐसा सबेरा जिसका इंतजार पीढ़ियों ने किया है भाजपा ने जितनी सीटें जीतीं वो चुनावी आंकड़ा नहीं है। ये उसके अडिग विश्वास की हुंकार है, जिसने डर तुष्टीकरण और हिंसा की राजनीति को जड़ से उखाड़ फेंका। आज से बंगाल के भविष्य की ऐसी यात्रा शुरू हो रही है, जहां विकास अटूट विश्वास और नई उम्मीदें कदम से कदम मिलाकर चलेंगी। आज हर बंगालवासी को भरोसा देता हूं कि बंगाल के बेहतर भविष्य के लिए भाजपा दिन रात एक कर देगी। बंगाल में महिलाओं को सुरक्षा का महौल मिलेगा, युवाओं को रोजगार मिलेगा, पलायन रुकेगा, पहली कैबिनेट में ही आयुष्मान योजना को हरी झंडी दिखाएंगे। घुसपैठियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होगी।

वंदे मातरम् के 150वे साल में जीत का महत्व बड़ा

मोदी बोले कि बंगाल के भाग्य में आज से एक नया अध्याय जुड़ गया। आज बंगाल भय मुक्त हुआ है। विकास के भरोसे पर युक्त हुआ है। साथियों इस जीत के साथ वंदे मातरम् के 150वे साल में और बंकिम जी को बंगाल के लोगों ने सादर नमन किया है। बंगाल में हमारे कितने कार्यकर्ताओं ने अपना जीवन इस जीत के लिए समर्पित किया है।

मंडला में नर्मदा में डूब रही बेटियों को बचाने कूदे आरक्षक की मौत

मंडला। जिले के मोहगांव थाना में पदस्थ एक आरक्षक की नर्मदा बुढ़नेर देवगांव संगम में डूबने से मौत हो गई। मृतक आरक्षक का नाम शिव कुमार परस्ते (47) निवासी ग्राम पखवार, मवई विकासखंड, जिला मंडला था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरक्षक शिवकुमार अपने परिवार के साथ मोहगांव थाना क्षेत्र के देवगांव संगम में सुबह नर्मदा स्नान के लिए गया था। वह अपनी पत्नी और चार बच्चों (तीन बेटियां और एक बेटा) के साथ संगम पर पहुंचा था। छह वर्षीय बेटा और 9 से 13 वर्ष की तीन बेटियां उसके साथ थीं। बताया गया कि हादसा उस समय हुआ, जब बच्चे स्नान कर रहे थे और वह तट पर मंजन कर रहा था। उसी दौरान उसकी दो बेटियां गहरे पानी में जाकर डूबने लगीं। उन्हें बचाने के लिए वह तुरंत नर्मदा में कूद गया, लेकिन खुद गहरे पानी में चला गया और डूब गया। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तुरंत नर्मदा में छलांग लगाकर दोनों बच्चियों को बचा लिया, लेकिन आरक्षक को नहीं बचाया जा सका।

टीवीके अपने दम पर तमिलनाडु में बनाएगी सरकार, पार्टी बहुमत के आंकड़े के करीब

-प्रवक्ता गेराल्ड ने कहा- डीएमके अंधेरे में ही बैठी थी, अब उन्हें सच्चाई पता चल गई

चेन्नई। तमिलगा वेत्री कज़गम (टीवीके) के प्रवक्ता ने सोमवार को कहा कि वे अपने दम पर सरकार बनाएंगे। शुरुआती रुझानों में तमिल फिल्मों के सुपरस्टार और नेता विजय की पार्टी को सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) से काफी आगे निकल गए हैं। टीवीके के प्रवक्ता फेलिक्स गेराल्ड ने कहा कि डीएमके अंधेरे में ही बैठी थी, अब उन्हें सच्चाई पता चल गई है। टीवीके अपने दम पर सरकार बनाएगी। टीवीके, जो अपने पहले चुनाव में डीएमके को कड़ी टक्कर दे रही है, 100 से ज्यादा सीटों पर आगे है और बहुमत के 118 सीटों के आंकड़े के करीब पहुंच रही है। टीवीके तमिलनाडु की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है।

तिरुचिरापल्ली पूर्व और पेरम्बूर निर्वाचन क्षेत्रों में, विजय जिन्होंने इस साल अपना पहला चुनाव लड़ा है। विजय, जिन्हें 'थलपति' के नाम से जाना जाता है, अपने विशाल प्रशंसक आधार के कारण राज्य चुनावों में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरे हैं, और एग्जिट पोल के अनुमान उनके प्रशंसकों के इस प्यार को बखूबी दर्शाते हैं। टीवीके स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ रही है, जबकि एआईएडीएमके एनडीए गठबंधन का नेतृत्व कर रही है और डीएमके कांग्रेस के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रही है। तमिलनाडु चुनाव 2026 के लिए मतदान 23 अप्रैल को एक ही चरण में हुआ था।

सुबह जैसे ही वोटों की गिनती शुरू हुई टीवीके के समर्थक पार्टी मुख्यालय के बाहर जमा हो गए। यहां तक की द्रमुक के शीर्ष नेता एवं सीएम एम के स्टालिन और उनके बेटे एवं उप मुख्यमंत्री उदयनिधि चेन्नई की अपनी-अपनी सीटों पर पिछड़ते नजर आ रहे थे। एडप्पाडी के पलानीस्वामी के नेतृत्व वाली अन्नाद्रमुक 67 सीट पर आगे है, जबकि उसकी सहयोगी पीएमके 7 सीट पर आगे है। निर्वाचन आयोग और टीवी चैनलों की खबरों के मुताबिक स्टालिन समेत 15 मंत्री चुनाव में पिछड़ रहे हैं। उपमुख्यमंत्री उदयनिधि भी अपनी मौजूदा चेपॉक-तिरुवल्लिकेनी सीट पर पीछे हैं।

जिले में नही रूक रहा है वन्य प्राणियों की मौत का सिलसिला

कान्हा नेशनल पार्क में फिर एक नर बाघ की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में वन्य प्राणियों की मौत का सिलसिला बदस्तूर जारी है। जहां कभी शिकार तो कभी अन्य कारणों के चलते वन्य प्राणियों की मौत के मामले लगातार समाने आ रहे है।लगातार वन्य प्राणियों की हो रही इन मौत के बीच कान्हा नेशनल पार्क में एक और नर बाघ का शव वन्यकर्मियों ने बरामद किया गया है। हालांकि इस नर बाघ की मौत किस कारण से हुई है, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन मृत बाघ के सभी अवशेष सुरक्षित हैं जिसके चलते प्रथम दृष्टिया क्षेत्र वर्चस्व व आपसी संघर्ष की लड़ाई में बाघ की मौत होने की बात अधिकारियों द्वारा कही जा रही है। आपको बताएं कि यह कोई पहला मामला नहीं है जब कान्हा नेशनल पार्क में बाघ की मौत हुई हो बल्कि इसके पूर्व भी बाघ की मौत के मामले लगातार सामने आते रहे हैं।इस बीच सोमवार को एक और बाघ की मौत हो जाना विभाग के लिए काफी चिंताजनक माना जा रहा है।बहरहाल विभागीय टीम द्वारा मृत बाघ के अवशेषों को जांच के लिए लैब पहुचाकर, विधि विधान के अनुसार बाघ के शव को जलाकर नष्ट किया गया है।वही मामले की हर एंगल से जाँच शुरू कर दी गई है।

खुफिया तंत्र मजबूत कर, शुरू की मामले की जांच

बताया जा रहा है कि सोमवार की सुबह वन्यकर्मियों द्वारा कान्हा नेशनल पार्क परिक्षेत्र के किसली अंतर्गत गश्ती कि जा रही थी, तभी वन कर्मियों को मगरनाला बीट के समीप बाघ का शव दिखाई दिया।जिसकी सूचना उन्होंने विभाग के अधिकारियों को दी, सूचना मिलने पर मौके पर पहुचे वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में मृत बाघ के शव का पंचनामा बनाकर शव बरामद किया गया।जहां चिकित्सकों की टीम को बुलाकर पोस्टमार्टम कराकर फॉरेंसिक जांच के लिए सैंपल भेजे हैं। वही वरिष्ठ अधिकारियों की प्रमुख उपस्थिति में मृत बाघ के शव को नष्ट करने की कार्यवाही कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।उधर वन विभाग अधिकारियों ने अपना खुफिया तंत्र मजबूत कर मामले की हर एंगल से जांच शुरू कर दी है।

आपसी संघर्ष की जताई जा रही आशंका

जिले में बढ़ती हिंसक वन्यप्राणियों की संख्या के चलते, अब वन्यप्राणी, अपने क्षेत्र के लिए संघर्ष करने लगे है। जहां अधिकार क्षेत्र को लेकर आए दिनों होने वाली वर्चस्व की लड़ाई में अक्सर किसी न किसी हिंसक वन्य प्राणी की मौत हो जाती है। इसके पूर्व कान्हा नेशनल पार्क में चार से पांच बाघों की मौत होने का मामला सामने आया था, जिसमें बाघों की मौत की वजह महामारी को बताया गया था, जानकारी के मुताबिक वन्य प्राणियों में फैलने वाली महामारी के चलते पूर्व में बाघों की मौत हुई थी, लेकिन वर्तमान समय में यहां बीमारी लगभग समाप्त सी हो गई है।आज जो बाघ की मौत हुई है,उसमे बाघ के सभी अवशेष सुरक्षित मिले हैं, इसीलिए शिकार की आशंका नही है, उधर बाघ के शव में चोट के निशान मिलने के चलते शुरूआती दौर में इस घटना की वजह 2 बाघों के बीच वर्चस्व की लड़ाई व आपसी संघर्ष माना जा रहा है।

अंतिम संस्कार कर शुरू की गई जांच

जानकारों की मानें तो बाघों में आपसी संघर्ष आमतौर पर सहवास या क्षेत्रीय वर्चस्व को लेकर होता है. नर बाघ अक्सर अपने इलाके की रक्षा के लिए दूसरे बाघों से संघर्ष करते हैं. वहीं, कभी-कभी प्रतिद्वंद्वी बाघ को मार डालते हैं, बताया गया कि कान्हा नेशनल पार्क के किसली अंतर्गत आने वाले मगरनाला बीट में 4 वर्षीय नर बाघ का शव मिलने के बाद उसे बरामद कर प्रोटोकॉल के तहत सोमवार शाम को अंतिम संस्कार कर दिया गया है।

बाघ के सभी अंग सुरक्षित

विभागीय जानकारी के अनुसार कान्हा नेशनल पार्क किसली के मगरनाला बीट में जो बाघ का शव बरामद किया गया है उस मृतक बाघ का शव सही सलामत है।बाघ के शव से किसी भी प्रकार के अंग नहीं निकाले गए हैं जिससे कहा नहीं जा सकता की इसका शिकार किया गया हो।उधर पंचनामा कार्यवाही कर वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में शव को नष्ट करने की कार्यवाही विभाग द्वारा की गई वहीं विभागीय अधिकारी अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद ही यह तय हो पाएगा कि मौत किस कारण से हुई है।वही पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने तक इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में हुई कार्यवाही

बताया गया कि मगरनाला बीट में गश्ती दल को नर बाघ का शव वनक्षेत्र कक्ष क्रमांक 634 (15) के पास दिखाई दिया। जिसकी सूचना तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई एवं निर्देश प्राप्त कर एन.टी. सी.पी., नई दिल्ली एवं कार्यालय मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक, म.प्र. भोपाल से जारी दिशा निर्देश अनुरूप त्वरित कार्यवाही करते हुये घटना स्थल को सुरक्षित किया गया वही डॉग स्क्वाड की सहायता से घटना स्थल एंव उसके आस-पास छानबीन की कार्यवाही की गई। छानबीन के दौरान घटना स्थल के आसपास एक अन्य नर वयस्क बाघ की उपस्थिति के साक्ष्य प्राप्त हुये है, तदोपरांत मृत वन्यजीव बाघ का शव परीक्षण /पोस्टमार्टम विशेषज्ञ. डा. संदीप अग्रवाल, वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारी,. डॉ. सुनील गोयल पशु चिकित्सक अधिकारी मोचा / मोतीनाला डॉ. विशाल उइे बिछिया के द्वारा किया गया है।शव परीक्षण के दौरान विसरा परीक्षण हेतु सैंपल एकत्रित किये गये है। उपरांत शव का निर्धारित प्रक्रियानुसार शवदाह / भस्मीकरण की कार्यवाही रवीन्द्रमणि त्रिपाठी, क्षेत्र संचालक, प्रकाश कुमार वर्मा, उप संचालक, सूरज सिंह सेन्द्राम, सहायक संचालक बंजर, शंकर मरावी तहसीलदार बिछिया, चंद्रेश खरे, मानद वन्यजीव अभिरक्षक, एन.टी.सी.पी. की प्रतिनिधि सुश्री एलिसी डिबार्मा, आकाश जैन, परिक्षेत्र अधिकारी, किसली श्रीमति श्यामवती उईके संरपंच खटिया व अन्य क्षेत्रीय कर्मचारियों की उपस्थिति में की गई। उपरोक्त समस्त कार्यवाही की फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी की गई।

जांव के लिए लैब भेजे गए नमूने

बताया गया कि शव परीक्षण के दौरान किसी बीमारी या वायरस से मृत्यु के प्रथम दृष्टया साक्ष्य प्राप्त नही हुये है, तथापि हिस्टोपैथोलॉजी की जाँच हेतु मृत नर बाघ के आवश्यक शारीरिक नमूने संरक्षित कर स्कूल ऑफ वाईल्ड लाईफ फोरेंसिक एवं हेल्थ जबलपुर भेजने की कार्यवाही की गई है। प्रकरण में अग्रिम कार्यवाही जारी है।

आपसी संघर्ष मानी जा रही मौत की वजह- वर्मा

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान कान्हा नेशनल पार्क टाइगर रिजर्व उपसंचालक प्रकाश कुमार वर्मा ने बताया कि पिछले समय बाघों की जो मौत हुई थी, वह एक वायरस महामारी के कारण हुई थी जैसे कोरोना का एक दौर आया था वैसे ही वन्य प्राणियों में एक महामारी आई थी जिसके चलते बाघों की मौत हो रही थी। लेकिन यह मामला महामारी से जुड़ा हुआ नहीं है, आज जो बाघ की मौत हुई है वह आपसी संघर्ष के चलते हुई है, क्योंकि बाघ के शव में घाव के निशान मिले हैं, वही बाघ के सभी अवशेष सुरक्षित हैं इसीलिए प्रथम दृष्टिया माना जा रहा है कि वर्चस्व की लड़ाई में बाघ की मौत हुई होगी।आज प्राप्त हुए शव का नियमानुसार पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार कराया गया है। वही बाघ के अवशेषों को फॉरेंसिक जांच के लिए जबलपुर लैब पहुंचाया गया है। जिसकी रिपोर्ट के आधार पर आगामी कार्यवाही की जाएगी। इस मामले में फिलहाल किसी की लापरवाही नजर नहीं आ रही है, यदि किसी की लापरवाही सामने आएगी तो उस पर कार्यवाही होगी।

तेज रफ्तार का कहर

अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल चीतल की मौत इलाज में देरी पर उठे सवाल,जांच में जुटा विभाग

पद्मेश न्यूज। लामता। जिले में वन्यजीवों की बढ़ती संख्या अब उनके लिए ही खतरा बनती जा रही है। कभी शिकारियों का निशाना तो कभी तेज रफ्तार वाहनों की चपेट,ऐसी ही एक दर्दनाक घटना लामता सामान्य परिक्षेत्र में सामने आई, जहां एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की ठोस से गम्भीर रूप से घायल एक वन्य प्राणी चीतल की मौत हो गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार, बालाघाट-नैनपुर मार्ग पर पांडेवाड़ा के समीप रविवार सुबह करीब 9 बजे एक चीतल तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आ गया था। हादसे के बाद वह सड़क किनारे गंभीर रूप से घायल अवस्था में तड़पता रहा। राहगीरों ने तुरंत वन विभाग को सूचना दी, लेकिन समय पर समुचित उपचार नहीं मिल पाने के कारण चीतल ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

इलाज में देरी बनी मौत की वजह?

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचकर पशुचिकित्सक की व्यवस्था करते, तो शायद चीतल की जान बचाई जा सकती थी। बताया जा रहा है कि वन रक्षकों ने घायल चीतल को आँटो से लामता ले जाने की कोशिश की, लेकिन उपचार के अभाव में उसकी मौत हो गई।

लगातार हो रहे हादसे, फिर भी कार्रवाई नहीं

यह घटना दक्षिण सामान्य लामता परिक्षेत्र भाग-2 की है, जहां पहले भी कई वन्यजीव सड़क हादसों का शिकार हो चुके हैं। इससे पहले मगदर्रा के पास एक तेंदुआ, और दो भालू भी अज्ञात वाहनों की ठोस से अपनी जान गंवा चुके हैं। बावजूद इसके, जिम्मेदार विभाग अब तक ऐसे वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई करने, या फिर वन्यप्राणियों की बाड़ा बंदी में असफल रहा है।

वाहन की पहचान पर भी सवाल

सूत्रों के अनुसार, इस हादसे में एक काले रंग की ज़ेटा कार के शामिल होने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। ना ही अभी तक यहां स्पष्ट हो पाया है कि कौन से वाहन से वन्यप्राणी टकराकर गंभीर रूप से घायल हुआ था और त्वरित व समुचित उपचार ना मिलने से उसकी मौत हो गई।

पोस्टमार्टम तक के लिए मुख्यालय भेजा गया शव

हालांकि इस मामले में किसी भी अधिकारी का अधिकृत बयान सामने नहीं आया है लेकिन दुरभाष पर चर्चा करने पर एक अधिकारी ने बताया कि पशुचिकित्सक उपलब्ध नहीं होने के कारण घायल चीतल का समय पर उपचार नहीं हो सका। मृत्यु के बाद चीतल के शव को पोस्टमार्टम के लिए बालाघाट भेजा गया है। हालांकि विभाग द्वारा इस पूरे मामले की जांच शुरू होने की बात कही जा रही है लेकिन इस घटना ने एक बार फिर वन्यजीवों की सुरक्षा, त्वरित उपचार व्यवस्था और विभागीय जिम्मेदारी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जान जोखिम में डालकर किया पुलिस विभाग का काम, अब दर दर की ठोकरे खाने को मजबूर

बालाघाट में नक्सल उन्मूलन के 'गोपनीय सैनिक' बेरोजगार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हाल ही में बालाघाट जिले को नक्सल मुक्त जिला घोषित किया गया है, जहां नक्सल मुक्त जिला घोषित होने पर शासन प्रशासन स्वयं अपनी पीठ थपथपाते नही थक रहा है।तो वही दूसरी ओर जिले को नक्सल मुक्त बनाने में अपना अहम योगदान देने वाले मुखबिर(गोपनीय सैनिक) अब दर-दर की ठोकरे खाने के लिए मजबूर हैं।नक्सल मुक्त जिला होने के चलते अब उनके समक्ष रोजगार संकट उत्पन्न हो गया है, वहीं विभाग भी उन्हें रोजगार मुहैया नहीं कर पा रहा है। जिसके चलते नक्सलियों का इनपुट और पिछले कई वर्षों से नक्सली सूचनाओं के संकलन का कार्य करने वाले मुखबीर (गोपनीय सैनिक) शासकीय कार्यों के चक्कर काटने के लिए मजबूर हैं। जिन्होंने अपनी आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए पुलिस विभाग में ही उन्हें रोजगार दिए जाने की मांग की है,आर्थिक व मानसिक रूप से परेशान इन मुखबिरों(गोपनीय सैनिकों) ने सोमवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर एक ज्ञापन सौपा, वहीं कुछ मुखबिरों ने कलेक्टर से मुलाकात कर उन्हें अपनी व्यथा सुनाई, जिसमें उन्होंने परिवार की जिम्मेदारी, बच्चों की पढ़ाई लिखाई, उनके लालन पालन, उनकी मानसिक व आर्थिक दैनिक स्थिति आदि का हवाला देते हुए जल्द से जल्द उन्हें पुलिस विभाग में रोजगार दिए जाने की गुहार लगाई है।

नाम, फोटो व पहचान उजागर ना करने की शर्त पर सुनाई दास्तान

जिले में नक्सल गतिविधियों के लगभग खत्म होने के बाद अब एक नया मानवीय संकट सामने आया है। नक्सल उन्मूलन अभियान में अहम भूमिका निभाने वाले मुखबिर (गोपनीय सैनिक) आज खुद ही बेरोजगारी और आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। जिन लोगों ने अपनी जान जोखिम में डालकर पुलिस को सूचनाएं दीं, वही अब शासकीय कार्यालयों के चक्कर काटने को मजबूर हैं, लेकिन उनकी सुनवाई कहीं नहीं हो रही।सोमवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचे गोपनीय सैनिकों ने अपना नाम, फोटो और पहचान उजागर न करने की शर्त पर बताया कि गोपनीय सैनिकों को पिछले कई महीनों से वेतन नहीं मिला है। पहले उन्हें नक्सल गतिविधियों की जानकारी देने के एवज में नियमित भुगतान और सहयोग मिलता था, वहीं अब नक्सल प्रभाव कम होते ही विभाग ने उनकी ओर ध्यान देना लगभग बंद कर दिया है। नतीजतन, उनका जीवनयापन संकट में आ गया है और वे रोजगार की तलाश में सम्बंधित विभाग व विभाग से जुड़े शासकीय कार्यालयों में चक्कर काटने के लिए मजबूर है।

मुखबिरो की कई सूचनाओं पर पुलिस को मिली है सफलता

नाम व पहचान उजागर ना करने की शर्त पर मुखबिरों ने बताया कि जिले के करीब 135 मुखबीर, पुलिस से सीधे संपर्क में थे, जो नक्सलियों के आने जाने, उनके ठहरने, नक्सली गतिविधियों और उनके इनपुट आदि की सूचनाए सीधे पुलिस विभाग को देते थे, उनकी कई सूचनाओं के आधार पर जिले में नक्सली एनकाउंटर भी हुए हैं, कई जगह नक्सली डंप पकड़े गए हैं ,वही उन्ही के इनपुट पर पुलिस को कई बार बड़ी सफलता भी प्राप्त हुई है। इन 135 के करीब मुखबिरो में से कुछ मुखबिरो को विशेष भर्ती के तहत पुलिस विभाग में रोजगार दिया गया है, जिनका वेतन बराबर आ रहा है ,लेकिन शेष करीब 65 से 70 मुखबिर आज भी बेरोजगारी की जिंदगी गुजारने के लिए मजबूर है। उन्होंने बताया कि कुछ मुखबिरों की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि उनके सामने रोजमर्रा के खर्च चलाना भी मुश्किल हो गया है। परिवार के भरण-पोषण के लिए उनके पास पैसे तक नही है।वही स्थायी रोजगार के अभाव में हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं।

मुखबिरो को किया जा रहा नजरअंदाज

गोपनीय सैनिकों का कहना है कि उन्होंने पुलिस और प्रशासन की मदद के लिए अपनी पहचान व जान तक दांव पर लगा दी, जिससे उनकी सामाजिक सुरक्षा भी खतरे में पड़ गई। अब जब नक्सलवाद मुक्त जिला हो गया है, तो उन्हें पूरी तरह नजरअंदाज किया जा रहा है।पीड़ितों ने प्रशासन से मांग की है कि उन्हें पुलिस विभाग में रोजगार देकर नियमित वेतन दिया जाए, ताकि वे सम्मानजनक जीवन जी सकें।मुखबिरों ने बताया कि उन्होंने अपनी जिंदगी के 15 से 20 साल विभाग को दे दिए हैं।पिछले कई वर्षों से विभाग का काम कर रहे हैं तो उन्हें रोजगार देने की जिम्मेदारी भी विभाग की है। पुलिस विभाग ने उन्हें रोजगार देकर उनकी मदद करनी चाहिए, ताकि उनका और उनके परिवार का जीवन सवर सके।

इन मांगों को लेकर सौपा ज्ञापन

मुखबिरो द्वारा कलेक्टर कार्यालय में सौपे गए इस ज्ञापन में उन्होंने आरक्षक या सहायक आरक्षक में सीधे नियुक्ति देने,किसी भी मुखबिर का वेतन नही काटे जाने, जो मूल वेतन है वही हर माह दिए जाने, पुलिस का पहला सूचना तंत्र (मुखबिर) है इसलिए विभाग की नौकरी में उन्हें पहले प्राथमिकता देने, सभी आवेदको को अनुभव के आधार पर शासन में पुलिस विभाग के अंतर्गत शासकीय पदों पर सीधे नियुक्त करके जीवन बर्बाद होने से बचाने की गुहार लगाई है।मुखबिरों ने आज भी बेरोजगारी की जिंदगी गुजारने के लिए मजबूर है। उन्होंने बताया कि कुछ मुखबिरों की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि उनके सामने रोजमर्रा के खर्च चलाना भी मुश्किल हो गया है। परिवार के भरण-पोषण के लिए उनके पास पैसे तक नही है।वही स्थायी रोजगार के अभाव में हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। जिन लोगों ने अपनी जान जोखिम में डालकर पुलिस को सूचनाएं दीं, वही अब शासकीय कार्यालयों के चक्कर काटने को मजबूर हैं, लेकिन उनकी सुनवाई कहीं नहीं हो रही।सोमवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचे गोपनीय सैनिकों ने अपना नाम, फोटो और पहचान उजागर न करने की शर्त पर बताया कि गोपनीय सैनिकों को पिछले कई महीनों से वेतन नहीं मिला है। पहले उन्हें नक्सल गतिविधियों की जानकारी देने के एवज में नियमित भुगतान और सहयोग मिलता था, वहीं अब नक्सल प्रभाव कम होते ही विभाग ने उनकी ओर ध्यान देना लगभग बंद कर दिया है। नतीजतन, उनका जीवनयापन संकट में आ गया है और वे रोजगार की तलाश में सम्बंधित विभाग व विभाग से जुड़े शासकीय कार्यालयों में चक्कर काटने के लिए मजबूर है।

बेनाम नहीं रहा हरिशंकर : 20 साल बाद पत्नी ने की शिनाख्त, 5 दिन बाद मिली अंतिम विदाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 5 दिन तक जिला अस्पताल में अज्ञात बनकर जिंदगी से जूझता रहा वह आखिरकार बेनाम नहीं रहा। भटेरा चौकी रेलवे क्रॉसिंग के पास ट्रेन की चपेट में आकर घायल हुए शख्स की पहचान हरिशंकर पिता दुबेलाल मानेश्वर 55 ग्राम भटेरा निवासी के रूप में हुई। 20 साल से अलग रह रही पत्नी उर्मिला ने पति की शिनाख्त कर उसे सम्मानजनक अंतिम विदाई दी।

5 दिन तक चला जिंदगी और मौत का संघर्ष

28-29 अप्रैल की दरमियानी रात भटेरा चौकी रेलवे फाटक के पास रेलवे ट्रैक किनारे हरिशंकर गंभीर हालत में मिला था। सिर और हाथ में गहरी चोटों के साथ उसे जिला अस्पताल लाया गया था। 5 दिन तक बेसुध पड़ा रहा। डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बाद भी 2 मई की रात उसने दम तोड़ दिया। पहचान न होने पर 3 मई को शव को फ्रीजर में रखवा दिया गया था।

खबर बनी अपनों तक पहुंचने का जरिया

जिला अस्पताल पुलिस ने शिनाख्त के लिए जिले भर में सूचना भेजी। 3 मई की रात प्रदेश न्यूज में खबर प्रसारित होने के बाद कुछ लोगों ने उसे पहचाना। जानकारी रिश्तेदारों तक पहुंची। 4 मई को पत्नी उर्मिला मानेश्वर परिजनों के साथ जिला अस्पताल पहुंची और शव की शिनाख्त अपने पति हरिशंकर पिता दुबेलाल मानेश्वर 55 वर्ष वार्ड नंबर 11भटेरा निवासी के रूप में की।

शिनाख्त के बाद जिलाअस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक महेंद्र मर्सकोले, आरक्षक शरद यादव ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। आखिरकार उस बेनाम शख्स को अपनों के हाथों अंतिम विदाई नसीब हुई।

20 साल का फासला-शराब ने तोड़ा घर

जानकारी के अनुसार हरिशंकर कभी पत्नी उर्मिला के साथ भटेरा में रहता था। शराब की

लत और काम न करने की आदत से परेशान होकर उर्मिला 20 साल पहले मायके मुरझड़ लालबर्रा चली गई थी। तब बेटा 5 साल का था और बेटी गर्भ में थी। उर्मिला ने मायके में मजदूरी कर दोनों बच्चों को पाला और उनकी शादी की किंतु दोनों बच्चों की शादी में भी हरिशंकर नहीं पहुंचा मगर बच्चे कभी-कभी मिलने आ जाया करते थे। इधर हरिशंकर परिवार होने के बावजूद 20 साल से अकेला था। कबाड़ बीनकर और लकड़ी काटकर अपना भरण पोषण करता था। किंतु शराब की लत बनी हुई थी। 28 एवं 29 अप्रैल की दरमियानी रात भटेरा चौकी रेलवे क्रॉसिंग के पास रेलवे रेलवे लाइन के किनारे घायल हालत में पड़ा मिला। जिसकी जिला अस्पताल में उपचार के दौरान 5 दिन बाद की मौत हो गई।

अब भी अनसुलझा है हादसे का रहस्य

हरिशंकर किन हालात में घायल हुआ यह अब तक स्पष्ट नहीं है। पुलिस जांच कर रही है कि वह ट्रेन की चपेट में आया या चलती ट्रेन से गिरा। फिलहाल घटना की असल वजह रहस्य है। आगे की मर्ग जांच कोतवाली पुलिस करेगी।

880 ग्राम के नवजात को 60 दिनों की जंग के बाद मिली जीत

माता पिता खुशी से हुए भावुक स्टॉफ का किया आभार व्यक्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कहते हैं, जब हौसला और सही इलाज साथ हों तो सबसे कठिन लड़ाई भी जीती जा सकती है। ऐसा ही एक प्रेरणादायक उदाहरण जिला चिकित्सालय बालाघाट के एसएनसीयू (विशेष नवजात देखभाल इकाई) में देखने को मिला, जहां महज 880 ग्राम वजन के एक नवजात शिशु ने 60 दिनों की कठिन जंग लड़कर जिंदगी की नई शुरुआत की।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने बताया कि वार्ड नंबर 11, मोहगांव (पोस्ट चांगोटोला, तहसील लामता) निवासी सुमन्द्री उइके ने 24 फरवरी 2026 को दोपहर 3:39 बजे पीएचसी मोहगांव में एक बालक को जन्म दिया। शिशु का जन्म समय से पहले (28 सप्ताह) और बेहद कम वजन (लगभग 800 ग्राम) के साथ हुआ, जिससे उसकी हालत बेहद नाजुक थी। स्थिति गंभीर होने पर नवजात को तुरंत जिला चिकित्सालय बालाघाट के एसएनसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया। सांस लेने में अत्यधिक तकलीफ के चलते शिशु को

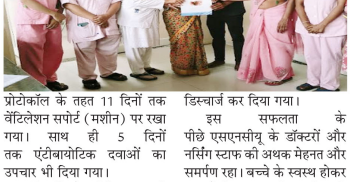

प्रोटोकॉल के तहत 11 दिनों तक वेंटिलेशन सपोर्ट (मशीन) पर रखा गया। साथ ही 5 दिनों तक एंटीबायोटिक दवाओं का उपचार भी दिया गया।

डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की सतत निगरानी में शिशु को शुरुआत से ही मां का दूध नली के माध्यम से दिया गया। धीरे-धीरे हालत में सुधार आने पर उसे कटोरी-चम्मच से दूध पिलाना शुरू किया गया। नियमित जांच, देखभाल और विशेष उपचार के चलते शिशु की स्थिति में लगातार सुधार होता गया। करीब 60 दिनों की कड़ी निगरानी और उपचार के बाद, 23 अप्रैल 2026 को जब शिशु का वजन बढ़कर 1500 ग्राम हो गया और वह पूरी तरह स्वस्थ हो गया, तब उसे सफलतापूर्वक डिस्चार्ज कर दिया गया।

इस सफलता के पीछे एसएनसीयू के डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की अथक मेहनत और समर्पण रहा। बच्चे के स्वस्थ होकर घर लौटने पर माता-पिता की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने भावुक होकर पूरे मेडिकल स्टाफ का आभार व्यक्त किया।

किराये पर उपलब्ध
धनराज कॉम्प्लेक्स
बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।
महेन्द्र सुराना 9425138670
ललित बाघरेचा 9424765679

आम ईश्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं प्रज्ञानंद पिता स्व. सतीश उर्फ सतीराम देवसरे जाति मरार ग्राम पंचायत पांडरवानी तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट का निवासी हूं। मेरी दादी स्व. श्रीमती समुला पति स्व. सुखलाल देवसरे की मृत्यु 16/02/2023 को हो चुकी है एवं मेरे पिताजी स्व. सतीश उर्फ सतीराम देवसरे पिता स्व. सुखलाल देवसरे की मृत्यु 15/12/2002 को हो चुकी है। जिनकी मृत्यु के उपरांत भाई दिनेश देवसरे, पत्नि नानीबाई देवसरे, सुशीला देवसरे, पुत्र प्रज्ञानंद देवसरे, मृत्युंजय देवसरे, पुत्री प्रीति पांचे व गायली नागेश्वर वारसान है।

उपरोक्तानुसार हमें वारसान प्रमाण पत्र ग्राम पंचायत पांडरवानी से जारी किया जाना है।

अतः आम जनता सूचना दर्ज करे।

प्रकाशक
प्रज्ञानंद पिता स्व. सतीश उर्फ सतीराम देवसरे
निवासी - ग्राम पंचायत पांडरवानी ला.
तहसील - लालबर्रा
जिला - बालाघाट।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
मंगलवार 05 मई 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

जिले के खिलाड़ियों का राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में रहा शानदार प्रदर्शन

3 स्वर्ण सहित 5 पदक झटके, राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में 3 खिलाड़ियों का चयन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आत्मरक्षण एवं कराटे विकास संघ, बालाघाट के खिलाडियों ने राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 5 अप्रैल 2026 को एफ.एम.बी. स्कूल, बालाघाट में आयोजित जिला स्तरीय कराटे टूर्नामेंट से चयनित खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल हुए।यह प्रतियोगिता मध्यप्रदेश स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन द्वारा इंदौर में आयोजित की गई, जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से लगभग 600 खिलाड़ियों ने भाग लिया। बालाघाट टीम ने कोच निधि नेखटे के मार्गदर्शन में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 5 पदक हासिल किए, जिनमें 3 स्वर्ण, 1 रजत और 1 कांस्य पदक शामिल हैं।

इन खिलाड़ियों ने बढाया जिले का मान

इंदौर में आयोजित राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में अनिकेत पुरोहित (उम्र 9 वर्ष, सब जूनियर 35 किग्रा कुमिते) में स्वर्ण पदक, सोहम बोरा (सब जूनियर 12 वर्ष +60 किग्रा कुमिते) में स्वर्ण पदक और विहान विसेन (सब जूनियर 13 वर्ष -55 किग्रा कुमिते) में स्वर्ण पदक हॉसिल किया है।जबकि यशार्थ गर्डे (जूनियर -55 किग्रा) में कांस्य पदक एवं काता इवेंट में रजत पदक, प्राप्त किया।जबकि वर्षी, आदित्य मरते (जूनियर -61 किग्रा) एवं भाव्या अवगाल (जूनियर -68 किग्रा) ने भी प्रतियोगिता में भाग लेकर महत्वपूर्ण अनुभव प्राप्त किया।उधर उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर बालाघाट जिले के 3 खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता के लिए हुआ है, जो शीघ्र ही हैदराबाद में आयोजित होगी।खिलाड़ियों के बालाघाट आगमन पर आत्मरक्षण एवं कराटे विकास संघ के पदाधिकारियों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष कृपालाल गौंडे, जिला महासचिव प्रवीण नेखटे, कोषाध्यक्ष भावना सोनकर सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।संघ के पदाधिकारियों ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि यह उपलब्धि जिले के अन्य खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी।

शहर की यातायात व्यवस्था चरमराई

वैनगंगा नदी के बड़े पुल पर लगा लंबा जाम

तेज धूप में घंटों फंसे वाहन, छोटे पुल से जोखिम भरा आवागमन, व्यवस्था पर उठे सवाल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर में यातायात व्यवस्था सुधारने के दावे लगातार खोखले साबित हो रहे हैं और हालात दिन-ब-दिन बिगड़ते नजर आ रहे हैं। कभी बस स्टैंड तो कभी अवंतीबाई चौक पर जाम की स्थिति बनने के बाद अब वैनगंगा नदी के बड़े पुल पर लंबा जाम लगने से आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सोमवार को अचानक वैनगंगा नदी के ब? पुल पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। वारासिवनी और लालबर्रा की ओर से आने-जाने वाले दोपहिया और चारपहिया वाहनों के साथ-साथ बड़े वाहन भी जाम में फंस गए। देखते ही देखते पुल के दोनों ओर वाहनों की लंबी लाइन लग गई, जिससे आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया। भीषण गर्मी और तेज धूप के बीच जाम में फंसे दोपहिया वाहन चालकों को सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई लोग घंटों तक धूप में खड़े रहने को मजबूर रहे। हालांकि शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर यातायात पुलिस द्वारा अतिरिक्त बल तैनात किया गया है, लेकिन इसके बावजूद जाम की स्थिति पर कोई खास नियंत्रण नजर नहीं आ रहा है। लगातार बन रही इस स्थिति से शहरवासियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। जाम से बचने के लिए कई दोपहिया वाहन चालक जान जोखिम में डालकर छोटे पुल से आवागमन करते नजर आए, जबकि वर्तमान में छोटे पुल से आवाजाही पूरी तरह प्रतिबंधित है। यहां सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम और रेलिंग भी नहीं है, जिसके चलते पहले भी वाहन चालकों के नदी में गिरने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इसके बावजूद लोग मजबूरी में छोटे पुल का इस्तेमाल कर रहे हैं, जो किसी बड़े हादसे को न्योता दे सकता है। शहरवासियों ने प्रशासन से यातायात व्यवस्था को सुधारने और वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था करने की मांग की है, ताकि इस तरह की स्थिति से राहत मिल सके।

शहर में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए पुलिस और प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बावजूद जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। शहर के प्रमुख मार्गों और चौक-चौराहों पर आए दिन लगने वाले जाम अब आम बात बनते जा रहे हैं, जिससे आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सोमवार, 4 मई को एक बार फिर शहर की यातायात व्यवस्था की पोल खुलती नजर आई, जब वैनगंगा नदी के बड़े पुल पर अचानक भीषण जाम की स्थिति निर्मित हो गई। दोपहर लगभग 12:30 बजे के आसपास पुल के दोनों ओर वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग गईं। शंकर घाट से लेकर डेंजर रोड तक जाम का असर देखा गया, जहां बस, ट्रक, चारपहिया और दोपहिया वाहनों की कतारें दूर तक खड़ी नजर आईं। तेज गर्मी के बीच जाम में फंसे लोगों को काफी देर तक इंतजार करना पड़ा, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों में नाराजगी भी देखी गई। हालांकि जाम लगने के पीछे का स्पष्ट कारण सामने नहीं आ सका, लेकिन स्थानीय लोगों का मानना है कि अचानक बढ़े यातायात दबाव, सड़क पर अव्यवस्थित तरीके से वाहनों की आवाजाही और ट्रैफिक नियंत्रण की कमी के चलते यह स्थिति बनी। जाम से बचने के लिए कई वाहन चालक आसपास की गलियों और वैकल्पिक मार्गों का सहारा लेते नजर आए, जिससे उन क्षेत्रों में भी यातायात अव्यवस्थित हो गया। गौरतलब है कि वैनगंगा पुल शहर का एक प्रमुख मार्ग है, जहां से प्रतिदिन भारी संख्या में वाहनों का आवागमन होता है। इसके बावजूद यहां स्थायी ट्रैफिक मैनेजमेंट की व्यवस्था नजर नहीं आती, जिसके चलते समय-समय पर जाम की स्थिति बन जाती है। शहर के अन्य हिस्सों में भी यातायात की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। बस स्टैंड, मेन रोड, अवंतीबाई चौक सहित कई व्यस्त स्थानों पर अक्सर जाम लग जाता है। सड़क किनारे अनियंत्रित पार्किंग, ट्रैफिक नियमों की अनदेखी और बढ़ती वाहन संख्या इस समस्या को और गंभीर बना रही है। हालांकि शहर में यातायात पुलिस का बल तैनात है और हाल ही में अतिरिक्त पुलिस कर्मियों को भी प्रमुख चौराहों पर लगाया गया है, लेकिन इन उपायों का अपेक्षित असर दिखाई नहीं दे रहा है। कई स्थानों पर पुलिस की मौजूदगी के बावजूद ट्रैफिक नियंत्रण प्रभावी नहीं हो पा रहा है। रेलवे क्रॉसिंग जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में भी अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पहले यातायात पुलिस की गाडि़यां नियमित रूप से शहर में गश्त कर अव्यवस्थित पार्किंग और जाम की समस्या को नियंत्रित करती थीं, लेकिन अब ऐसे प्रयास कम होते नजर आ रहे हैं। इसके चलते शहर में ट्रैफिक मैनेजमेंट की स्थिति धीरे-धीरे बिगड़ती जा रही है। नागरिकों और वाहन चालकों ने प्रशासन से मांग की है कि शहर में यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए ठोस और दीर्घकालिक योजना बनाई जाए। साथ ही प्रमुख मार्गों और चौक-चौराहों पर प्रभावी निगरानी, सख्त कार्रवाई और बेहतर ट्रैफिक प्लानिंग के जरिए इस समस्या का स्थायी समाधान किया जाए, ताकि आमजन को जाम जैसी समस्याओं से राहत मिल सके।

पांच राज्यों के चुनाव नतीजों पर बालाघाट में भाजपा का जश्न, आतिशबाजी और झालमुड़ी के साथ मनाई जीत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के परिणाम घोषित होते ही भारतीय जनता पार्टी में उत्साह की लहर दौड़ गई। पश्चिम बंगाल और असम में पार्टी की मजबूत स्थिति सामने आने के बाद बालाघाट में भी कार्यकर्ताओं ने भव्य तरीके से जीत का जश्न मनाया। सोमवार, 4 मई को शहर का माहौल पूरी तरह जश्न के रंग में रंगा नजर आया। भाजपा कार्यालय के सामने दोपहर से ही कार्यकर्ताओं का जुटना शुरू हो गया था। जैसे-जैसे चुनाव परिणाम स्पष्ट होते गए, कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ता गया और उन्होंने आतिशबाजी कर जीत का इजहार किया। इस दौरान एक-दूसरे का मुंह मीठा कर बधाइयां दी गईं और भारत माता की जय व भाजपा जिंदाबाद के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा।

जश्न की खास बात यह रही कि कार्यकर्ताओं को पश्चिम बंगाल की पारंपरिक मसालेदार डिश झालमुड़ी खिलाई गई। बंगाल की संस्कृति की झलक दिखाते इस अनोखे अंदाज ने कार्यक्रम को अलग पहचान दी। कार्यकर्ताओं ने इसे उत्साह के साथ ग्रहण किया और जीत के प्रतीक के रूप में देखा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे ने कहा कि यह जीत पार्टी की जनहितैषी नीतियों, विकास कार्यों और संगठन की मजबूत कार्यशैली का परिणाम है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने हमेशा गरीब, किसान, मजदूर और आमजन के हितों को प्राथमिकता दी है, जिसका असर चुनाव परिणामों में स्पष्ट दिखाई दे रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि विशेष रूप से पश्चिम बंगाल जैसे चुनौतीपूर्ण राज्य में कार्यकर्ताओं ने विपरीत परिस्थितियों में भी डटकर काम किया और संगठन को मजबूत बनाए रखा। कार्यकर्ताओं के समर्पण और संघर्ष का ही परिणाम है कि पार्टी आज इस मुकाम तक पहुंची है। जिलाध्यक्ष ने विश्वास जताया कि आने वाले समय में भाजपा अन्य राज्यों में भी अपने विकास मॉडल और जनकल्याणकारी योजनाओं के दम पर जनता का विश्वास जीतकर सरकार बनाएगी। उन्होंने इसे सिर्फ चुनावी जीत नहीं, बल्कि पार्टी की विचारधारा की विजय बताया। जश्न के दौरान ढोल-नगाड़ों की धुन पर कार्यकर्ता नाचते-गाते नजर आए। युवा कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला, वहीं वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भी एक-दूसरे को बधाई देते हुए इस जीत को ऐतिहासिक बताया। कार्यक्रम में पार्टी के विभिन्न पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने एकजुट होकर जीत का जश्न मनाया और संगठन को और मजबूत करने का संकल्प लिया।

केवि बालाघाट का खेलों में जलवा, अंडर-14 बास्केटबॉल में लगातार तीसरी बार गोल्ड

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बालाघाट ने क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-14 बालक बास्केटबॉल वर्ग में लगातार तीसरी बार स्वर्ण पदक जीतकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह प्रतियोगिता 28 से 30 अप्रैल 2026 तक केवी जीसीएफ नं. 1 जबलपुर में आयोजित हुई।

विद्यालय की टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अनुशासित और प्रभावशाली खेल का प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ अंडर-14 वर्ग के 10 खिलाड़ियों का चयन केवीएस राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता (ह्रस्व) के लिए हुआ है। इसके अलावा अंडर-17 बालक बास्केटबॉल वर्ग से भी 1 खिलाड़ी का चयन हुआ है। इस प्रकार कुल 11 छात्र अब राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

इस उपलब्धि का श्रेय विद्यालय के प्राचार्य अरुण कुमार तुमसरे के मार्गदर्शन, शारीरिक शिक्षा शिक्षक अर्जुन कुमार के कुशल प्रशिक्षण और खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत व समर्पण को दिया जा रहा है। विद्यालय की इस सफलता से न केवल स्कूल बल्कि पूरे जिले में खुशी का माहौल है और विद्यार्थियों में खेलों के प्रति उत्साह भी बढ़ा है।

हाईस्कूल एवं हायर सेकण्डरी द्वितीय परीक्षा 2026 के प्रवेश-पत्र जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं हायर सेकण्डरी द्वितीय परीक्षा वर्ष 2026 के प्रवेश-पत्र जारी कर दिए गए हैं। यह परीक्षाएं 7 मई 2026 से प्रारंभ होंगी।

जिला शिक्षा अधिकारी श्री एके उपाध्याय ने बताया कि सभी परीक्षार्थियों के प्रवेश-पत्र MPONLINE के आधिकारिक पोर्टल पर अपलोड कर दिए गए हैं। छात्र-छात्राएं वेबसाइट www.mpbse.mponline.gov.in पर जाकर अपना प्रवेश-पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। परीक्षार्थियों को सलाह दी गई है कि वे समय रहते अपना प्रवेश-पत्र डाउनलोड कर लें तथा उसमें अंकित जानकारी जैसे नाम, विषय, परीक्षा केन्द्र आदि का मिलान अवश्य कर लें। किसी प्रकार की त्रुटि पाए जाने पर तत्काल संबंधित संस्था या मण्डल कार्यालय से संपर्क करें। परीक्षा में प्रवेश-पत्र के बिना किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केन्द्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। अत: सभी छात्र-छात्राएं परीक्षा के दिन अपना प्रवेश-पत्र अनिवार्य रूप से साथ लेकर आएं।

राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में इशराख शेख ने जीता कांस्य पदक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश राज्य स्तरीय सब-जूनियर, जूनियर कैडेट एवं जूनियर कराटे प्रतियोगिता में बालाघाट जिले के खिलाड़ी इशराख शेख ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। यह प्रतियोगिता 1 मई से 3 मई तक इंदौर पब्लिक स्कूल, राजेंद्र नगर, इंदौर में आयोजित की गई, जिसमें प्रदेश के लगभग 20 जिलों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने कुमीते और काता जैसी विभिन्न कराटे विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

जिला कराटे प्रशिक्षण केंद्र के खेल प्रशिक्षक श्री सचिंद्र कृष्णन ने बताया कि प्रशिक्षण केंद्र बालाघाट के खिलाड़ी इशराख शेख ने कड़े मुकाबलों के बीच शानदार खेल दिखाते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। उनकी इस उपलब्धि से जिले में खुशी का माहौल है। कोच एवं खेल प्रेमियों ने इशराख की इस सफलता पर उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उन्होंने कहा कि निरंतर अभ्यास और समर्पण से खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर भी जिले का नाम रोशन कर सकते हैं।

विधायक अनुभा मुंजारे ने खुद संभाली देवी तालाब की सफाई, समर्थकों के साथ किया श्रमदान

पहले दी थी चेतावनी, फिर मैदान में उतरकर किया पहल, नपा अमला भी सफाई अभियान में हुआ शामिल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 4 मई को बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने स्थानीय देवी तालाब पहुंचकर स्वयं सफाई अभियान की कमान संभाली। हाथों में घमेला लेकर उन्होंने तालाब की साफ-सफाई शुरू की और अपने समर्थकों के साथ कुछ घंटों तक श्रमदान करते हुए तालाब की स्थिति सुधारने का प्रयास किया। गौरतलब है कि बीते दिनों निरीक्षण के दौरान विधायक ने स्पष्ट चेतावनी दी थी कि यदि नगर पालिका तालाब की सफाई को लेकर सक्रिय नहीं होती है, तो वे स्वयं अपने समर्थकों के साथ मैदान में उतरेंगी। अपने उसी वादे को निभाते हुए वे निर्धारित दिन सुबह ही देवी तालाब पहुंचीं और सफाई कार्य शुरू कर दिया। विधायक के इस कदम के बाद नगर पालिका का अमला भी सक्रिय हुआ और अधिकारी-कर्मचारी मौके पर पहुंचकर सफाई अभियान में शामिल हो गए। इसके बाद सभी ने मिलकर तालाब से गंदगी हटाने, कचरा निकालने और साफ-सफाई की व्यवस्था सुधारने का कार्य किया। इस दौरान बड़ी संख्या में समर्थक और स्थानीय लोग भी मौजूद रहे, जिन्होंने श्रमदान कर अभियान को सफल बनाने में सहयोग दिया। विधायक ने कहा कि सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता हम सभी की जिम्मेदारी है और इसमें जनभागीदारी जरूरी है। देवी तालाब में चलाए गए इस सफाई अभियान की शहर में व्यापक चर्चा रही और इसे जनप्रतिनिधि द्वारा की गई सकारात्मक पहल के रूप में देखा जा रहा है। जिले में जनसंपर्क और विकास कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ अब अनुभा मुंजारे स्वयं भी मैदान में उतरकर समस्याओं के समाधान की पहल करते नजर आ रहे हैं। इसी क्रम में बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने एक बार फिर सक्रियता दिखाते हुए शहर के देवी तालाब में साफ-सफाई अभियान चलाया और खुद श्रमदान कर उदाहरण पेश किया। दरअसल, बीते दिनों से देवी तालाब में गंदगी, अतिक्रमण और बदबू की समस्या को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही थीं। विधायक ने पहले भी मौके पर पहुंचकर नगर पालिका और राजस्व विभाग के अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई थी और साफ-सफाई तथा संरक्षण को लेकर कड़े निर्देश दिए थे। उन्होंने चेतावनी भी दी थी कि यदि प्रशासन इस दिशा में गंभीरता नहीं दिखाएगा तो वे स्वयं जनता के साथ मिलकर सफाई अभियान चलाएंगी। इसी कड़ी में सोमवार सुबह विधायक अपने समर्थकों के साथ देवी तालाब पहुंचीं और श्रमदान करते हुए सफाई अभियान शुरू किया। इस दौरान उन्होंने खुद हाथों में तसला (घमेला) उठाकर तालाब से कचरा बाहर निकाला। उनके साथ मौजूद कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने भी सफाई में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सफाई अभियान के दौरान नगर पालिका का अमला भी मौके पर मौजूद रहा। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारियों ने भी श्रमदान में भाग लिया और तालाब की सफाई कार्य में सहयोग किया। अभियान के दौरान तालाब में जमा कचरे को बाहर निकाला गया तथा बदबू और संक्रमण की आशंका को देखते हुए ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव भी किया गया। विधायक अनुभा मुंजारे ने इस दौरान कहा कि नगर पालिका द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण तो किया जाता है, लेकिन ऐसे संवेदनशील स्थानों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि देवी तालाब के आसपास घनी आबादी है और यहां फैली गंदगी तथा दूषित पानी से लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे में नियमित साफ-सफाई और निगरानी बेहद आवश्यक है। उन्होंने नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश दिए कि तालाब की सफाई केवल एक दिन का कार्य न रह जाए, बल्कि इसकी निरंतर मॉनिटरिंग की जाए और भविष्य में यहां कचरा फेंकने वालों पर सख्ती से कार्रवाई की जाए। साथ ही स्थानीय नागरिकों से भी अपील की कि वे सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने में प्रशासन का सहयोग करें।

गेहूं खरीदी केंद्र पर अव्यवस्था देख भड़कीं विधायक अनुभा मुंजारे, अधिकारियों को लगाई फटकार

अन्नदाता को परेशान किया तो खैर नही, किसानों को प्राथमिकता एवं व्यवस्था में सुधार करने के दिये निर्देश

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय के बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग पर स्थित वेयरहाउस में संचालित गेहूं खरीदी केंद्र का सोमवार को बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान केंद्र पर भारी अव्यवस्थाएं और किसानों की शिकायतों का अंबार देख विधायक का पारा चढ़ गया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों और खरीदी प्रभारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार के निर्देश दिये है। साथ ही यह भी कहा कि शिकायत भी मिल रही है कि खरीदी केन्द्र में पहले व्यापारियों के गेंहू की खरीदी की जा रही है जो गलत है, किसान हमारे अन्नदाता है, पहले किसानों को प्राथमिकता दी जाये। अगर अन्नदाताओं को पेरशान किया जायेगा तो यह बर्दाश्त नही की जायेगी।

व्यापारियों को लाभ पहुंचाने की शिकायत पर एक्शन

लालबर्रा वृहत्ताकार सेवा सहकारी समिति के द्वारा सिवनी मार्ग पावर हाउस के समीप स्थित वेयर हाउस में गत दिवस से समर्थन मूल्य में गेंहू खरीदी की जा रही है। साथ ही यह खरीदी वेयर हाउस के बाहर खुले आसमान के नीचे की जा रही है जिससे इस भीषण गर्मी में किसानों के साथ ही मजदूरों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं विधायक श्रीमती मुंजारे को पिछले कुछ दिनों से लगातार किसानों के माध्यम से शिकायतें मिल रही थी कि खरीदी केंद्र पर पक्षपात का बोलबाला है। किसानों का आरोप था कि उन्हें भीषण गर्मी में घंटों कतार में खड़ा रखा जाता है, जबकि साठगांठ के चलते व्यापारियों की उपज को प्राथमिकता देकर जल्दी तौल लिया जाता है। इन शिकायतों की जमीनी हकीकत जानने पहुंची विधायक श्रीमती मुंजारे ने जब केंद्र का औचक निरीक्षण किया तो वहां अव्यवस्थाओं का अंबार मिला। किसानों के बैठने और पीने के पानी के पुख्ता इंतजाम न होने पर नाराजगी व्यक्त की है। वहीं निरीक्षण के दौरान विधायक ने संबंधित अधिकारियों को दो-टूक शब्दों में कहा कि किसान हमारा अन्नदाता है और उनकी परेशानी बर्दाश्त नहीं की जायेगी उन्होंने निर्देश दिये कि पहले किसानों की उपज की तौल की जाये, उसके बाद ही किसी अन्य की फसल ली जाये। साथ ही बढ़ती धूप और लू को देखते हुए तौल की प्रक्रिया में तेजी लाने, केंद्र पर किसानों के लिए छांव, शीतल पेयजल और बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा है। साथ ही विधायक श्रीमती मुंजारे ने कहा कि मुझे लगातार शिकायते मिल रही थी कि खरीदी केन्द्र में किसानों को परेशान किया जा रहा है, किसान हमारे अन्नदाता हैं, उनकी सेवा और समस्याओं का समाधान करना हमारा प्राथमिक कर्तव्य है। अगर भविष्य में दोबारा ऐसी अव्यवस्था मिली या किसानों के साथ दुर्व्यवहार की खबर आने पर संबंधित अधिकारी पर कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। इस निरीक्षण के दौरान विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के साथ पांढरवानी सरपंच अनीस खान, ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष मनीराम भोयर, नीतिन साखला सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

व्यवस्था में सुधार करें समिति - अनुभा

विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने बताया कि किसानों के माध्यम से विगत कई दिनों से शिकायत मिल रही थी कि समय में तौल नही होने, बारदानों की समस्या एवं धूप में परेशान होना पड़ता है सहित अन्य समस्याओं से अवगत करवाया गया था। जिसके बाद सोमवार को खरीदी केन्द्र का निरीक्षण किया गया है, निरीक्षण में पाया गया कि खरीदी केन्द्र में अव्यवस्था है। जिसमें बारदाने सहित अन्य समस्याएं सामने आई है। वहीं किसान प्रात: 6 बजे उपज लेकर पहुंच जाते है लेकिन देरशाम तक उनकी उपज की खरीदी नहीं हो पाती है जिससे वे इस तेज धूप में परेशान होते रहते है। संबंधित अधिकारी से चर्चा की गई तो उन्होने आश्वासन दिया है कि व्यवस्था में सुधार किया जायेगा। श्रीमती मुंजारे ने बताया कि किसानों से जानकारी मिली थी कि खरीदी प्रभारी के द्वारा पहले व्यापारियों की उपज को खरीदा जाता है और किसानों को घंटे इंतजार करवाया जाता है। जिस पर मैंने उनसे कहा कि किसान अन्नदाता है, पहली प्राथमिकता किसानों को दी जाये। साथ ही यह भी बताया कि डॉ मोहन यादव सरकार 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मना रही है। हमारा सरकार से कहना है कि यदि किसान कल्याण वर्ष है तो क्यों किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए परेशान होना पड़ रहा है। 12 से 13 घंटे धूप में अपनी उपज बेचने के लिए खड़े रहना पड़ रहा है, इंतजार करना पड़ रहा है जिसमें सुधार होना चाहिए। खरीदी केन्द्र के निरीक्षण में संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों से कहा गया है कि पहली प्राथमिकता किसानों को उसके बाद व्यापारियों को दी जाये एवं अव्यवस्था में सुधार कर बेहतर व्यवस्था किसानों को उपलब्ध करवाये।

अमोली से रामजीटोला पहुंच मार्ग गड्ढों में तब्दील

आवागमन में हो रही परेशानी, ग्रामीण एवं राहगीरों ने सड़क निर्माण करवाने की शासन-प्रशासन से की मांग

पद्मेश न्यूज।लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली-समनापुर मार्ग से गुजरी बायपास रोड़ ग्राम रामजीटोला पहुंच मार्ग गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। जिसके कारण मार्ग से आवागमन करने वाले राहगीर व ग्रामीणजनों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही मार्ग में जगह-जगह बने गड्ढों के कारण दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है परन्तु जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश बढ़ते जा रहा है। आपकों बता दें कि ग्राम पंचायत पांढ़रवानी के अंतर्गत आने वाले ग्राम रामजीटोला से अमोली पहुंच मार्ग का खस्ताहाल हो चुका है और लंबे समय से मार्ग का किसी प्रकार का निर्माण एवं मरम्मत कार्य भी नही करवाया गया है। जबकि यह मार्ग रामजीटोला होते हुए समनापुर मार्ग एवं अमोली से सीधे रामजीटोला, पांढरवानी होते हुए सिवनी हाईवे मार्ग को जोड़ता है परन्तु सड़क का निर्माण नही होने के कारण सड़क गड्ढों में तब्दील हो चुकी है एवं बरसात के दिनों में पैदल चलना मुश्किल हो जाता है। इस मार्ग से रोजाना बड़ी संख्या में राहगीर व किसान आवागमन करते है क्योंकि यह मार्ग समनापुर पहुंच मार्ग से जुड़ा हुआ है। इसलिए समनापुर, मगरदर्रा सहित अन्य स्थानों पर जाने के लिये राहगीर बड़ी संख्या में इसी मार्ग से आवागमन करते है। साथ ही इस मार्ग पर किसानों की खेती भी है उन्हे अपने कृषि कार्य के लिए भी रोजाना आना-जाना पड़ता है। राहगीर एवं किसानों ने अमोली समनापुर मार्ग से रामजीटोला पहुंच मार्ग का जल्द पक्का निर्माण करवाने की मांग शासन-प्रशासन से की है ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

यातायात व्यवस्था को सुधारने बस स्टैण्ड में पुलिसकर्मी की लगाई जाये ड्यूटी - फिरोज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। आम आदमी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष फिरोज नियाजी ने विज्ञप्ति जारी कर अपने वक्तव्य में कहा कि नगर मुख्यालय से होकर गुजरी बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग के विश्राम गृह से लेकर मजार

तक आये दिन भारी वाहनों के आवाजाही के कारण बार-बार ट्राफिक जाम होने से मार्ग से आने-जाने वालों राहगीरों एवं स्थानीय दुकानदारों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है और किसी भी समय बड़ी दुर्घटना घटित होने की संभावना बनी हुई है परन्तु पुलिस प्रशासन के द्वारा यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए किसी भी पुलिसकर्मी की डयूटी बस स्टैण्ड व अन्य स्थानों पर नही लगाई जा रही है। जिसके कारण नगर की यातायात व्यवस्था बदहाल होते जा रही है जिससे सभी परेशान है। श्री नियाजी ने बताया कि यातायात व्यवस्था सबसे अधिक खराब विश्राम गृह से लेकर थाने के बीच में बनी रहती है इन स्थानों पर सड़क की चौड़ाई कम है और तीन ओर से बड़े वाहनों के साथ ही अन्य छोटे वाहनों का आवागमन होते रहता है। साथ ही बस स्टैण्ड, सैंट्रल बैंक के पास सहित अन्य स्थानों पर हाईवे रोड़ में जानलेवा गड्ढे भी बन गये है। जिसके कारण हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है और सबसे अधिक ट्राफिक थाने से लेकर विश्राम गृह के बीच में बनी रहती है। इसलिए पुलिस प्रशासन से मांग है कि बस स्टैण्ड के सामने हाईवे मार्ग में दो पुलिसकर्मी की ड्यूटी लगाई जाये ताकि भारी वाहनों के आवागमन से बार-बार ट्राफिक जाम से जो यातायात बाधित होती है। उसे बहाल कर अच्छी यातायात व्यवस्था राहगीर व क्षेत्रीयजनों को उपलब्ध हो सके।

लालबर्रा में भाजपाईयों ने मनाया पश्चिम बंगाल विजय का जश्न

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। देश के 5 राज्य पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, असम और केन्द्र शासित प्रदेश पांडिचेरी में गत दिवस विधानसभा चुनाव संपन्न हुए है। जिसका परिणाम 4 मई को मतगणना के साथ आया है। पश्चिम बंगाल, असम और पांडिचेरी के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की शानदार बढ़त और सरकार गठन की खुशी में भाजपा कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखा गया। नगर मुख्यालय के हृदय स्थल कहे जाने वाले बस स्टैंड में सोमवार की शाम 6 बजे बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एकत्रित होकर जीत का जश्न मनाया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की और एक-दुसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। वहीं बस स्टैंड परिसर "जहां हुए बलिदान मुखर्जी, वह बंगाल हमारा है" और भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद जैसे नारों से गूंज उठा। साथ ही कार्यकर्ताओं ने इस जीत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया है। वहीं भाजपा पदाधिकारियों ने बताया कि लंबे समय बाद पश्चिम बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक जीत हुई है जिसका श्रेय वहां के मतदाताओं को जाता है और अब पश्चिम बंगाल में विकास होगा।

वहीं सभी ने इस जीत को लोकतंत्र की विजय बताते हुए आगामी समय में भी इसी तरह एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। कमलेश चौधरी ने बताया कि लंबे समय बाद पश्चिम बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक जीत हुई है जिससे पार्टी के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों में भारी उत्साह नजर आ रहा है। साथ ही यह भी बताया कि आज भाजपा देश की सबसे बड़ी पार्टी बन चुकी है और यह सरकार हर वर्ग के हित में काम कर रही है एवं विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है जिसका लाभ भी मिल रहा है इसलिए लोगों का पार्टी के प्रति विश्वास भी बढ़ता जा रहा है। इस अवसर पर भाजपा मंडल लालबर्रा अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया, पूर्व मंडल अध्यक्ष देवेन्द्र अवधिया, नगर अध्यक्ष संजीव अवधिया, श्रीमती अनिता अग्रवाल, बेलगांव सरपंच अरविंद पंचेश्वर, कमलेश चौधरी, गुलशन नागेश्वर सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

'बंगाल की जनता ने भाजपा की नीतियों पर जताया भरोसा - प्रसन्न

चर्चा में भाजपा मंडल लालबर्रा अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया ने बताया कि देश के 5 राज्यों में गत दिवस विधानसभा चुनाव संपन्न हुए थे जिसका परिणाम सोमवार को आया है जिसमें पश्चिम बंगाल सहित अन्य रा'यों में भाजपा की जीत हुई है, आज का दिन ऐतिहासिक है। यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन और कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत का परिणाम है। अब बंगाल भयमुक्त हुआ है और गंगोत्री से लेकर गंगासागर तक भाजपा की विचारधारा का परचम लहरा रहा है। श्री अवधिया ने बताया कि पश्चिम बंगाल की जनता ने भाजपा की नीतियों पर भरोसा जताया है और अब पश्चिम बंगाल का भी विकास होगा। पश्चिम बंगाल सहित अन्य राज्यों में भाजपा की जीत होने पर भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा लालबर्रा बस स्टैण्ड में जमकर आतिशबाजी एवं मिठाई बांटकर जीत का जश्न मनाया गया है और बालाघाट, लालबर्रा की जनता से भी आव्हान है कि कांग्रेस मुक्त भारत बनाने के संकल्प में अपना सहयोग प्रदान करें।

बालाघाट की बेटियों का राष्ट्रीय मंच पर परचम, वैज्ञानिक प्रदर्शनी में शानदार सफलता

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बालाघाट की छात्राओं ने राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया है। विद्यालय की कक्षा 12वीं की छात्रा गुंजन बोपचे और यामिनी ठाकुर ने विज्ञान एवं नवाचार के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

देशभर में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (स्ञ्जश्वरू) को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 8 से 10 अप्रैल 2026 तक केंद्रीय विद्यालय गणेशखंड पुणे में राष्ट्रीय स्तर की बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी आयोजित की गई। इस प्रतिष्ठित आयोजन में केंद्रीय विद्यालय संगठन के 25 क्षेत्रीय कार्यालयों के अंतर्गत आने वाले विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस राष्ट्रीय मंच पर पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बालाघाट की छात्रा गुंजन बोपचे ने क्लस्टर, क्षेत्रीय और राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर तक अपनी जगह बनाई। सेमिनार इवेंट में उन्होंने प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय सहित पूरे जिले को गौरवान्वित किया। वहीं, छात्रा यामिनी ठाकुर ने 'सस्टेनेबल एग्रीकल्चर' विषय पर आधारित अपना नवाचारी मॉडल प्रस्तुत किया। उनके मॉडल ने पर्यावरण संरक्षण और आधुनिक कृषि के क्षेत्र में नई संभावनाओं को उजागर किया। उन्होंने भी क्लस्टर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। विद्यालय के प्राचार्य अरुण कुमार तुमसरे ने छात्राओं की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे शिक्षकों के मार्गदर्शन और विद्यार्थियों की मेहनत का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह की उपलब्धियां अन्य विद्यार्थियों को भी विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं। यह सफलता दर्शाती है कि बालाघाट जैसे क्षेत्र के विद्यार्थी भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने में सक्षम हैं और भविष्य में भी ऐसे ही नए आयाम स्थापित करते रहेंगे।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की दर्दनाक मौत

हादसे और आत्महत्या के बीच उलझी गुत्थी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम वारा रेलवे क्रॉसिंग के पास रविवार और सोमवार की दरमियानी रात एक हृदय विदारक घटना सामने आई है। यहाँ वारासिवनी से बालाघाट की ओर जा रही पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आने से 26 वर्षीय एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद से क्षेत्र में शोक का माहौल है वहीं पुलिस इस मामले की बारीकी से जांच कर रही है कि यह महज एक हादसा था या फिर आत्महत्या।

पोल नंबर 1059/9 के पास हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान अमित पिता सुरेश बाहेश्वर 26 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 16 वारा टोला ग्राम वारा के रूप में हुई है। घटना 3 मई की रात करीब 11 बजे की है। बताया जा रहा है कि जब पैसेंजर ट्रेन वारासिवनी से बालाघाट की ओर बढ़ रही थी तभी रेलवे पोल नंबर 1059/9 के पास अमित ट्रेन की चपेट में आ गया। ट्रेन के पायलट को किसी वस्तु से टकराने का आभास हुआ जिसके बाद अचानक ट्रेन रोक दी गई। जब पायलट ने नीचे उतरकर देखा तो इंजन के नीचे एक युवक का शव क्षत विक्षत हालत में फंसा हुआ था। ट्रेन रुकते ही आसपास के ग्रामीण और राहगीर भी मौके पर जमा हो गए। काफी मशक्कत के बाद युवक की शिनाख्त अमित के रूप में की गई और तत्काल परिजनों व वारासिवनी पुलिस को सूचित किया गया।

पुलिस कार्यवाही और अनसुलझे सवाल

सूचना मिलते ही वारासिवनी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया। रात अधिक होने के कारण शव को सुरक्षित सिविल अस्पताल के शव विच्छेदन गृह मर्चुरी में रखवाया गया। सोमवार को पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही के बाद शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि अमित रेलवे ट्रैक पर कैसे पहुँचा। क्या वह पटरी पार करते समय अंधेरे के कारण ट्रेन की चपेट में आया या उसने जानबूझकर मौत को गले लगाया फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और परिजनों सहित प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

सब्जी लेने निकला था अमित-आनंद बाहेश्वर

मृतक के भाई आनंद बाहेश्वर ने बताया कि अमित रात में सब्जी लेने के लिए घर से निकला था। मैं परिवार के अन्य सदस्य एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जल्दी निकल गया था जबकि अमित घर पर ही था। जब वह देर रात तक वापस नहीं लौटा और इसी बीच दुर्घटना की खबर मिली परिजन आनन.फानन में घटनास्थल पर पहुंचे। मौके पर पहचान की गई मैं विवाह कार्यक्रम में ही था जहां मुझे घटना की जानकारी लगी तो अभी हम यहां पर आए हुए है पुलिस अपनी कार्यवाही कर रही है। घटना का कारण हमें लग रहा है कि अचानक रेलवे ट्रैक क्रॉस करते हुए या हादसा हो गया है।

सूदखोरी के मामले में सुनील अरोरा के ठिकानों पर पुलिस का कड़ा शिकंजा

छापेमारी में बरामद हो रहे ब्लैंक चेक और संदिग्ध दस्तावेज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर में सूदखोरी के अवैध कारोबार के खिलाफपुलिस ने अपनी कार्यवाही तेज कर दी है। क्षेत्र में सक्रिय सूदखोरों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने आरोपी सुनील पिता पीतम लाल अरोरा के विभिन्न ठिकानों पर दबिश देकर बड़ी सफलता हासिल की है। न्यायालय से रिमांड मिलने के बाद पुलिस सुनील अरोरा को साथ लेकर उसके संदिग्ध ठिकानों की बारीकी से जांच कर रही है। सोमवार को पुलिस की एक विशेष टीम शासकीय वाहन से आरोपी सुनील अरोरा को लेकर पंजबाड़ा मोहल्ला पहुंची। यहां वार्ड नंबर 14 की गली में स्थित आरोपी की एक छोटी दुकान को उसकी मौजूदगी में खोला गया। दोपहर करीब 1 बजे शुरू हुई यह तलाशी अभियान देर शाम 6 बजे तक निरंतर जारी रहा। इस छापेमारी के दौरान पुलिस को बड़ी मात्रा में हस्ताक्षरित ब्लैंक चेक और कई संदिग्ध दस्तावेज प्राप्त हुए हैं। पुलिस प्रशासन ने मौके पर ही बरामद किए गए सभी साक्ष्यों की सूची तैयार कर पंचनामा बनाया और उन्हें विधिवत सील कर दिया। जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि सुनील अरोरा ने गिरफ्तारी के डर से या सुरक्षा की दृष्टि से अपने कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज अन्य लोगों के पास भी रखवाए थे। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए संबंधित व्यक्तियों को तत्काल थाने तलब किया जिसके बाद उनके पास से भी दस्तावेज बरामद किए गए हैं। सूत्रों के अनुसार पुलिस रिमांड के दौरान सुनील अरोरा से कड़ाई से पूछताछ की जा रही है। इसी पूछताछ के आधार पर नगर के अन्य स्थानों पर भी छापमार कार्यवाही की जा रही है ताकि सूदखोरी के इस जाल की जड़ों तक पहुंचा जा सके। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि आरोपी ने अब तक कितने लोगों को अपने जाल में साया है और अवैध रूप से कितनी संपत्तियां अर्जित की हैं। हालांकि बरामद दस्तावेजों की कुल संख्या और उनके विवरण को लेकर पुलिस ने अभी तक कोई आधिकारिक खुलासा नहीं किया है लेकिन अधिकारियों का कहना है कि हर पहलू की गंभीरता से जांच की जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई से नगर के अन्य सूदखोरों में भी हड़कंप मचा हुआ है।

नगर में मकानों की गणना का शंखनाद, 1 मई से घर घर पहुंचने लगे प्रगणक

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर सहित क्षेत्र में भारत सरकार के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट जनगणना 2027 के तहत प्रथम चरण का आगाज हो चुका है। नगर पालिका क्षेत्र में 1 मई 2026 से मकान सूचिकरण और मकानों की गणना का फील्ड कार्य आधिकारिक तौर पर शुरू कर दिया गया है। इस राष्ट्रीय अभियान की सफलता के लिए प्रशासन ने पूरी ताकत झोंक दी है।

डिजिटल तकनीक से होगी सटीक गणना

इस बार की जनगणना की सबसे बड़ी विशेषता इसकी पारदर्शिता और सटीकता है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्य प्रकाश ऊके ने बताया कि प्रगणक निर्धारित प्रपत्रों के साथ साथ डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर रहे हैं। इससे डेटा संकलन में मानवीय त्रुटि की संभावना न्यूनतम होगी और वास्तविक समय में आंकड़ों की मॉनिटरिंग की जा सकेगी। प्रथम चरण के दौरान प्रगणक प्रत्येक घर जाकर मकान की वर्तमान स्थिति और उसका उपयोग भवन निर्माण का प्रकार और उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं परिवार से संबंधित प्रारंभिक एवं आवश्यक जानकारी। नगर पालिका प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनगणना से प्राप्त डेटा का उपयोग भविष्य की जनकल्याणकारी योजनाओं इंफ्रास्ट्रक्चर विकास और सटीक नीति निर्धारण के लिए किया जाएगा। जनगणना राष्ट्र निर्माण का आधार है। हमने अपनी टीम को विशेष प्रशिक्षण दिया है और कार्य की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। नागरिकों से विनम्र अनुरोध है कि वे प्रगणकों को सही और पूर्ण जानकारी देकर इस राष्ट्रीय यज्ञ में अपनी आहुति दें। सभी व्यक्तिगत जानकारियां पूर्णतः गोपनीय रखी जाएंगी। इनका उपयोग किसी अन्य कार्य के लिए नहीं बल्कि केवल आधिकारिक शासकीय प्रयोजनों हेतु ही सुनिश्चित किया जाएगा।

बस स्टैंड पर भाजपाईयों ने लगाई झालमूड़ी की दुकान, आतिशबाजी के साथ मनाया जीत का उत्सव

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के बस स्टैंड पर भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने एकत्रित होकर बंगाल विजय का अनूठा जश्न मनाया। इस दौरान ना केवल जमकर आतिशबाजी की गई बल्कि सांकेतिक रूप से झालमूड़ी का स्टॉल लगाकर आमजन को निःशुल्क झालमूड़ी वितरित की गई। इस उत्सव का मुख्य आकर्षण निःशुल्क झालमूड़ी का वितरण रहा। जहां वितरण के बाद कार्यकर्ताओं के द्वारा जमकर आतिशबाजी की गई वहीं सड़क पर आवागमन कर रहे लोगों को मिठाई खिलाकर बधाई भी दी गई। उत्सव के दौरान कार्यकर्ताओं ने भारत माता की जय और जय श्री राम के नारे लगाकर पूरे वातावरण को विजयमय कर दिया। पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष दीप चौहान ने कहा कि यह केवल स्वाद नहीं बल्कि विपक्ष को एक करारा जवाब है। बंगाल चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 रूपये की झालमूड़ी खरीद कर खाई थी जिस पर विपक्ष ने तीखे सवाल उठाए थे। आज चुनाव परिणामों ने यह सिद्ध कर दिया है कि बंगाल की जनता ने उस सादगी को स्वीकार किया है और भाजपा को प्रचंड बहुमत से नवाजा है। यह जीत उन लाखों कार्यकर्ताओं के बलिदान की है जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी पार्टी का झंडा झुकने नहीं दिया। बस स्टैंड पर कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। एवं लगभग 500 से अधिक लोगों को झालमूड़ी का वितरण किया गया हैं। वहीं समाज सेवी मनीष मिश्रा ने कहा कि आज डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों के बंगाल का उदय हुआ है। हम जो नारा लगाते थे कि आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में वह संकल्प चरितार्थ हुआ है। बंगाल में ममता बनर्जी के गुंडाराज का अंत हुआ है और विकास व महिला सशक्तिकरण की जीत हुई है। एग्जिट पोल में यह बात सामने आई थी कि बंगाल की 70 प्रतिशत जनता खुलकर बोलने को तैयार नहीं थी लेकिन आज 200 से अधिक सीटों पर जीत ने साबित कर दिया है कि जमीन पर कार्यकर्ताओं ने कितनी मजबूती से काम किया है। इस अवसर पर निरंजन बिसेन, शैलेन्द्र शेट्टी ,रविन्द्र रूसिया, गज्जू शर्मा ,दीप चौहान, समीर बिसेन ,मनीष मिश्रा, योगेश व्यास ,हर्षित रेड्डी ,शैलेश पारधी ,शेख दानिश ,शशांक डोंगरे ,अयान मेमन ,गगन बागड़े ,रणधीर बिसेन, भोजेंद्र चौधरी ,शेखर राहंगडाले ,दीपक ठाकरे, यश बिसेन, रजत धारणवार, जितेंद्र चौबे ,दीपक बिसेन ,मोनू परते ,शिवदयाल देशमुख ,धनवर पटले सहित बड़ी संख्या में भाजपाई मौजूद रहे।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की यह जीत आकस्मिक नहीं पिछले 10 वर्षों की जीत है- प्रदीप जायसवाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। पाँच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों के रुझानों और नतीजों के बीच 4 मई को भारतीय जनता पार्टी के नगर कार्यालय में भारी उत्साह देखा गया। पश्चिम बंगाल सहित अन्य राज्यों में भाजपा के बेहतर प्रदर्शन और ऐतिहासिक बढ़त से उत्साहित कार्यकर्ताओं ने पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के नेतृत्व में विजय उत्सव मनाया। इस दौरान भाजपा कार्यालय के समक्ष कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी। पूरा परिसर भारतीय जनता पार्टी अमर रहे और भारत माता की जय के नारों से गुंजायमान रहा। समाचार लिखे जाने तक पश्चिम बंगाल के रुझानों में भाजपा को 206 सीटों पर प्रचंड बहुमत की ओर बढ़ते दिखाया गया। कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए बताया कि इनमें से 96 सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों ने आधिकारिक जीत दर्ज कर ली है , जबकि 110 सीटों पर पार्टी के उम्मीदवार बढ़त बनाए हुए हैं। असम और पुडुचेरी में भाजपा की सत्ता में वापसी और बंगाल में इस ऐतिहासिक प्रदर्शन को कार्यकर्ताओं ने अपनी कड़ी मेहनत का प्रतिफल बताया। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने इस जीत को ऐतिहासिक करार देते कहा की पश्चिम बंगाल में भाजपा की यह जीत आकस्मिक नहीं है पिछले 10 वर्षों से भाजपा संगठन वहां धरातल पर निरंतर संघर्ष कर रहा था। बंगाल की जनता ने ममता बनर्जी के कुशासन को पूरी तरह नकार दिया है। पश्चिम बंगाल अब देश का 17 वां राज्य बनने जा रहा है जहाँ भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार होगी। क्षेत्रीय दल क्षणिक होते हैं जबकि राजनीति एक अविरल प्रक्रिया है। जनता अब विकास और राष्ट्रवाद की राजनीति को चुन रही है। उन्होंने कहा कि जो लोग हारने पर मशीन पर आरोप लगाते हैं उन्हें जनता ने कड़ा जवाब दिया है। यदि मशीन से सरकार बनती तो भाजपा 10 साल पहले ही वहां सत्ता में होती। राहुल गांधी जमीनी हकीकत से दूर हैं कांग्रेस ने अपने अनुभवी कार्यकर्ताओं की पहचान खो दी है जिसका खामियाजा उसे भुगतना पड़ रहा है। श्री जायसवाल ने कहा कि पहले कोलकाता गंदगी के अंबार के लिए जाना जाता था लेकिन अब भाजपा सरकार वहां के इंफ्रास्ट्रक्चर को सुधारेगी और बंगाल को एक नए स्वरूप में चमकाएगी। जीत के जश्न में कार्यकर्ताओं ने विशेष रूप से बंगाल की प्रसिद्ध झालमुड़ी का वितरण कर खुशीया मनायी। गौरतलब है की पश्चिम बंगाल के चुनाव में प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री ने झाड़ग्राम में एक छोटी सी दुकान से बंगाली नाश्ता झालमुड़ी खाया था। यह वाक्या बेहद चर्चाओं में वारासिवनी में भी रहा था। और यह घटना चुनाव में एक भावनात्मक और राजनितीक मुद्दा बन गया था। आज जीत के बाद इस वाक्ये को याद कर कार्यकर्ताओं ने झालमुडी का वितरण कर इस वाक्ये को भी जीत के योगदान का श्रेय दिया। इस दौरान संदीप मिश्रा,मिलिंद नगपुरे ,वेदप्रकाश पटेल, प्रबल जायसवाल, मनोज दांदरे, धर्मू जोशी, पंकज जैन, जसंवत पटले, मोनू लिमजे, पंकज जैन, अनिश मिश्रा,मिथलेश बुरडे, जगदीश नेमा, राजू गुप्ता, लोकेश ठाकरे, गिरधारी चिमनानी, राजा चौरसिया, जीतू नगरगड़े सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

एनसीसी के 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का हुआ शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राष्ट्रीय कैडेट कोर के अंतर्गत 95वां संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (सीएटीसी-95) का शुभारंभ बालाघाट के गोंगलई स्थित शासकीय कन्या शिक्षा परिसर में हो गया है। यह शिविर 4 मई से 13 मई 2026 तक आयोजित किया जाएगा। शिविर का आयोजन एनसीसी रुप मुख्यालय जबलपुर के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर रितेश बहल के मार्गदर्शन में, कैम्प कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल विनीत कमल गुप्ता (6 म.प्र. बटालियन एनसीसी बालाघाट) के नेतृत्व में किया जा रहा है। शिविर के संचालन में ट्राइबल विभाग की असिस्टेंट कमिश्नर श्रीमती शकुंतला डामोर एवं प्राचार्य पी.के. अंगुरे का सहयोग प्राप्त हो रहा है। 10 दिवसीय इस शिविर में कैडेट्स को सैन्य प्रशिक्षण, आत्मरक्षा एवं व्यक्तित्व विकास से संबंधित विभिन्न गतिविधियों में प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत योग, पीटी, ड्रिल, शस्त्र संचालन, मैप रीडिंग, लीडरशिप, यातायात सुरक्षा, राष्ट्रीय एकता एवं भारतीय सेना में करियर के अवसरों की जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा कैडेट्स के शारीरिक विकास के लिए वॉलीबॉल, खो-खो एवं रस्साकशी जैसी खेल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। शिविर में व्यक्तित्व विकास, राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका, प्राथमिक उपचार, आपदा प्रबंधन, राष्ट्रीय सुरक्षा, प्रदूषण नियंत्रण और सामाजिक सुरक्षा जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान भी दिए जाएंगे। शिविर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा फायरिंग प्रशिक्षण है, जिसमें प्रत्येक कैडेट को भाग लेने का अवसर दिया जाएगा। इस प्रशिक्षण शिविर में वारासिवनी, बैहर, बिरसा, मलाजखंड, कटंगी एवं बालाघाट क्षेत्र के कैडेट्स हिस्सा ले रहे हैं। शिविर में मेजर हेमंत कुमार मण्डाले (कैम्प एडजुटेंट), कैप्टन राजेन्द्र सिंह कुशराम, लेफ्टिनेंट गजानन कटरे, सूबेदार तरसेम सिंह सहित अन्य एनसीसी अधिकारी एवं पीआई स्टाफ उपस्थित हैं।

गर्मियों में राम का नाम शीतल प्रदान करती है

कैसा कलियुग आ गया है, कि आज गर्मियों में एयर कंडीशन में भी गर्मी लगती है, क्योंकि आप राम नाम जो शीतल प्रदान करता है उसे भूलते जा रहें हैं. चार वेद में मूलभूत भूल थी है जिसमें व्यासजी जैसे ऋषि-मुनियों ने चार वेद का दोहन करके अपने अपने विरोधाभासी मत दर्शाकर मतभेद खड़े किये है और खट-पट बढ़ गई है। नेति नेति का हार्द समझें बिना ही अनंत ब्रह्मांड में ओंकार के स्वरुप में सर्वव्यापक प्रकाश ब्रह्म है जो सृष्टि के सर्जनहार का परम प्रकाश ब्रह्म है। उस सर्जनहार की विश्व में कोई यथार्थ खोज नहीं कर पाया इसलिए चार वेद से चली आई भूल दिन दूना रात चौगुना बढ़ती ही गई जो थमने का नाम नहीं रही है। हररोज एक नया भगवान और देवी पैदा होती ही रहती है। क्यों कि कवियों की काल्पनिक मनगढ़ंत तथ्यहीन रसिक कविताओं और वाणीयों रुप वाणी विलास में जगत फंस गया है। जगत में आज तक न किसी को निज चैतन स्वरुप अंश का यथार्थ बोध है और न सृष्टि के सर्जनहार का बोध है, फिर भी च्युंइगम की तरह वाणी विलास के नशे में चबाते हुए सब मस्त है जैसे कि उनको परमपद की प्राप्ति अभी इसी वक्त हो गई हो। जब भीतर ही परमात्मा का बोध दृढ़ हो जाए, तब भय मिट जाता है क्योंकि रक्षक और रक्षित का भेद ही नहीं रहता — वही शरण, वही शरणागत हो जाता है। बुद्धि से आगे कि यात्रा के लिए प्रेम ही सहारा है। संसारीक पदार्थों से विरक्ति होने पर प्रेम कि शुरुआत होती है। भोगों का दमन नहीं करा जा सकता क्योंकि मन द्वारा उत्पन्न सृष्टि का भोक्ता मन ही है। ये ऐसा ही है जैसे चित्रकार कागज को भुलाकर उसमें बने हुए चित्रों को ही भोग रहा है॰ परिवार है समाज है कुटुंब इत्यादि है धन सम्पत्ति मान मर्यादा इतना सब जीवन भर मेहनत करके जोड़ा उसका त्याग सरल नहीं होता है॰ शरीर और संसार में अहं भाव है ही नहीं। अहं है कहां किसमें जानने मानने में है। अनजाने में भी है। ज्ञान अज्ञान में भी। जनाइये मैं कौन हूं हूं भाव कौन सवाल मैं संकेत मात्र हूं या नहीं भाव हैं। अहं न देह में है न संसार में, वह केवल जानने वाले मैं हूँ के स्फुरण में है — और जब यह स्फुरण भी किसमें उठ रहा है यह देखो, तो मैं केवल साक्षी का संकेत मात्र रह जाता है, भाव नहीं।!

॰राम कथा के तेई अधिकारी ।

जिन्ह के सत संगति अति प्यारी।।

सत्संग श्रवण कीजिए सब कुछ ठीक हो जाएगा।

एक मृत शरीर है और एक जीवित शरीर है दोनों ही पर सुर्य का प्रकाश पड रहा है एक शांत है और दुसरे में प्राण है। सुर्य कि दृष्टि से दोनों ही सुर्य के विषय है और सुर्य दोनों का विषयेता । तीनो ही सतय बनकर स्थित है ये बुद्धि का विचार है धारणा है मन का निश्चय है। यदि अचानक से पता चले कि ये जो कुछ भी देखा वो स्वप्न में देखा तो कोई एक सत्ता ऐसी भी हैं जो सुर्य को भी प्रकाशित कर रही है।

अब एक मृत शरीर है एक जीवित शरीर है एक बुद्धि है एक सुर्य है और एक वो सत्ता भी है जो इन सबको स्वप्न में एक क्षण में रच लेती है। आजकल तत्त्वदर्शी तत्त्ववेत्ता केवल एक ही पूरे विश्व में है और वह राजनीति में कृष्ण की तरह से है।वह उत्तर भारत में प्राप्त है उसके प्रवचन फोटो भी इस साइट पर आए हैं। परन्तु उसके बारे में जानकारी देने वाले उचित-अनुचित से अनभिज्ञ हैं।

जिस महात्मा के बारे में जानकारी दी गई है उसके चेले उचित-अनुचित से अनभिज्ञ हैं मैंने पहले ही बता दिया है। चेले को यह साफ़ साफ़ स्पष्ट रूप से देखें जा सकते हैं कि उन्होंने क्या सीखा है? और उस महापुरुष को अपने स्वभाव से ख़राब करते रहते हैं।

दिव्यांगों के लिए सहायक उपकरणों की क्वालिटी में लापरवाही अब भारी पड़ेगी

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा 1 मई 2026 से नए गुणवत्ता मानक जारी- समग्र व्यापक विश्लेषण

वैश्विक स्तरपर भारत आज एक ऐसे जनसांख्यिकीय संक्रमण (डेमोग्राफिकट्रांसिशन) के दौर से गुजर रहा है, जहाँ एक ओर युवा आबादी उसकी आर्थिक शक्ति का आधार बनी हुई है, वहीं दूसरी ओर बुजुर्गों और दिव्यांगजनों की संख्या में तेजी से वृद्धि एक नईसामाजिक आर्थिक और नीतिगत चुनौती के रूप में उभर रही है।चिकित्सा विज्ञान की प्रगति,जीवन प्रत्याशा में वृद्धि, और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के कारण लोगों की औसत आयु बढ़ी है,जिससे वृद्धजन आबादी काअनुपात लगातार बढ़ रहा है। इसके साथ ही,सड़क दुर्घटनाओं औद्योगिक हादसों,जन्मजात विकृतियों तथा विभिन्न रोगों के कारण दिव्यांगजनों की संख्या भी उल्लेखनीय रूप से सामने आ रही है। ऐसे परिदृश्य में किसी भी आधुनिक और संवेदनशील राष्ट्र की जिम्मेदारी केवल आर्थिक विकास तक सीमित नहीं रहती,बल्कि वह अपने समाज के सबसे कमजोर, निर्भर और विशेष आवश्यकता वाले वर्गों के लिए भी समावेशी (इंक्लूसिव) और सुलभ (एक्सेसिबल) व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में ठोस कदम उठाता है।भारत सरकार ने इसी सोच के तहत विकलांग शब्द को बदलकर दिव्यांग शब्द को अपनाया है, जो केवल भाषाई परिवर्तन नहीं बल्कि एक मानसिकता परिवर्तन का संकेत है। यह बदलाव इस विचार को दर्शाता है कि दिव्यांगजन किसी कमी के प्रतीक नहीं,बल्कि विशेष क्षमताओं वाले व्यक्ति हैं जिन्हें उचित संसाधन,अवसर और अनुकूल वातावरण प्रदान किया जाए तो वे समाज में समान रूप से योगदान दे सकते हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इसी व्यापक दृष्टिकोण का विस्तार 1 मई 2026 को तब देखने को मिला जब भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए सहायक उपकरणों,विशेषकर वॉकिंग स्टिक्स, बैसाखियों, व्हीलचेयर रैंप और ब्रेल साइनेज के लिए नए गुणवत्ता मानक जारी किए। यह पहल न केवल भारत के भीतर जीवन की गुणवत्ता सुधारने का प्रयास है, बल्कि इसे वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।इन नए मानकों का आधार भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा राष्ट्रीय आवश्यक सहायक उत्पाद सूचि (एनएलईएपी) तैयार की गई तैयार की गई है।यह सूची विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ)की उसअवधारणा से प्रेरित है, जिसमें सहायक उपकरणों को स्वास्थ्य सेवा का अनिवार्य हिस्सा माना गया है। एनएलईएपी का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दिव्यांग और बुजुर्गजन केवल उपकरणों की उपलब्धता तक सीमित न रहें,बल्कि उन्हें सुरक्षित, टिकाऊ उपयोग में आसान और अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता के अनुरूप उपकरण प्राप्त हों। इस पहल के तहत तैयार किए गए मानकों में सुरक्षा, एर्गोनॉमिक्स (मानव शरीर के अनुरूप डिजाइन), टिकाऊपन,और उपयोगकर्ता की सुविधा को विशेष प्राथमिकता दी गई है। साथियों बात अगर हम सबसे पहले यदि वॉकिंग स्टिक (छड़ी) के मानकों की बात करें तों, तो बीआईएस ने इसके लिए दो प्रमुख मानक निर्धारित किए हैं आईएस 5145= 2026 और ड्डस 18558 (भाग 4)=2025 आईएस 5145= 2026 एक व्यापक भारतीय मानक है, जिसमें लकड़ी,बांस, एल्युमिनियम, प्लास्टिक और रबर जैसे विभिन्न सामग्रियों से बनी छड़ियों के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए हैं। इसमें छड़ी की लंबाई, वजन, मजबूती पकड़ (ग्रिप),सतह कीफिनिशिंग और उसकी स्थायित्व जैसे पहलुओं को विस्तार से परिभाषित किया गया है। यह सुनिश्चित करता है कि उपयोगकर्ता को संतुलन बनाए रखने में अधिकतम सहायता मिले और गिरने जैसी दुर्घटनाओं की संभावना कम हो।दूसरी ओर, आईएस 18558 (भाग 4)= 2025, जो कि आईएसओ 11334-4 के अनुरूप है, विशेष रूप से तीन या अधिक पैरों वाली वॉकिंग स्टिक्स के लिए तैयार किया गया है। यह उन लोगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है जिन्हें अतिरिक्त स्थिरता की आवश्यकता होती है, जैसे कि अत्यधिक बुजुर्ग या गंभीर रूप से दिव्यांग व्यक्ति। इस मानक में हैंडल की डिजाइन रबर टिप की गुणवत्ता,और छड़ी के समग्र प्रदर्शन को लेकर सख्त परीक्षण मानदंड निर्धारित किए गए हैं, ताकि उपयोगकर्ता को सटीक रूप से अधिकतम सुरक्षा मिल सके। साथियों बात अगर हम इसी प्रकार एल्बो क्रच (कोहनी वाली बैसाखियों) के लिए उपकरण को समझने की करें तो आईएस 18558 (भाग 1)= 2025 मानक जारीकिया गया है, जो आईएसओ 11334-1 के अनुरूप है। इसमें बैसाखियों की ऊंचाई समायोजन क्षमता, हैंडग्रिप की गुणवत्ता, और उपयोगकर्ता के शरीर पर पड़ने वाले दबाव को कम करने के उपायों को ध्यान में रखा गया है। यह न केवल उपयोग में आरामदायक बनाता है बल्कि लंबे समय तक उपयोग करने पर भी शरीर पर दुष्प्रभाव को कम करता है।इन तकनीकी मानकों का महत्व केवल उत्पाद की गुणवत्ता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सुलभता के व्यापक दृष्टिकोण से भी जुड़ा हुआ है। उदाहरण के लिए, आईएस 19189= 2025 मानक टैक्टाइल (स्पर्शनीय) गाइड मैप के डिजाइन और उपयोग से संबंधित है। यह दृष्टिबाधित और कम दृष्टि वाले व्यक्तियों को सार्वजनिक स्थानों—जैसे रेलवे स्टेशन, हवाई अड्डे, पार्क और सरकारी भवन में स्वतंत्र रूप से नेविगेट करने में मदद करता है। इस मानक के तहत यह सुनिश्चित किया गया है कि नक्शों में उपयोग किए गए उभार, टेक्सचर और संकेत इतने स्पष्ट हों कि उन्हें स्पर्श द्वारा आसानी से समझा जा सके। साथियों बात अगर हम इसी क्रम में आईएस 19190= 2025, जो आईएसओ 17049 के अनुरूप है इसको समझने की करें तो, ब्रेल साइनेज के लिए दिशा-निर्देश प्रदान करता है। इसमें ब्रेल अक्षरों के आकार,दूरी,सामग्री और उनके स्थान निर्धारण के मानदंड तय किए गए हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दृष्टिबाधित व्यक्ति किसी भी सार्वजनिक या व्यावसायिक स्थान पर बिना किसी सहायता के आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकें। यह पहल समान अवसर के सिद्धांत को व्यवहारिक रूप में लागू करने का एक बहुत ही सशक्त उदाहरण है। साथियों बात अगर हम व्हीलचेयर उपयोगकर्ताओं और अन्य गतिशीलता सहायता की आवश्यकता वाले लोगों की जरूरत को समझने की करें तो उनके लिए आईएस19631 = 2026 मानक विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। यह एक स्वदेशी मानक है, जो पोर्टेबल व्हीलचेयर रैंप के डिजाइन और निर्माण से संबंधित है। यह मानक केवल व्हीलचेयर उपयोगकर्ताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें बुजुर्ग, छोटे बच्चे, स्ट्रोलर या कार्ट उपयोग करने वाले लोग भी शामिल हैं।इस मानक के तहत रैंप की ढलान सतह की पकड़, वजन सहन क्षमता,और पोर्टेबिलिटी जैसे पहलुओं को विस्तार से निर्धारित किया गया है। इसका उद्देश्य घरों, कार्यालयों और सार्वजनिक स्थानों को अधिक समावेशी बनाना है। साथियों इन सभी मानकों के निर्माण में एक बहु- हितधारक दृष्टिकोण अपनाया गया है। बीआईएस की तकनीकी समिति में उद्योग जगत, शिक्षाविदों, सरकारी संस्थानों और सामाजिक संगठनों के विशेषज्ञ शामिल रहे हैं। विशेष रूप से भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति जैसे संगठनों की भागीदारी इस प्रक्रिया को और अधिक व्यावहारिक और जमीनी बनाती है, क्योंकि ये संगठन सीधे तौर पर दिव्यांगजनों के साथ काम करते हैं और उनकी वास्तविक आवश्यकताओं को सटीक रूप से समझते हैं।यह पहल सुगम्य भारत अभियान को भी नई मजबूती प्रदान करती है, जिसका उद्देश्य देशभर में सार्वजनिक स्थानों, परिवहन प्रणालियों और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी को दिव्यांगजनों के लिए सुलभ बनाना है। पिछले कुछ वर्षों में इस अभियान के तहत रेलवे स्टेशनों, सरकारी कार्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों में कई सुधार किए गए हैं, लेकिन अब इन नए मानकों के लागू होने से सुलभता का स्तर और अधिक उन्नत हो सकेगा। साथियों बात अगर हम इन मानकों को आर्थिक दृष्टि से से देखे तो भी यह पहल अत्यंत महत्वपूर्ण है। सहायक प्रौद्योगिकी का वैश्विक बाजार तेजी से बढ़ रहा है और इसमें भारत के लिए अपार संभावनाएं हैं। यदि भारतीय निर्माता इन मानकों का पालन करते हैं, तो वे उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों का उत्पादन कर सकते हैं, जिससे मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसी पहल को भी बल मिलेगा। इसके साथ ही, नवाचार को भी प्रोत्साहन मिलेगा, क्योंकि कंपनियां बेहतर और अधिक उपयोगकर्ता- अनुकूल उत्पाद विकसित करने के लिए प्रेरित होंगी।हालांकि, इन मानकों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कुछ चुनौतियां भी सामने आ सकती हैं। सबसे बड़ी चुनौती जागरूकता की कमी है कई छोटे और मध्यम उद्योग इन मानकों के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं रखते। इसके अलावा, मानकों के अनुपालन की लागत भी एक बाधा बन सकती है, विशेषकर उन निर्माताओं के लिए जो सीमित संसाधनों के साथ काम करते हैं। इसके समाधान के लिए सरकार को प्रशिक्षण कार्यक्रम, वित्तीय सहायता और तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करना होगा।दूसरी ओर, उपभोक्ताओं के स्तर पर भी जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है।यदिउपयोगकर्ता स्वयं उच्च गुणवत्ता वाले और प्रमाणित उत्पादों की मांग करेंगे, तो बाजार स्वत: ही मानकों के अनुरूप ढल जाएगा। इसके लिए जन-जागरूकता अभियान मीडिया की भूमिका और नागरिक समाज की भागीदारी निश्चित रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण होगी।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करें इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि यह कहा जा सकता है कि 1 मई 2026 को बीआईएस द्वारा जारी किए गए ये नए मानक केवल तकनीकी दिशा-निर्देश नहीं हैं, बल्कि यह एक समावेशी संवेदनशील और प्रगतिशील समाज की ओर बढ़ने का प्रतीक हैं। यह पहल दर्शाती है कि भारत अब केवल आर्थिक विकास पर ही नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समान अवसर और मानव गरिमा को भी उतनी ही प्राथमिकता दे रहा है। यदि इन मानकों का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन किया जाता है, तो यह न केवल लाखों दिव्यांगजनों और बुजुर्गों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाएगा, बल्कि भारत को वैश्विक स्तर पर एक जिम्मेदार और समावेशी राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

भारत में बढ़ती हृदय रोग महामारी और उससे बचाव के प्रभावी उपाय बदलती जीवनशैली और युवाओं में तेजी से बढ़ता दिल का खतरा

-कांतिलाल मांडोत

भारत में स्वास्थ्य से जुड़ी हालिया तस्वीर चिंताजनक होती जा रही है। राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठन के ताजा सर्वे ने यह स्पष्ट कर दिया है कि हृदय रोग अब केवल बुजुर्गों तक सीमित समस्या नहीं रह गया है बल्कि यह तेजी से युवाओं को भी अपनी चपेट में ले रहा है। पिछले सात वर्षों में दिल के मरीजों की संख्या लगभग तीन गुना बढ़ जाना किसी साधारण बदलाव का संकेत नहीं बल्कि एक गंभीर स्वास्थ्य संकट की ओर इशारा करता है। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि 15 से 29 वर्ष की

आयु के युवा भी अब इस बीमारी से प्रभावित हो रहे हैं जो पहले अपेक्षाकृत सुरक्षित माने जाते थे। यह बदलाव केवल चिकित्सा आंकड़ों तक सीमित नहीं है बल्कि समाज की बदलती जीवनशैली का सीधा परिणाम है। आज का युवा पहले की तुलना में अधिक तनावग्रस्त है। पढ़ाई का दबाव, करियर की अनिश्चितता, डिजिटल जीवनशैली और शारीरिक गतिविधियों में कमी ने शरीर को कमजोर बना दिया है।

इसके साथ ही जंक फूड का बढ़ता चलन, देर रात तक जागना और नींद की कमी भी हृदय रोग के जोखिम को बढ़ा रही है। शहरी क्षेत्रों में यह समस्या और अधिक गंभीर दिखाई देती है। वहां की तेज रफ्तार जिंदगी में लोग अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता नहीं दे पाते। लंबे समय तक बैठकर काम करना, व्यायाम की कमी और प्रदूषण भी दिल की बीमारियों को बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। पुरुषों में यह समस्या अधिक देखी जा रही है लेकिन महिलाओं में भी बीमार होने की दर अधिक होने के कारण खतरा कम नहीं है। हृदय रोग का इलाज अन्य बीमारियों की तुलना में काफी महंगा है।

शहरों में इसका खर्च इतना अधिक है कि सामान्य परिवार के लिए इसे वहन करना कठिन हो सकता है। हालांकि सरकारी बीमा योजनाओं का विस्तार एक सकारात्मक कदम है लेकिन केवल इलाज पर निर्भर रहना समाधान नहीं हो सकता। असली जरूरत इस बीमारी को रोकने की है। दिल की बीमारियों के बढ़ने के पीछे सबसे बड़ा कारण जीवनशैली में असंतुलन है। आज के समय में लोग प्राकृतिक जीवन से दूर होते जा रहे हैं। पहले जहां लोग अधिक चलते थे, खेतों में काम करते थे या शारीरिक श्रम करते थे वहीं आज अधिकांश काम मशीनों और कंप्यूटर के जरिए हो रहा है।

इससे शरीर की सक्रियता कम हो गई है और मोटापा तेजी से बढ़ रहा है जो हृदय रोग का प्रमुख कारण है। तनाव भी एक महत्वपूर्ण कारक बन चुका है। मानसिक दबाव सीधे दिल पर असर डालता है। लगातार चिंता में रहने से रक्तचाप बढ़ता है और धीरे धीरे यह स्थिति गंभीर हो जाती है। इसके अलावा धूम्रपान और शराब का सेवन भी दिल के लिए अत्यंत हानिकारक है। युवा वर्ग में इन आदतों का बढ़ता चलन स्थिति को और बिगाड़ रहा है।

इस समस्या से बचने के लिए सबसे जरूरी है जागरूकता और जीवनशैली में सुधार। नियमित व्यायाम को जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। रोज कम से कम तीस मिनट तेज चलना, दौड़ना या योग करना दिल को स्वस्थ रखने में बेहद सहायक होता है। योग और प्राणायाम विशेष रूप से तनाव को कम करने में मदद करते हैं और हृदय की कार्यक्षमता को बेहतर बनाते हैं।

खानपान में सुधार भी उतना ही आवश्यक है। तैलीय और जंक फूड से दूरी बनाकर संतुलित आहार लेना चाहिए। फल, हरी सब्जियां, साबुत अनाज और प्रोटीन युक्त भोजन दिल के लिए लाभकारी होते हैं। नमक और चीनी का सेवन सीमित रखना चाहिए क्योंकि ये दोनों ही रक्तचाप और मधुमेह को बढ़ाने में योगदान देते हैं।

नींद भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पर्याप्त और अच्छी नींद लेने से शरीर को आराम मिलता है और हृदय स्वस्थ रहता है। लगातार नींद की कमी शरीर को कमजोर बनाती है और कई बीमारियों का कारण बनती है। इसलिए हर व्यक्ति को कम से कम सात से आठ घंटे की नींद जरूर लेनी चाहिए।

नियमित स्वास्थ्य जांच भी अत्यंत जरूरी है। कई बार हृदय रोग के लक्षण शुरुआती अवस्था में स्पष्ट नहीं होते। समय पर जांच कराने से बीमारी का पता जल्दी चल सकता है और इसका इलाज आसान हो जाता है। विशेष रूप से जिन लोगों के परिवार में पहले से हृदय रोग का इतिहास है उन्हें अधिक सावधान रहने की आवश्यकता है।

सरकार और समाज दोनों को मिलकर इस समस्या का समाधान निकालना होगा। स्कूलों और कॉलेजों में स्वास्थ्य शिक्षा को बढ़ावा देना चाहिए ताकि युवा शुरुआत से ही अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बन सकें। कार्यस्थलों पर भी कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए जिससे वे अपने व्यस्त जीवन में भी फिट रह सकें। डिजिटल युग में तकनीक का सही उपयोग भी मददगार हो सकता है। फिटनेस ऐप्स और स्मार्ट डिवाइस के जरिए लोग अपनी गतिविधियों और स्वास्थ्य पर नजर रख सकते हैं। इससे उन्हें अपने लक्ष्य को हासिल करने में प्रेरणा मिलती है।

हृदय रोग केवल एक व्यक्ति की समस्या नहीं है बल्कि यह पूरे समाज को प्रभावित करता है। यदि समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो यह आने वाले वर्षों में और गंभीर रूप ले सकता है। इसलिए जरूरी है कि हर व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी समझे और अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे।

यह कहा जा सकता है कि दिल की बीमारी से बचाव संभव है बशर्ते हम अपनी जीवनशैली में सही बदलाव करें। स्वस्थ खानपान, नियमित व्यायाम, तनाव से दूरी और समय पर जांच जैसे छोटे छोटे कदम हमें बड़ी समस्याओं से बचा सकते हैं। यह केवल व्यक्तिगत प्रयास नहीं बल्कि एक सामूहिक जिम्मेदारी है जो पूरे देश को स्वस्थ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

विश्व योग आंदोलन के प्रवर्तक स्वामी सत्यानंद सरस्वती का पदार्पण महोत्सव और तिरूपति बालाजी का आगमन

विश्व योग आंदोलन के प्रवर्तक स्वामी सत्यानंद सरस्वती का मुंगेर आगमन 6 मई 1957 को एक परिव्राजक संन्यासी के रूप में हुआ था।परिव्राजक के रूप में बिहार यात्रा के क्रम में छपरा के बाद 1956 में पहली बार मुंगेर आये. यहां की प्राकृतिक छटा उन्हें आकर्षित करती थी।यहां उन्होंने चातुर्मास भी व्यतीत किया। यहीं उन्हें दिव्य दृष्टि से यह पता चला कि यह स्थान योग का अधिष्ठान बनेगा और योग विश्व की भावी संस्कृति बनेगी। उनकी यह यात्रा मुंगेर को एक वैश्विक योग केंद्र (बिहार योग विद्यालय) बनाने की शुरुआत थी। इस ऐतिहासिक पदार्पण के 69 वर्ष पूरे होने पर 5-6 मई 2026 को मुंगेर में भव्य पदार्पण महोत्सव और श्रीनिवास कल्याणोत्सवम् मनाया जा रहा है। सबसे बड़ा संयोग है कि इस अवसर पर आंध्र प्रदेश से सड़क मार्ग से चल कर भगवान श्री तिरुपति बालाजी की उत्सव मूर्ति मुंगेर पहुंच रही है। इस ऐतिहासिक क्षण को मुंगेरवासियों के लिए यादगार बनाने को लेकर योगाश्रम और जिला प्रशासन की ओर से तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। परमहंस स्वामी निरंजनानंद सरस्वती के अनुसार 2023 में सत्यानंद सरस्वती की जन्मशताब्दी धूमधाम से मनाई गई। इसकी गूंज पूरे दुनिया में हुई। पूरे भारत में हुई, पूरे बिहार में हुई। शताब्दी सौ वर्ष बाद मनाई जाती है। संन्यासियों की संख्या एक सौ नहीं, बल्कि एक सौ आठ है। इसलिए 2023 से 2031तक परमहंस स्वामी सत्यानंद की जयंती को पद्म जयंती के रूप में मनाया जा रहा है। इन वर्षों के दौरान देश में, विदेश में, राज्य में और नगर में विशेष आयोजन हो रहे हैं। इस वर्ष यह बिहार और मुंगेर का सौभाग्य है कि 6 मई को अपने गुरुदेव स्वामी सत्यानंद सरस्वती का प्रथम पदार्पण महोत्सव मनाने जा रहे हैं। इस समय तिरूपति वाला जी का आगमन मुंगेर में हो रहा है। तिरूपति वाला जी का आगमन छह तारीख को मुंगेर में होगा। प्रात: मुंगेर के पादुका दर्शन और आराधना होगी। छह मई को पादुका दर्शन परिसर उत्तरवाहिनी गंगा तट पर मुख्य कार्यक्रम आयोजित होगा। इस अवसर पर तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम से आए विद्वान आचार्य श्रीनिवास कल्याणोत्सवम समस्त धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराएंगे। इसके बाद पोलो ग्राउंड में चार बजे नगरवासियों को दर्शन देंगे।यह ऐतिहासिक क्षण होगा, जो बिहार के आध्यात्मिक इतिहास में अंकित किया जाएगा। स्वामी सत्यानंद सरस्वती देश के ऐसे संत हुए, जिन्होंने न सिर्फ योग को पूरी दुनिया में फैलाया बल्कि सामाजिक चिंतन के जरिए विकास के मॉडल को पेश किया। वे विशुद्ध आत्मभाव से प्रेरित एवं लोका: समस्ता: सुखिनो भवन्तु के दिव्य भाव से संचालित थे।उनका वेदान्त शास्त्रीय अथवा किताबी नहीं , बिल्कुल व्यवहारिक, प्रयोगात्मक, उपयोगी एवं मानवतावादी है।उनका मानवतावाद आत्मभाव पर आधारित है।इसे उन्होंने आर्थिक, सामाजिक परिवर्तन की एक सशक्त विचारधारा, उत्तम साधन एवं सर्वोपयोगी उपकरण के रूप में प्रस्तुत किया।स्वामी सत्यानंद का योग जहां व्यक्तित्व के शोधन-शुद्धिकरण-परिष्कार, उन्नयन-उत्थान विकास तथा ईश्वरीकरण की दिशा निश्चित करता है,उनका क्रांति दर्शन सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन के सिद्धांत का प्रतिपादन एवं उसके क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त करता है। स्वामी सत्यानंद के अनुसार- योग शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थय की एक सुव्यवस्थित प्रणाली है। योग दर्शन के अनुसार- मानव तीन आधारभूत तत्त्वों- जीवनी शक्ति, या प्राण, मानसिक चित्त शक्ति या चित्त और आध्यात्मिक शक्ति या आत्मा का सम्मिश्रण है। स्वामी सत्यानंदजी के जीवन प्रवाह में भी हम पाते हैं कि पढ़- लिख कर भरे-पूरे परिवार से आने वाला एक 20 वर्षीय युवक अध्यात्म की राह पर चल पड़ता है। वह गुरु सेवा में लीन होने के बाद नचिकेता का वैराग्य प्राप्त कर 12 वर्षों बाद एक परिव्राजक के रूप में देश दुनिया में योग के प्रसार में लग जाते हैं। याद करें 1960 के दशक में योग के यह भ्रामक धारणा प्रचलित थी कि यह साधु सन्यासियों का विषय है,गृहस्थों और महिलाओं को योग नहीं करना चाहिए। ऐसे समय में स्वामी सत्यानंद ने योग की उपयोगिता सिद्ध की।आज जहां मुंगेर में विश्व प्रसिद्ध बिहार योग विद्यालय है, वह स्थान कर्णचौरा के नाम से जाना जाता था। किंवदन्ती के अनुसार राजा कर्ण इसी चबूतरे पर बैठकर प्रतिदिन सवा मन सोना दान करता था।उसी चबूतरे पर कई बार शयनकर रातें काटीं थीं। उस चबूतरे पर स्वामी जी को कई दिब्य अनुभव हुए।उन्होंने यहीं पर बैठकर संकल्प लिया कि जहां राजा कर्ण बैठकर सोना दान करता था, वहां से मैं विश्व को शांति बांटूंगा और योग को भविष्य की संस्कृति के रूप में विकसित करूंगा।

दुनिया के कई देशों में लाखों लोगों को भारत भूमि के प्राचीन योग विद्या से परिचित कराया, जिसका परिणाम है कि आज संयुक्त राष्ट्र ने योग को आधिकारिक मान्यता दी है। मुंगेर का गंगा दर्शन, पादुका दर्शन और देवघर के रिखियापीठ को देख यक्ष भाव मन में आता होगा कि परमहंस स्वामी सत्यानंद का जीवन वैभवपूर्ण रहा होगा, लेकिन स्वामी सत्यानंद ने अभावपूर्ण, कष्ट और विपन्नता का जीवन जीते हुए पुन: मानवता को योग की संस्कृति देने का स्वप्न साकार किया। पुन: 1988 में मुंगेर त्यागने के बाद रिखियापीठ में आकार 1991 से रिखिया के स्थानीय लोगों के शैक्षिक - सामाजिक - आर्थिक उत्थान के काम का बीड़ा उठाते है। एक ऐसी आर्थिक -सामाजिक व्यवस्था जो धारित विकास के मूल्यों का मॉडल विश्व के समक्ष प्रस्तुत करता हो। आत्मिक विकास के साथ -साथ आर्थिक स्बाबलंबन के उनके प्रयास को वैश्विक अर्थव्यवस्था और ग्लोबल विलेज के परिप्रेक्ष्य में समझने की आवश्यकता है। उत्तराखंड के अल्मोड़ा में 25 दिसंबर 1923 को जन्मे स्वामी सत्यानंद सरस्वती इस शताब्दी के महानतम संतों में से एक हैं, जिन्होंने समाज के हर क्षेत्र में योग को समाविष्ट कर, सभी वर्गों, राष्ट्रों और धर्मों के लोगों का आध्यात्मिक उत्थान सुनिश्चित कर दिया। योग का तात्पर्य होता है जोड़ना. परमहंस स्वामी सत्यानंद सरस्वती ने योग का वैज्ञानिक रूप में पुनर्जीवन किया उस योग ने पूरी दुनिया को एक सूत्र में जोड़ कर रखा है।आज पूरब से लेकर पश्चिम तक जिस योगलहर में योगस्नान कर रहा है उसके मूल में स्वामी सत्यानंद सरस्वती का कर्म और उनके गुरु स्वामी शिवानंद सरस्वती का वह आदेश है जो उन्होंने सत्यानंद को दिया था। गुरु के आदेशानुसार उनके जीवन का एक ही लक्ष्य था- योगविद्या का प्रचार-प्रसार, द्वारे-द्वारे तीरे-तीरे। दरअसल इस शताब्दी में योग की कहानी 1940 के दशक से आरंभ होती है। उस समय तक लोग योग से अनजान थे। योग का अस्तित्व तो था त्यागियों वैरागियों और साधु सन्यासियों के लिए 1943 में स्वामी शिवानंद सरस्वती ने ऋषिकेश में शिवानंद आश्रम की स्थापना की।उन्होंने दिव्य जीवन का ज्ञान और अनुभव प्रदान करने के लिए दो विधियों का उपयोग किया योग और वेदांत।

स्वामी शिवानंद के साथ वे निरंतर रहे। परिव्राजक के रूप में बिहार यात्रा के क्रम में छपरा के बाद 1956 में पहली बार मुंगेर आये. यहां की प्राकृतिक छटा उन्हें आकर्षित करती थी।यहां उन्होंने चातुर्मास भी व्यतीत किया। यहीं उन्हें दिव्य दृष्टि से यह पता चला कि यह स्थान योग का अधिष्ठान बनेगा और योग विश्व की भावी संस्कृति बनेगी। 1961 में अंतरराष्ट्रीय योग मित्र मंडल की स्थापना की तब तक योग निंद्रा और प्राणायाम विज्ञान पुस्तक प्रकाशित हो चुकी थी।

'लेशन ऑन योग' का अनुवाद योग साधना भाग-एक व दो आ चुके थे। सत्यानंद पब्लिकेशन सोसायटी नंदग्राम से- सत्यम स्पीक्स, वर्डस ऑफ सत्यम, प्रैक्टिस ऑफ त्राटक, योग चूड़ामणि उपनिषद, योगाशक्ति स्पीक्स, स्पेट्स टू योगा, योगा इनिसिएशन पेपर्स, पवनमुक्त आसन (अंगरेजी)में, अमरसंगीत, सूर्य नमस्कार, योगासन मुद्रावंध आदि पुस्तकें प्रकाशित हुईं। 1963 से अंगरेजी में योगा और योगविद्या निकालना आरंभ किया। परिव्राजक जीवन की समाप्ति के बाद वसंत पंचमी के दिन 19 जनवरी 1964 को बिहार योग विद्यालय की स्थापना की। उन्होंने पूरी दुनिया में योग को लोगों के बीच पहुंचाया। दुनिया के 48 देशों की सघन यात्राएं कीं। अमरीका के बाहर यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ग्रीस, कुवैत, ईरान, इराक से लेकर केन्या और घाना जैसे देशों में योग की आधारशिला रखी। फ्रांस, इंटली, जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया में तो सत्यानंद योग के पर्याय ही हो गये।

परमहंस स्वामी सत्यानंद सरस्वती द्वारा बोए गये योग बीज आज वटवृक्ष का रुप ले चुके हैं ,जिनकी छांव में समस्त विश्व का जनमानस स्वस्थ एवं शांतिपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहा है ।परमहंस जी ने योगरुपी ऐसी अनुपम भेंट दी है जिससे स्वस्थ जीवन के साथ आध्यात्मिक ऊंचाईयों तक पहुंचने का मार्ग भी प्रशस्त हुआ है ।आज भारत ही नहीं समस्त विश्व में परमहंस जी की योग-निद्रा का डंका बज रहा है। अपने परमगुरुदेव के पदचिन्हों पर चलते हुए परमहंस स्वामी निरंजनानंद सरस्वती ने उनकी योगविद्या को नई ऊंचाईयां प्रदान की । प्रधानमंत्री जी द्वारा प्रदान किया गया योग पुरस्कार यह सिद्ध करता है कि सत्यानंद योग भारतवर्ष ही नहीं विश्व में सर्वश्रेष्ठ है । योग के माध्यम से विश्व विजय प्राप्त करने के बाद जब रिखिया वाले बाबा बने तो आसपास के ग्रामीणों की दयनीय दशा ने सहज ही उनका ध्यान आकृष्ट किया।

उनके अंदर के पूर्णत: जाग्रत ईश्वर ने उनसे कहा, सत्यानंद,जो सुविधाएं मैंने तुम्हें प्रदान की,वे अपने पडो़सियों को भी उपलब्ध कराओ। इसी आदेश को पूरा करने के लिए सेवा, प्रेम और दान को व्यवहारिक रूप प्रदान करने के लिए देवघर के रिखिया में रिखियापीठ की स्थापना की। झारखंड के देवघर के निकट रिखिया नाम के इस गांव में योग गुरु सत्यानंद ने जो पर्णकुटीर बनाई थी, वह उनके तपोबल से इस पूरे क्षेत्र के कल्याण का माध्यम बन गई। सितंबर, 1989 जब सत्यानंद यहां पहुंचे तब चारों ओर घनघोर जंगल था। आस-पास थे आदिवासियों के बेहद पिछड़े गांव। न कोई सड़क थी और न बिजली। सत्यानंद दरअसल तप, साधना और सेवा के लिए इस दुर्गम स्थान में आए थे।

- कुमार कृष्णन

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। आवकों में सुधार से सोमवार को अनाज मंडी में मूंग व तुअर में बाजार मंदी के रहे। चना 5700-5750 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत रहा। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन मजबूती पर रहा। किराना जिंसों में बाजार बने रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार मूंग में गर्मी के मालों की आवकें सुधरने से बाजार नरमी के रहे। तुअर में भी सुस्ती रही। खाद्य तलों में बाजार ठंडे-ठंडे रहे। तिलहनों में सोयाबीन मजबूत नज़र आया। उधर, किराना जिंसों में बाजार टिके रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4150-4200, खोपरा गोला 370-430, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 270-280, बेस्ट 280-300, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 250-380, सौंफ बारिक 220-380, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 500-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2350-2400, (160) 2700-2750, (200) 2550-2600, (250) 2650-2700

तेल- सींगदाना 1570-1590, मुम्बई 1610, राजकोट तेलिया 2505, सोया साल्वेंट 1400-1405, सोया रिफाइंड 1465-1470, कपास्या 1420, धूलिया 1420, कड़ी 1425,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1550, मुम्बई पाम 1455, मुम्बई सोया 1510,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7500-7700, रायडा 6500-6700, सोयाबीन 6400-6500, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5700-5750, एवरेज 5450-5575, विशाल 5650-5700, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट 7800-8000, मूंग बोल्ड 8500-9000, एवरेज 7200-7600, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7000-7100, एवरेज 6800-6900, हल्की 6600-6700, महाराष्ट्र सफेद 7100-7200, महाराष्ट्र लाल 7200-7400, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2525, लोकवन एवरेज 2550-2600, बेस्ट 2700-3000, मालवराज 2450-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 2000-2025, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 340 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। सोमवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही कीमती धातुओं में बाजार सुर्खी पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 244000, चॉंदी (99) 243500, टंच 243100, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 151300,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया सोमवार को 3 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.14 पर बंद हुआ। रुपया आज शुरुआती कारोबार में 11 पैसे टूटकर 94.95 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि ब्रेंट तेल की कीमत 108 अमेरिकी डॉलर के आसपास बनी हुई है जिससे भारत जैसी तेल आयात करने वाली अर्थव्यवस्थाएं दबाव में हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.95 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.84 पर बंद हुआ था। महाराष्ट्र दिवस के उपलक्ष्य में शुक्रवार को शेयर बाजार और मुद्रा बाजार बंद थे। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की बढ़त के साथ 98.19 पर रहा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आई है। इसके अलावा मध्य पूर्व में तनाव कम होने से भी बाजार उछला है। बंगाल और असम में चुनाव परिणामें में भाजपा की जीत से भी बाजार में उत्साह का माहौल है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 355.90 अंक बढ़कर 77,269.40 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 121.75 अंक बढ़कर 24,119.30 पर बंद हुआ। व्यापक बाजारों में भी तेजी रही। निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.70 फीसदी और निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.63 फीसदी की बढ़त रही। वहीं निफ्टी रियल्टी और निफ्टी मेटल ने बेंचमार्क इंडेक्स में करीब 2.41 फीसदी और 1.09 फीसदी की तेजी रही। वहीं, निफ्टी आईटी और निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी प्राइवेट बैंक के शेयरों में गिरावट रही। निफ्टी में अदाणी पोर्ट्स के शेयर उछले,

इसके अलावा आयशर मोटर के शेयरों में 3.11 प्रतिशत की तेजी आई। इसके अलावा, अदाणी इंटरप्राइजेज, श्रीराम फाइनेंस, एचयूएल, एलएंडटी, मैक्स हेल्थ, ग्रासिम, इटरनल और सिप्ला के शेयरों में भी बढ़त रही जबकि कोटक बैंक, भारती एयरटेल, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, ओएनजीसी, टीसीएस, इंडिगो, इंफोसिस और आईटीसी के शेयरों में गिरावट आई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ऑपरेशन फ्रीडम की घोषणा से बेंट ब्रेंट क्रूड की कीमतें 2.45 फीसदी तक गिरीं। आज एशियाई बाजारों में बढ़त रही जबकि अमेरिकी शेयर बाजार में मिश्रित रुख रहा, जिसमें एसएंडपी 500 और नैस्डैक ने रिकॉर्ड ऊंचाई पर कारोबार किया। इससे पहले आज सुबह शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 621.31 अंक चढ़कर 77,534.81 के स्तर पर पहुंच गया, जो निवेशकों के मजबूत भरोसे को दर्शाता है। वहीं निफ्टी 164.65 अंकों की बढ़त के साथ 24,162.20 पर पहुंचा। इसी तरह एशियाई बाजारों में दर्ज की गई तेजी और कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट ने भारतीय बाजारों को सकारात्मक गति प्रदान की। निफ्टी 50 में बजाज ऑटो, मारुति सुजुकी इंडिया और अदानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन जैसे दिग्गज शेयरों ने सबसे अधिक तेजी दिखाई, जिससे सूचकांक को बड़ा सहारा मिला।

एसबीआई का बड़ा अलर्ट, ऑनलाइन फ्रॉड से सावधान

नई दिल्ली। एजेंसी। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने करोड़ों ग्राहकों को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाने के लिए अहम चेतावनी जारी की है। बैंक ने आकर्षक ऑफर्स, फर्जी योनो पेजों और अनजान कॉल्स से सावधान रहने को कहा है, क्योंकि साइबर अपराधी आपकी गोपनीय जानकारी चुराने की फिराक में हैं। एसबीआई ने आगाह किया है कि ज्यादा मुनाफे वाले आकर्षक ऑनलाइन ऑफर्स या योनो एसबीआई के नाम पर चल रहे नकली विज्ञापनों पर

भरोसा न करें। साइबर अपराधी इन फर्जी विज्ञापनों में यूजरनेम या पासवर्ड रिकवर करने के बहाने लिंक भेजकर आपकी गोपनीय बैंकिंग जानकारी चुरा सकते हैं। बैंक ने स्पष्ट किया है कि ऐसे किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक करने से बचें। बैंक की सलाह है कि हमेशा आधिकारिक ऐप या वेबसाइट का ही इस्तेमाल करें। अपना ओटीपी, पासवर्ड या निजी जानकारी किसी भी अनजान लिंक, कॉल या मैसेज पर भरोसा करके साझा न करें। एसबीआई ने यह भी दोहराया कि कोई भी बैंक कभी फोन, मैसेज या सोशल मीडिया के जरिए आपकी गोपनीय जानकारी नहीं मांगता। संदिग्ध फोन कॉल्स से भी सावधान रहें, क्योंकि एसबीआई की आधिकारिक कॉल आमतौर पर 1600 से शुरू होने वाले नंबरों से ही आती हैं। यदि आपको किसी भी साइबर ठगी का शक हो, तो तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या सायबरक्राइमडॉटजीओवीडॉटइन पर अपनी शिकायत दर्ज कराएं।

तनाव के बीच ओपेक प्लस देशों ने जून के लिए तेल उत्पादन कोटा बढ़ाया

नई दिल्ली। एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ओपेक प्लस देशों ने जून के लिए अपने तेल उत्पादन कोटे को बढ़ाने का फैसला किया है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि सात ओपेक प्लस देशों ने कच्चे तेल के उत्पादन को अगले महीने के लिए 1.88 लाख बैरल प्रति दिन बढ़ाने पर सहमति जताई है। यह वृद्धि सांकेतिक होगी, क्योंकि मौजूदा समय में अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण हॉर्मुज स्ट्रेट बंद है। भू-राजनीतिक संकट और यूएई के समूह से अलग होने के बावजूद यह लगातार तीसरी मासिक वृद्धि होगी। यूएई के अलग होने के बाद ओपेक प्लस में ईरान समेत अब 21 सदस्य रह गए हैं। हालांकि, मासिक उत्पादन निर्णयों में केवल सात देशों की ही भागीदारी रही है। नाकाबंदी के कारण ईरान के निर्यात में भारी गिरावट देखी जा रही है। मार्च में सभी ओपेक प्लस सदस्यों का औसत कच्चा तेल उत्पादन 35.06 मिलियन बैरल प्रति दिन रहा, जो फरवरी से 7.70 मिलियन बैरल प्रति दिन कम है। पिछले सप्ताह यूएई ने ओपेक और ओपेक प्लस कार्टेल से अलग होने का ऐलान किया था, जिसे सऊदी अरब के नेतृत्व वाले तेल निर्यातक देशों के समूह के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। यूएई ने कहा कि यह फैसला उसकी दीर्घकालिक रणनीतिक और आर्थिक दृष्टि और विकसित हो रही ऊर्जा प्रोफाइल को दर्शाता है। यूएई के बाहर निकलने से तेल कार्टेल के कमजोर होने की आशंका है, ऐसे समय में जब ईरान द्वारा होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने के कारण फारस की खाड़ी के देशों के निर्यात को भारी नुकसान हुआ है। ओपेक के तेल निर्यात में यूएई की हिस्सेदारी करीब 15 फीसदी है। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक कुवैत ने अप्रैल में कच्चे तेल का शून्य बैरल निर्यात किया, जो 1991 में इराक के कब्जे के बाद से पहली बार हुआ है। यह स्थिति होर्मुज स्ट्रेट की नाकाबंदी के कारण पैदा हुई है। कुवैत पेट्रोलियम कॉर्प ने फोर्स मेज्योर घोषित किया, जिससे करीब 2 मिलियन बैरल प्रतिदिन का उत्पादन प्रभावित हुआ। इस नाकाबंदी के कारण कुवैती निर्यात पूरी तरह से ठप हो गया है।

मेष- आज का दिन आपको एक अहम सीख देगा। पैसा कमाना जितना जरूरी है, उसे संभालना उससे भी ज्यादा जरूरी है। खर्च बढ़ने के संकेत हैं, इसलिए दिखावे से दूर रहना ही समझदारी है, वरना आपकी बचत भी हाथ से निकल सकती है। अच्छी बात ये है कि आपकी मेहनत बेकार नहीं जाएगी। काम में सराहना मिलेगी और अधिकारी भी आपके प्रदर्शन से खुश नजर आएंगे। सरकारी कामों को लेकर थोड़ी चिंता रह सकती है, लेकिन अंततः काम बन जाएंगे।

वृषभ- आज आपकी कार्यकुशलता ही आपकी पहचान बनेगी। भाग्य पूरी तरह आपके पक्ष में है, इसलिए जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें सफलता मिलने के पूरे योग हैं। पुराने कर्ज को चुकाने की दिशा में आप कदम बढ़ा सकते हैं और प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई बड़ा फैसला भी आज हो सकता है। अगर भाई-बहनों से किसी बात को लेकर दूरी बनी हुई थी, तो उसे खत्म करने का यही सही समय है।

मिथुन- आज का दिन आपको अपनी समझदारी और बुद्धि का सही इस्तेमाल करने का मौका देगा। आप ऐसे फैसले लेंगे, जो दूसरों को चौंका सकते हैं। सामाजिक या राजनीतिक क्षेत्र में आपकी छवि मजबूत होगी और लोगों का समर्थन बढ़ेगा। घर में छोटे बच्चे आपसे कुछ खास मांग सकते हैं, जिसे पूरा करके आप उनके चेहरे पर मुस्कान ला सकते हैं।

कर्क- आज आपकी आय के रास्ते खुलते नजर आएंगे, लेकिन मन में हल्का तनाव भी बना रह सकता है। परिवार में किसी मुद्दे को सुलझाने की जिम्मेदारी आपके कंधों पर आ सकती है। याद रखें, हर बात में दखल देना जरूरी नहीं होता। कभी-कभी चुप रहना ही समझदारी होती है। बिजनेस को लेकर ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि पार्टनरशिप में सहयोग मिलेगा।

सिंह- आज का दिन आपको आगे बढ़ने का मौका देगा, लेकिन कुछ अचानक खर्च आपकी राह में रुकावट बन सकते हैं। जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे मन को मजबूती मिलेगी। पिताजी की सेहत पर ध्यान देना जरूरी है। कोई पुरानी इच्छा आज पूरी हो सकती है, जिससे मन खुश हो जाएगा। छात्रों के लिए यह समय मेहनत का है।

कन्या- आज आपको अपनी वाणी और व्यवहार पर खास ध्यान देना होगा, क्योंकि आपकी एक छोटी सी बात भी बड़ा असर डाल सकती है। माता-पिता का सहयोग आपके साथ रहेगा और वैवाहिक जीवन में चल रही परेशानियां धीरे-धीरे खत्म होंगी। मौसम का असर आपकी सेहत पर पड़ सकता है, इसलिए लापरवाही न करें।

तुला- आज का दिन आपके लिए खुशखबरी लेकर आ सकता है। जो पैसा कहीं फंसा हुआ था, उसके वापस मिलने के योग हैं। बिजनेस में कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है, जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आप अपने बच्चों को खुश करने के लिए कुछ नया दिला सकते हैं या उनके साथ घूमने जा सकते हैं। सामाजिक कार्यों में भाग लेने से आपको सम्मान और पहचान मिलेगी।

वृश्चिक- आज आपको अपनी बातों पर खास कंट्रोल रखना होगा, क्योंकि एक गलत शब्द रिश्तों में दरार डाल सकता है। किसी अजनबी की बातों में आकर निर्णय लेना नुकसान दे सकता है। अगर आप संतान की नौकरी को लेकर चिंतित थे, तो राहत मिलने के संकेत हैं। मां से किया हुआ कोई वादा आपको आज पूरा करना होगा। परिवार में तालमेल की कमी झगड़ों का कारण बन सकती है, इसलिए समझदारी से काम लें।

धनु- आज का दिन आपको अचानक लाभ देने वाला है। ऐसा कुछ मिल सकता है जिसकी आपने उम्मीद भी नहीं की थी। लेकिन अपनी वाणी पर संयम रखना जरूरी है। घर में किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है, जिससे खुशियों का माहौल बनेगा। जीवनशैली में सुधार आएगा और आप खुद को पहले से बेहतर महसूस करेंगे।

मकर- आज का दिन मेहनत का है, और आपकी मेहनत ही आपकी सफलता की कुंजी बनेगी। प्रेम जीवन में मधुरता रहेगी और आप अपने साथी के साथ खूबसूरत पल बिताएंगे। संतान की पढ़ाई को लेकर थोड़ी चिंता रह सकती है। मां से सलाह लेना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। नया वाहन खरीदने का विचार भी आज साकार हो सकता है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए अनुकूल है। जो पैसा लंबे समय से अटका हुआ था, उसके मिलने की पूरी संभावना है। आप किसी रिश्तेदार के घर किसी शुभ कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें, क्योंकि चोट लगने की संभावना है। अगर आप नई नौकरी के लिए प्रयास कर रहे हैं, तो आज सफलता मिलने के अच्छे संकेत हैं।

मीन- आज आपको अपने परिवार के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा, जो आपके मन को सुकून देगा। आपके दिमाग में नए-नए आइडिया आएंगे। अगर आप उन्हें तुरंत लागू करते हैं, तो फायदा मिल सकता है। सेहत को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है, इसलिए सावधानी रखें। कोई रुका हुआ काम आज पूरा हो सकता है। यात्रा के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है, जो भविष्य में आपके काम आएगी। दोस्तों के साथ खुशी के पल बिताने की योजना भी बन सकती है।

शब्दजाल- 8249

मुं	क	ल	व	ग	ब	ना	क	बें	ग	क
ब	वि	ल	मुं	चे	जी	ग	द	ह	ला	ड़
ई	स	ल	ल	र्म	छ	पु	आ	दि	ख	क
क	स	ज	य	पु	र	र	प	ल	ल्ली	क
क	क	दो	ग	ला	द	र	तू	ग	झ	क
दि	क	ल	प	बा	झ	पू	ना	ण	घ	को
ती	इ	ल	दा	सं	प	ल	श	बें	ला	ल
क	ता	म	ई	धा	ब	क	फ	ग	श	का
क	ह	चे	न्न	ई	क	स	री	लो	प	ता
अ	र	ल	प	व	जी	र्त	ऐ	र	प	रु
क	चे	ल	प	है	द	रा	बा	द	प	क

शब्द जाल में 10 बड़े शहरों के नाम ढूंढिए. शहरों के नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

दिल्ली, मुंबई, जयपुर, बेंगलोर, चेन्नई, कोलकाता, अहमदाबाद, नागपुर, पूना, हैदराबाद.

शब्दजाल - 8248 का हल

या	द	गा	र	ग	ब	ज	क	प	ल	क
दें	वि	ल	क	या	दों	का	मौ	स	म	ड़
क	स	या	ल	र्म	छ	स	या	दी	ख	क
क	या	ल	र	क	वी	स	र	ल	श	क
क	री	दो	ग	क	ज	र	ग	ग	झ	क
जी	जिं	ल	प	नु	स	उ	द्दा	ण	घ	या
ती	दा	ल	श	सं	प	म	र	कौ	ला	दों
क	बा	या	र	मे	रा	क	फ	ना	श	की
क	द	ल	प	न	क	स	रा	औ	प	क
क	र	ल	प	व	जी	या	ऐ	ओ	प	स
क	क	ल	प	या	द	स	व्य	ब	प	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

5 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मेष में	वृष	06.02 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	मिथुन	08.00 बजे से
मंगल	मीन में	कर्क	10.14 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	12.30 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	14.42 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	16.53 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.07 ब.से
राहु	कुंभ में	धनु	21.23 बजे से
केतु	सिंह में	मकर	23.28 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		कुंभ	01.15 बजे से
		मीन	02.48 बजे से
		मेष	04.18 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 125 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण
तिथि तृतीया 05.25 बजे को समाप्त।
नक्षत्र ज्येष्ठा 12.55 बजे को समाप्त।
योग शिव 00.17 बजे रात्र को समाप्त।
करण विष्टि 05.25 बजे तदनन्तर बव 18.38 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 17.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 16° 12'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872700
जूलियन दिन 2461165.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्काद **तारीख** 17
विशेष एकदन्त संकष्टी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः बादशाह की सीख

यह घटना उस समय की है, जब दिल्ली के तख्त पर नसरुद्दीन नामक बादशाह बैठा हुआ था। वह बहुत ही भला और सहिष्णु शासक था। वह शाही खजाने का उपयोग केवल प्रजा की भलाई के लिए करता था। वह अपने परिवार का खर्च कुरान शरीफ का अनुवाद करके चलाता था। एक दिन उसके एक नौकर ने कहा, 'बादशाह सलामत! मेरी बेटी की शादी है। यदि आप इसमें थोड़ी सहायता कर सकें तो बड़ी मेहरबानी होगी।' नौकर की बात सुनकर नसरुद्दीन ने कहा, 'भाई, इस समय तो मेरे पास केवल मेरी कमाई के दो रुपये हैं। तुम इन्हें ले जाओ। खुदा तुम्हारा भला करेगा।' केवल दो रुपये देखकर नौकर हैरानी से बादशाह की ओर देखने लगा। बादशाह ने कहा, 'भइया, ये दो रुपये मेरी नेक कमाई के हैं। कुछ कम जरूर हैं, मगर तुम यह हमेशा याद रखो कि नेकी की कमाई में हमेशा बढ़ोतरी ही होती है।' अब इस पर नौकर क्या कहता। उसे लगा बादशाह और पैसे नहीं देना चाहते। वह मायूस होकर अपने गांव चल पड़ा। रास्ते में उसने सोचा कि इन रुपयों से उसकी बेटी की शादी में कोई खास मदद नहीं हो पाएगी, इसलिए उसने उससे अनार की कुछ टोकरियां खरीद लीं। कई दिनों बाद गांव के करीब पहुंचने पर नौकर को पता चला कि नसरुद्दीन की बीवी सख्त बीमार है और हकीम का कहना है कि वह अनार का रस पीने से ही ठीक हो सकती हैं। बादशाह ने घोषणा की थी कि जो कोई भी अनार लेकर आएगा उसे एक अनार के एक हजार रुपए दिए जाएंगे। उस समय राजधानी में अनार नहीं मिल रहे थे। घोषणा सुनकर नौकर तेजी से लौटा और अनार लेकर राजदरबार में पहुंच गया। बादशाह ने खुश होकर सभी अनार खरीद लिए और नौकर को एक लाख रुपये देकर विदा किया। नौकर रुपये लेकर अपने घर लौट आया। उसने धूमधाम से अपनी बेटी की शादी की। बादशाह की बात सच निकली कि नेकी की दौलत में बढ़ोतरी होती है।

फिल्म वर्ग पहेली- 7193

बायें से दायें:-

१. शाहरूख, अपूर्व अग्निहोत्री, महिमा की 'किसी रोज तुम से' गीत वाली फिल्म-४
४. 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली धर्मेन्द्र, जीनत अमान की फिल्म-४
६. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मुझे दुनियावलों शरबी' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
११. अजय, सैफ, विवेक, करीना, बिपाशा की 'बीड़ी जलई' गीतवाली फिल्म-४
१३. 'आ ये हसीना रात' गीत वाली जीतेंद्र, आदित्य, एकता की फिल्म-४
१६. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आँखों से दिल में' गीत वाली फराज खान, सुमन रंगनाथन की फिल्म-३
१८. दिलीपकुमार, सायरा की 'सारे शहर में आपसा कोई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'रात दुल्हन बनी चॉंद दूल्हा बना' गीत वाली जीतेंद्र, बिस्वजीत, माला सिन्हा, मुमताज की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, संजीव, शर्मिला की 'जिंदगी है क्या बोलो' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'दिल गम से' गीत वाली विजय, सुरैया की फिल्म जो सुरैया की अंतिम फिल्म थी-२
२६. संजयदत्त, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम दीवानों को' गीत वाली फिल्म-२
२७. आमिर, ममता कुलकर्णी की 'बाजी' में मुख्यमंत्री विश्वासराव चौधरी की भूमिका किसने की थी-२,३
२८. सनी, सुनील शेट्टी, शिल्पा की 'कोई परी आती नहीं' गीत वाली फिल्म-२
२९. फिल्म 'सात रंग के सपने' में अरविंद स्वामी के साथ नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, शाहरूख, सुनील, रानी, जूही की फिल्म-३
२. 'दुनिया में ऐसा कहाँ सबका नसीब' गीत वाली फिल्म-३
३. नसीरूद्दीनशाह, पूजा भट्ट की फिल्म-२
४. 'आते जाते हुए मैं सब पे नजर' गीत वाली फिल्म-२
५. इंद्रकुमार, आयशा जुल्का की फिल्म-३
७. आर्यन वैद, सोनाली कुलकर्णी की मकरंद देशपांडे निर्देशित फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
१०. 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
११. अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-२
१२. 'लम्हा लम्हा जिंदगी है' गीत वाली फिल्म-४
१३. मोहित अहलावत, निशा की फिल्म-२
१४. 'ये वादा करो चाँद' गीत वाली फिल्म-४
१५. मनोज बाजपेयी, रेखा, करिश्मा की फिल्म-३
१६. 'हम दर्द के मारों का इतना ही' गीत वाली फिल्म-२
२०. धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा की फिल्म-३
२१. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली फिल्म-३
२२. आफताब शिवदासानी, अमीषा पटेल, एशा देओल की फिल्म-४
२३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली फिल्म-३
२४. जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२५. 'इंतहा हो गई इंतजार की' गीत वाली अमिताभ, जया प्रदा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली-7192

को	ह	श		आँ	धी		आ	नं	द
ह		म		खें		जो	र	दा	र
श	जा	जा	नी		ध	र	ती		मि
म		ने		क	र्मा			सा	या
	श		आ		त्मा		सा	ज	न
श	स्ते	प्या	र	के		श्र		औ	
	का		जू		मे	श	ध	र	म
स	प	ने		दु	ला	श		आ	ह
	थ्य		प्या				स	वा	ल
प्या	र	का	सा	या		सू	र	ज	

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7502

★★★ मध्यम

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7501 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 8717

बाएँ से दाएँ

1. परिचय, जानना-2,4
5. वायु रोग-2
7. उत्साह, जिज्ञासा
9. कांटा, शूल
10. पिता, साधू-2
11. योद्धा जाति, राजपूत-3
14. थकान-4
16. मिसाल के तौर पर-4
20. ध्वजा, पताका-3
22. सीमा, बार्डर-2
23. बुरी आदत-2
24. समस्या, मुद्दा-3
27. जोर, दम, ताकत-2
28. दिखावटीपन, आडंबर, -3,3

ऊपर से नीचे

1. सीतापति, रामचंद्र-5
2. लम्हा, क्षण-2
3. धोखेबाज, दगाबाज-4
4. नलका, टौंटी-2
6. पुत्र, लड़का-3
8. कमरा, रूम-2
12. तीनों काल-3
13. पार्थिव शरीर, लाश-2
15. कजरा, अंजन-3
17. सच्चाई, सच-2
18. सेंधमार-5
19. पुचकारना, हाथ फेरना-4
20. धोखा, दगा-3
21. जरा, थोड़ा-2
25. सभी, संपूर्ण-2
26. राजेश खन्ना व मुमताज की बेहतरीन फिल्म-2

शब्द पहेली -8716 का हल

	दा	न	व		अ	ब	रो	ध
मा	न		ल	गा	म		ज	इ
न		रा	य		र	वा		क
स	ला	ह	का	र		द	ह	न
	य		र		प		ल	
म	न	का		आ	तं	क	वा	द
द		म	य		गा	म		स्त
हो	श		शो	र	बा		ना	क
श	ह	जा	दा		जी	व	न	

Jagrutidaur.com, Bangalore

मधुमक्खियों के हमले में दर्जनभर लोग घायल

रात्रि में छत्तों से छेड़छाड़ के कारण हुई घटना

पद्मेश न्यूज। लांजी।

लांजी नगर में प्रशासनिक लापरवाही, आपसी टालमटोल और कथित तौर पर बिना अनुमति किए गए खतरनाक कृत्य का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने पूरे क्षेत्र के लोगों को सोचने पर विवश कर दिया है। कोटेश्वर मंदिर के सामने स्थित बरगद के पेड़ पर वर्षों से लगे मधुमक्खियों के छत्तों को रात के अंधेरे में हटाने की कार्रवाई के बाद सुबह हालात बेकाबू हो गए। नतीजा-निर्दोष श्रद्धालु मधुमक्खियों के हमले का शिकार बन गए। सबसे चिंताजनक बात यह है कि घटना के बाद जिम्मेदारी तय करने के बजाय संबंधित विभाग एक-दूसरे पर ठीकरा फोड़ते नजर आए, जिससे पूरे मामले में लापरवाही और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। कोटेश्वर मंदिर के सामने स्थित वर्षों पुराने बरगद के पेड़ से मधुमक्खियों के छत्तों के साथ की गई कथित छेड़छाड़ का खामियाजा सोमवार सुबह श्रद्धालुओं को भुगतना पड़ा। सुबह करीब 9 बजे अचानक भड़की मधुमक्खियों ने वहां मौजूद लोगों पर हमला कर दिया, जिसमें एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए।

घायलों को तत्काल सिविल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। घायलों में विजय रामचंद 25 वर्ष निवासी भिमोड़ी, सुशांत दिनेश 22 निवासी नीमटोला, किशोर अनीराम 34 निवासी सुनार ककोड़ी, यश श्यामबाबू वामनकर 26 व श्यामबाबू मोतीराम वामनकर 71 निवासी लांजी तथा आकाश किशनकुमार 20 निवासी भिमोड़ी शामिल हैं।

रात में अंधेरे का खेल- हाईमास्ट

सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, घटना से एक रात पहले 3 मई को मंदिर परिसर के पास हाईमास्ट लाइट बंद कर अंधेरे में बाहरी लोगों से छत्ते उतरवाए गए। बताया जा रहा है कि गोंदिया से बुलाए गए लोगों ने पेड़ पर चढ़कर एक-एक कर छत्ते उतारे। इस दौरान धुआं और आग का उपयोग किया गया, जिससे हजारों मधुमक्खियां नष्ट हो गईं। छत्तों को उतारे जाने के महज 12 घंटे के भीतर मधुमक्खियों का हमला होना सीधे तौर पर लापरवाही की ओर इशारा करता है।

बंद कर छत्तों पर धावा

जानकारों के अनुसारए छत्तों से छेड़छाड़ के बाद मधुमक्खियां आक्रामक हो जाती हैं, ऐसे में बिना सुरक्षा उपायों के यह कार्रवाई गंभीर जोखिम को न्योता देने जैसा है। संबंधित पक्ष ने नगर परिषद से अनुमति लेने की बात कही। लेकिन नगर परिषद के सीएमओ मयूर वाहने ने स्पष्ट रूप से किसी भी अनुमति से इनकार किया। इससे पूरे मामले में विरोधाभास की स्थिति बन गई है।

सवालों के घेरे में दोनों विभाग

घटना के बाद सबसे गंभीर पहलू यह रहा कि आमजन की सुरक्षा से जुड़े इस मामले में जिम्मेदारी तय करने के बजाय विभागीय स्तर पर खुली टालमटोल सामने आई। नगर परिषद ने बिना देर किए मामले को वन विभाग के पाले में डाल दिया, यह कहते हुए कि मधुमक्खियों और पेड़ों से जुड़े मामलों में वही सक्षम प्राधिकरण है। दूसरी ओर, वन विभाग ने इसे नगरीय क्षेत्र का मामला बताकर अपनी जिम्मेदारी से किनारा कर लिया। इस खींचतान में सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब कार्रवाई हो रही थी, तब निगरानी किसकी थी? और जब हादसा हो गया, तो जवाबदेही से आखिर कौन भाग रहा है? विशेषज्ञों का मानना है कि चाहे क्षेत्र नगरीय हो या वन क्षेत्र, जनसुरक्षा सर्वोपरि होती है, और ऐसे संवेदनशील मामलों में विभागों के बीच समन्वय की कमी सीधे आम नागरिकों पर भारी पड़ती है।

इनका कहना है.

कोटेश्वर मंदिर परिसर के सामने स्थित बरगद के पेड़ से मधुमक्खी के छत्ते उतारने की मेरे द्वारा कोई अनुमति प्रदान नहीं की गई है। जो भी यह बात कह रहा है वह गलत है। वन विभाग का क्षेत्राधिकार होने के कारण हमारे द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती।

मयूर वाहने, सीएमओ
नगर परिषद लांजी

एनसीसी का भव्य 95वां दस दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का हुआ शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। लांजी। एनसीसी रुरु मुख्यालय जबलपुर के रुरु कमांडर ब्रिगेडियर रितेश बहल के मार्गदर्शन में 6 म.प्र. बटालियन एनसीसी बालाघाट के तत्वाधान में 95वां संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर सोमवार 4 मई 2026 को शासकीय कन्या शिक्षा परिसर बालाघाट (गोंगलई) में धूमधाम से प्रारंभ हो गया। कैम्प कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल विनीत कमल गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित इस 10 दिवसीय शिविर में बालाघाट जिले के विभिन्न क्षेत्रों के सैकड़ों एनसीसी कैडेट्स भाग ले रहे हैं। शिविर का उद्घाटन असिस्टेंट कमिश्नर श्रीमती श्रकुंतला डामोर (ट्राइबल) एवं प्राचार्य पीके अंगुरे की उपस्थिति में हुआ।

सैन्य प्रशिक्षण के साथ व्यक्तित्व का विकास

शिविर में 4 मई से 13 मई तक कैडेट्स को योगा, पीटी, ड्रिल, शस्त्र विद्या, मैपरिडिंग, लीडरशिप, यातायात सुरक्षा और राष्ट्रीय एकता जैसे विषयों पर विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। आर्मी भर्ती से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी भी कैडेट्स को दी जाएगी। शिविर का सबसे आकर्षक हिस्सा फायरिंग रहेगा, जिसमें हर कैडेट को फायरिंग का अवसर मिलेगा। इसके अलावा वालीवाल, खो-खो, रस्साकस्सी जैसी खेल गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी, जो शारीरिक दक्षता बढ़ाने में मदद करेंगी।

राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर विशेष व्याख्यान

प्रशिक्षण शिविर के दौरान व्यक्तित्व विकास, राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका, प्राथमिक उपचार, आपदा प्रबंधन, राष्ट्रीय सुरक्षा और प्रदूषण नियंत्रण जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान आयोजित किए जाएंगे। मेजर हेमंत कुमार मंडाले (कैम्प एडजुटेंट), कैप्टन राजेंद्र सिंह कुशराम, लेफ्टिनेंट गजानन कटरे, सूबेदार तरसेम सिंह (प्रशिक्षण एवं सुरक्षा प्रभारी) सहित अन्य एनसीसी अधिकारी और पीआई स्टाफ पूरे शिविर में कैडेट्स के मार्गदर्शन के लिए मौजूद रहेंगे।

इन क्षेत्रों के कैडेट्स शामिल

वारासिवनी, बैहर, बिरसा, मलाजखंड, कटंगी और बालाघाट क्षेत्र के उत्साही एनसीसी कैडेट्स इस शिविर में बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं।

एनसीसी अधिकारियों का कहना है कि यह शिविर न केवल कैडेट्स को सैन्य अनुशासन सिखाएगा बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर, अनुशासित और देशभक्त नागरिक बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

शिविर 13 मई 2026 को समापन समारोह के साथ संपन्न होगा।

शैक्षणिक सत्र 2026-27 में नि:शुल्क प्रवेश का द्वितीय चरण प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम के तहत निजी (गैर-अनुदान) मान्यता प्राप्त स्कूलों में नि:शुल्क प्रवेश की द्वितीय चरण प्रक्रिया शुरू हो गई है। पहले चरण की प्रक्रिया 25 अप्रैल 2026 को पूरी होने के बाद अब खाली बची सीटों पर प्रवेश के लिए पोर्टल पर स्कूलों की सूची जारी कर दी गई है।

सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक श्री जीपी बर्मन ने बताया कि इस बार नए आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे, बल्कि पहले से आवेदन कर चुके अभ्यर्थियों को ही मौका मिलेगा। खास बात यह है कि जिन अभिभावकों के बच्चे आवेदन करने के बावजूद सत्यापन नहीं करा पाए थे, उन्हें अब राहत दी गई है। मार्च के अंत में अवकाश के चलते छूटे ऐसे सभी आवेदक अपने चयनित जनशिक्षा केंद्र पर जाकर दस्तावेजों का सत्यापन करा सकते हैं। पात्र पाए जाने पर वे स्कूलों की नई चॉइस भर सकेंगे। वहीं, जिन अभ्यर्थियों को पहले चरण में कोई स्कूल आवंटित नहीं हुआ था या आवंटन मिलने के बाद भी उन्होंने प्रवेश नहीं लिया, वे भी इस चरण में अपनी पसंद के स्कूल चुन सकते हैं। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि पहले चयनित स्कूलों में सीटें भर चुकी हैं, तो अभिभावकों को नए रिक्त सीट वाले स्कूलों का चयन करना होगा।

श्री बर्मन ने बताया कि सत्यापन में परेशानी होने पर अभिभावक संबंधित विकासखंड स्त्रोत समन्वयक (बीआरसीसी) कार्यालय में भी अपनी प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। शिक्षा विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि वे समय पर चॉइस अपडेट करें, ताकि बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा का लाभ मिल सके और उन्हें बेहतर स्कूल में प्रवेश पाने का अवसर न चूके।

पंश्चिम बंगाल सहित तीन राज्यों की प्रचंड जीत पर भाजपा ने मनाया जश्न

पद्मेश न्यूज। लांजी। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तीन राज्यों में दर्ज प्रचंड जीत ने देशभर में सियासी माहौल को उत्साह और जोश से भर दिया है। इसी कड़ी में लांजी नगर मुख्यालय के सुभाष चौक में सोमवार शाम 6 बजे भाजपा कार्यकर्ताओं ने विधायक राजकुमार करहि के नेतृत्व में भव्य विजय उत्सव मनाया। इस ऐतिहासिक जीत ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि भाजपा की जमीनी पकड़ मजबूत होने के साथ-साथ केंद्र सरकार की नीतियों पर जनता का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। चुनाव परिणाम घोषित होते ही विधायक राजकुमार करहि के साथ कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए और नगर के सुभाष चौक पर विजयी नारे लगाते हुए एक दूसरे को जीत की बधाई दी। इसके साथ ही राहगीरों और आमजनों को भी मिठाई बांटकर भाजपा की जीत के जश्न में शामिल किया और जमकर आतिशबाजी की गई। 'भारत माता की जय' और भाजपा समर्थक नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। जश्न के दौरान मीडिया से चर्चा करते हुए विधायक करहि ने इस जीत को संगठन की ताकत और जनता के आशीर्वाद का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता ने पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ काम किया, जिसका परिणाम आज पूरे देश के सामने है। उन्होंने इस जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह तथा पार्टी नेतृत्व की दूरदर्शी नीतियों और मजबूत संगठनात्मक संरचना को दिया। विधायक ने आगे कहा कि इन चुनाव परिणामों ने देश की राजनीति को नई दिशा देने का काम किया है। उन्होंने विशेष रूप से पश्चिम बंगाल का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां भाजपा ने अभूतपूर्व प्रदर्शन किया है, जो आने वाले समय में बड़े राजनीतिक बदलाव का संकेत है। उनके अनुसार, इन परिणामों के बाद पश्चिम बंगाल सहित अन्य राज्यों में केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचेगा।

इस दौरान विधायक राजकुमार करहि, योगेश रामटेकर, भाजपा मण्डल अध्यक्ष आलोक चौरसिया, बारेलाल बड़धैया, अविनाश रैंच, किशोर रामटेकर, गौरव बैस, संदीप रामटेकर, सचिन अग्रवाल, बिसोनी अध्यक्ष देवेश ऐडे, उज्वल श्रीवास्तव, दिनेश कचवाहे, ताराचंद कुचलाहे, कैलाशपुरी गोस्वामी, आदित्य रामटेककर, लक्ष्मण रामटेककर, बबलू शिवालिया, रूपचंद रामटेककर, विजय गोस्वामी, शलभ किरनापुरे, महेंद्र रणदिवे, जीवन किरनापुरे, लेखक सुखराम आसटकर, झनकार बड़धैया सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

टीएल बैठक में समय सीमा प्रकरणों की हुई समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 04 मई को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में टीएल बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में कलेक्टर मृणाल मीना ने विभिन्न विभागों के समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, मायाराम कोल, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से उपस्थित थे।

गेहूँ एवं चना खरीदी केंद्रो पर किसानों के लिए उत्तम व्यवस्था बनाये रखने के निर्देश

बैठक में सर्वप्रथम समर्थन मूल्य पर गेहूँ एवं चना खरीदी की समीक्षा की गई। इस दौरान बताया गया कि 652 किसानों से 24 हजार 851 क्विंटल गेहूँ की खरीदी की जा चुकी है। किसानों को 01 करोड 72 लाख 500 रुपए का भुगतान किया जा चुका है। अब तक 2860 किसानों द्वारा स्लॉट बुकिंग की जा चुकी है। इसी प्रकार 168 किसानों से 3500 क्विंटल चना की खरीदी की जा चुकी है। कलेक्टर श्री मीना ने गेहूँ एवं चना के खरीदी केंद्रो पर किसानों के लिए छाया, पानी एवं अन्य व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने किसानों से खरीदे गए गेहूँ और चना का तेजी से भुगतान करने के निर्देश दिये और कहा कि किसानों को भुगतान के लिए परेशान न होना पडे ऐसी व्यवस्था बनायी जाए।

शालाओं में बच्चों का शत प्रतिशत पंजीयन अनिवार्य

बैठक में पीएम जनमन योजना के अंतर्गत जिन 06 हितग्राहियों के आवास का कार्य अब तक रूका है उसे शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिये गए। शालाओं में बच्चों के पंजीयन की समीक्षा के दौरान पाया गया कि लांजी के विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी एवं बैहर के बीआरसी बैठक में उपस्थित नही है जिस पर इन दोनो अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गए। कलेक्टर श्री मीना ने जिला शिक्षा अधिकारी एवं सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक को निर्देशित किया कि अगले 02 दिनों के भीतर शालाओं में बच्चों का शत प्रतिशत पंजीयन अनिवार्य रूप से कराये। 100 प्रतिशत बच्चों का पंजीयन नही होने पर जिम्मेदार अधिकारी के विरूद्ध कार्यवाही करने की चेतावनी दी गई। कलेक्टर श्री मीना ने छात्र छात्राओं को मिलने वाली विभिन्न प्रकार की छात्रवृत्ति के फॉर्म शीघ्रता से भरवाने के निर्देश दिये और कहा कि छात्रवृत्ति का समय पर भुगतान हो जाना चाहिए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही पाये जाने पर जिम्मेदार व्यक्ति के विरूद्ध कडी कार्यवाही की जाएगी।

प्रधानमंत्री सूर्य घर एवं कुसुम-बी योजना में प्रगति लाने के निर्देश

बैठक में प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत घरों में बिजली के लिए सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये गए और इसके लिए अधिक से अधिक लोगो से आवेदन कराने कहा गया। इसी प्रकार कुसुम-बी योजना के अंतर्गत सोलर सिंचाई पंप लगाने के लिए अधिक से अधिक किसानों के प्रकरण तैयार करने और उन्हें बैंक से ऋण दिलाने के निर्देश दिये गए। इस दौरान बताया गया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत 1071 घरों में सोलर पैनल लगाये जा चुके है एवं कुसुम-बी योजना के अंतर्गत सिंचाई पंप के लिए 954 प्रकरण तैयार किये जा चुके है।

अनुदान एवं ऋण वितरण की जाने वाली योजनाओं के प्रकरण शीघ्र बैंको को भेजे जाए

कलेक्टर श्री मीना ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत प्रशिक्षित हितग्राहियों को बैंक से ऋण दिलाकर स्वरोजगार से जोडने के निर्देश दिये। इसके लिए ऋण प्रकरण तैयार कर शीघ्रता से बैंको को भेजने कहा गया। सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जिन योजनाओं में अनुदान एवं ऋण वितरण किया जाता है उसके प्रकरण शीघ्रता से तैयार कर बैंको को भेजे। अधिकारी शासन स्तर से लक्ष्य मिलने का इंतजार न करें बल्कि गत वर्ष मिले लक्ष्य के अनुरूप ही प्रकरण तैयार कर बैंको को भेजे। बैठक में श्रम पदाधिकारी, जनपद पंचायतों के सीईओ एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि संबल योजना के अंतर्गत अनग्रह एवं अंत्येष्टि सहायता के प्रकरणों का शीघ्रता से निराकरण करें।

स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की सार्थक एप्प में उपस्थिति फिल्ड में रहकर देखी जाए

बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया गया कि वे फिल्ड में अधिक से अधिक भ्रमण करें और स्वास्थ्य संस्थाओं में सीएचओ, एएनएम एवं अन्य कर्मचारियों की सार्थक एप्प के माध्यम से उपस्थिति सुनिश्चित करें। सभी खण्ड चिकित्सा अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि कर्मचारी अपने निर्धारित कार्य स्थल से ही सार्थक एप्प पर हाजरी लगाए। यदि किसी कर्मचारी द्वारा कार्य स्थल के अलावा अन्य स्थान से सार्थक एप्प में हाजरी लगायी जाती है तो उसके खिलाफ वेतन रोकने के साथ ही अनुशासनात्मक कार्यवाही करें। महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया गया कि 03 से 06 वर्ष आयु के बच्चों का शाला पूर्व शिक्षा के लिए शीघ्रता से शत प्रतिशत पंजीयन कराये। इसके साथ ही कुपोषित एवं अतिकुपोषित बच्चों का चिन्हांकन कर उनका उपचार कराने के निर्देश दिये गए।

सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बरतने पर होगी दण्डात्मक कार्यवाही

बैठक में भटेरा रोड पर बन रहे रेल ओव्हरब्रिज के कार्य में गति लाने के निर्देश दिये गए और कहा गया कि ठेकेदार द्वारा काम में गति नही लाने पर उसके विरूद्ध कार्यवाही करें। इसी प्रकार जागपुर घाट पर बन रहे पुल के कार्य में विलंब करने के लिए ठेकेदार के विरूद्ध कार्यवाही करने कहा गया। गर्रा रोड पर रेल ओव्हरब्रिज का शेष कार्य शीघ्र पूर्ण कर मई माह में ओव्हरब्रिज से यातायात अनिवार्य रूप से प्रारंभ करने के निर्देश दिये गए। बैठक में सीएम हेल्पलाईन एवं लोक सेवा गारण्टी अधिनियम के प्रकरणों की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान पाया गया कि किरनापुर के तहसीलदार द्वारा सीमांकन के 05 प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण नही किया गया है। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने किरनापुर तहसीलदार को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गए। इसी प्रकार लोक सेवा गारण्टी के प्रकरणो का समय सीमा में निराकरण नही करने वाले अधिकारियों पर जुर्माना लगाने के निर्देश दिये गए। बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों की समीक्षा की गई और अधिकारी को निर्देशित किया गया कि उनके द्वारा किये गए कार्यों की पोर्टल पर एंट्री की जाए। नगर पालिका बालाघाट के मुख्य नगर पालिका अधिकारी को देवी तालाब की सफाई एवं सौंदर्यीकरण का कार्य करने के निर्देश दिये गए। जनगणना-2027 के अंतर्गत सभी प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को 30 मई तक निर्धारित लक्ष्य के अनुसार जनगणना का कार्य करने के निर्देश दिये गए।

मध्यप्रदेश में कई किसान नेता हाउस अरेस्ट

सीएम हाउस पहुंचने से पहले पुलिस ने रोका, अपनी मांगों को लेकर करने वाले थे घेराव

भोपाल। मध्य प्रदेश में अपनी समस्याओं को लेकर भोपाल की ओर कूच करने की तैयारी कर रहे किसान नेताओं को लेकर प्रशासन ने कड़ा रुख अपना। जानकारी के अनुसार सीहोर रोड पर फंदा टोल नाके पर बड़ी संख्या में जमा होकर राजधानी कूच करने की रणनीति बना रहे राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के आंदोलन को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया। जिसके चलते देवास और रतलाम सहित विभिन्न जिलों के प्रमुख किसान नेताओं को उनके घरों से निकलने से पहले ही हाउस अरेस्ट कर लिया गया है।

वहीं जो किसान घरों से निकल चुके हैं, उन्हें रास्ते में रोका गया। महासंघ ने मुख्यमंत्री के नाम एक 15 सूत्रीय ज्ञापन तैयार किया है, जिसमें प्रदेश के किसानों की ज्वलंत समस्याओं के त्वरित निराकरण की मांग की गई है। जानकारी के अनुसार करीब 12 से ज्यादा किसान नेताओं को पुलिस ने भोपाल आने से पहले ही हाउस अरेस्ट कर लिया। जो किसान अपने घरों से

निकल गए, उनको रास्ते में ही रोक दिया गया। फंदा बाईपास पर भारी प्रदर्शन देखने को मिला। पुलिस कार्यवाही देख गुस्साये किसानो ने सीहोर से आने वाले सभी वाहनों को रोक दिए, जिसके चलते सड़क पर लंबा जाम लग गया और यातायात बुरी तरह प्रभावित हो गया। प्रदर्शन कर रहे किसान अपनी मांगों को लेकर अड़े रहे। वहीं कई किसानों को आष्ठा के पहले ही पुलिस ने रोक दिया।किसान मजदूर महासंघ की युवा इकाई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष त्रिलोक सिंह गोठी ने बताया कि करीब 30 जिलों से हमारे संगठन के किसान नेता और कृषक भाई मुख्यमंत्री निवास जाने वाले थे, लेकिन सुबह से ही मुझे घर से बाहर पुलिस के अधिकारी जाने नहीं दे रहे। भोपाल, देवास, सीहोर, सिवनी, हरदा, बालाघाट, रतलाम, नीमच, मंदसौर, उज्जैन, आगर मालवा, शाजापुर सहित तमाम जिलों में हमारे प्रतिनिधियों को पुलिस अधिकारी निकलने नहीं दे रहे हैं। वहीं आंदोलनकारी किसान सीएम हाउस तक नहीं पहुंच पाए इसके लिये सीएम हाउस के पास पुलिस ने कड़े इंतेजाम किये है।

– ये हैं किसान मजदूर महासंघ की प्रमुख मांगें

महासंघ की मांगो में गेहूं की सरकारी खरीदी (उपार्जन) में जो भी रुकावटें आ रही हैं, उन्हें तुरंत दूर किया जाए। जिन किसानों ने खरीदी में देरी की वजह से मंडियों में गेहूं बेच दिया है, उन्हें चिन्हित कर भावांतर योजना का पैसा दिया जाए। नरवाई (पराली) जलाने पर किसानों के खिलाफ दर्ज मुकदमे वापस लिए जाएं, सहकारी संस्थाओं में कर्ज चुकाने की आखिरी तारीख (डिफाल्टर डेट) गेहूं की खरीदी के बाद की तय की जाए और डिफाल्टर किसानों को दोबारा लोन की सुविधा दी जाए। आग लगने या प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान को 100 प्रतिशत मानते हुए किसानों को तुरंत राहत राशि और फसल बीमा का लाभ मिले। बेतवा प्रोजेक्ट की वजह से आदिवासियों पर हो रहे अत्याचार बंद हों और उनकी सभी मांगें पूरी की जाएं। इसके साथ ही खेती की सभी चीजों के दाम सी-250 (लागत फार्मूले) के आधार पर तय हों और मंडियों में इससे कम दाम पर फसल न बिके जैसी मांगे शामिल है।

मानसिकता बदले बिना नहीं होगा बदलाव

रेखा यादव ने संभाली महिला आयोग की कमान, सशक्तिकरण पर दिया जोर

भोपाल । मध्यप्रदेश में नारी सशक्तिकरण को नई दिशा देते हुए रेखा यादव ने सोमवार को मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष के रूप में विधिवत पदभार ग्रहण किया। उनके साथ नवनियुक्त सदस्य साधना स्थापक ने भी कार्यभार संभाला। पदभार ग्रहण करने के बाद मीडिया से बातचीत में रेखा यादव ने कहा कि आयोग अब केवल शिकायतों के निवारण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि महिलाओं के वैचारिक और सामाजिक सशक्तिकरण पर भी विशेष ध्यान देगा। उन्होंने कहा कि आयोग प्रदेश की महिलाओं के लिए एक मित्र और मार्गदर्शक की भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव के विजन की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य है कि प्रदेश की हर महिला आत्मनिर्भर और सुरक्षित महसूस करे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़ी महिलाओं तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। हिला अपराधों पर कड़ा रुख अपनाते हुए रेखा यादव ने कहा कि केवल कानून बनाकर अपराधों पर पूरी तरह रोक नहीं लगाई जा सकती। उन्होंने कहा कि समाज की मानसिकता में बदलाव लाए बिना स्थायी सुधार संभव नहीं है। जब तक पुरुष प्रधान सोच और महिलाओं के प्रति नजरिया नहीं बदलेगा, तब तक अपराधों में स्थायी कमी नहीं आ सकती। उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनें और अन्याय के खिलाफ मजबूती से आवाज उठाएं। उन्होंने कहा कि जानकारी ही सुरक्षा की पहली सीढ़ी है और जागरूक महिला ही अपने अधिकारों की रक्षा कर सकती है। इस अवसर पर आयोग के सदस्य सचिव श्री सुरेश तोमर सहित वरिष्ठ अधिकारी और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विधायकों ने भेजे एल्डरमैन के लिए नाम

– निगम-मंडलों के साथ प्रदेश संगठन इस महीने घोषित कर सकता है एल्डरमैन

भोपाल (ईएमएस)। भाजपा द्वारा प्रदेश में राजनीतिक नियुक्तियों का दौर शुरू होने के बाद अब नगर निगम और नगर पालिकाओं में एल्डरमैन बनाने की कवायद शुरू हो गई है। पहली सूची जल्द ही घोषित की जा सकती है, जिसमें कुछ बड़े जिलों को शामिल किया जा सकता है। इसके लिए विधायकों से नाम मांगे गए थे, जिनमें से कुछ ने अपने नाम भेज दिए हैं। ऐसे तो भाजपा दावा करती है कि काम करने वालों को ही नियुक्तियों में उपकृत किया जाता है, लेकिन आज भी सबकुछ भाजपा में विधायकों और बड़े नेताओं की सिफारिश पर ही चलता है। टिकट बंटवारे में भी विधायकों की ही खास भूमिका होती है। इसमें भी विधायक के साथ-साथ सांसद की पसंद और नापसंद का ध्यान रखा जाता है। भाजपा ने लंबे समय से स्थानीय निकायों में एल्डरमैन की नियुक्ति नहीं की है। भोपाल से इशारा मिला है कि जल्द से जल्द नगर अध्यक्षों से एल्डरमैन के नाम लेकर इसकी घोषणा कर दी जाए। कुछ विधायकों ने अपने समर्थकों के नाम एल्डरमैन के लिए नगर इकाई को सौंप दिए हैं, लेकिन नगर अध्यक्ष अभी इसका खुलासा नहीं कर रहे हैं। उनका कहना है कि अभी विधायकों ने नाम नहीं भेजे हैं। दरअसल नामों की सूची को लेकर भी कार्यकर्ताओं में असंतोष पनप सकता है, इसलिए पार्टी चाह रही है कि सब कुछ ऊपर ही ऊपर हो जाए और विधायकों की अनुशंसा के अनुरूप सूची घोषित हो जाए। नगर स्तर पर सूची फाइनल करने की तैयारी है और अगर भेपाल की हरी झंडी मिल गई तो इस महीने इंदौर शहर को एल्डरमैन मिल जाएंगे, जिन्हें विधानसभा स्तर पर नियुक्ति दी जाएगी।

नई पारदर्शी एसओपी तैयार करने में जुटा परिवहन विभाग

हाई कोर्ट के आदेश से हलचल बढ़ी,चेक प्वाइंट व्यवस्था अब धीरे-धीरे होती जा रही निष्क्रिय

भोपाल। मप्र में परिवहन व्यवस्था को लेकर बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। हाई कोर्ट के आदेश के बाद प्रदेश में बंद पड़े परिवहन चेक पोस्टों को दोबारा शुरू करने की प्रक्रिया तेज हो गई है। इस आदेश का असर अब जमीनी स्तर पर दिखने लगा है, जहां चेक पोस्टों के स्थान पर संचालित चेक प्वाइंट धीरे-धीरे निष्क्रिय होते नजर आ रहे हैं। सरकार को कोर्ट के निर्देशों का पालन करने के लिए 30 दिनों का समय दिया गया है, जिसके चलते परिवहन विभाग नई रणनीति और मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने में जुट गया है।

हाई कोर्ट ने परिवहन चेक पोस्ट बंद करने के निर्णय पर कड़ी टिप्पणी करते हुए इसे चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई की थी। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया था कि चेक पोस्ट बंद होने से ओवरलोडिंग और नियम उल्लंघन के मामलों में वृद्धि हुई है, जिससे सड़क हादसों का खतरा बढ़ गया है। कोर्ट ने शासन के पक्ष को संतोषजनक नहीं माना और स्पष्ट निर्देश दिए कि चेक पोस्टों को पुनः शुरू किया जाए। साथ ही यह भी कहा गया कि आदेश का पालन न होने पर अवमानना की कार्रवाई हो सकती है।

चेक प्वाइंट व्यवस्था हो रही निष्क्रिय

जुलाई 2024 से चेक पोस्ट बंद होने के बाद उनकी जगह चेक प्वाइंट बनाए गए थे, लेकिन अब कोर्ट के आदेश के बाद इनकी उपयोगिता कम होती जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, चेक प्वाइंट का संचालन अब प्राथमिकता में नहीं है और निगरानी भी सीमित हो गई है। इससे संकेत मिल रहे हैं कि पारंपरिक चेक पोस्ट व्यवस्था की वापसी लगभग तय है।

नई एसओपी पर फोकस

परिवहन विभाग अब पारदर्शी और प्रभावी एसओपी तैयार करने में जुटा है। पहले चेक पोस्ट संचालन के दौरान भ्रष्टाचार और वसूली के आरोप लगे थे, जिससे विभाग की छवि प्रभावित हुई थी। इसी कारण इस बार नई व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने पर जोर दिया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि नई एसओपी में तकनीकी निगरानी और स्पष्ट दिशा-निर्देश शामिल किए जाएंगे।

सरकार और अधिकारियों की तैयारी

फिलहाल सरकार विधि विशेषज्ञों से परामर्श ले रही है, ताकि कोर्ट के आदेश का सही तरीके से पालन किया जा सके। हालांकि आधिकारिक निर्देश अभी जारी नहीं हुए हैं, लेकिन विभागीय स्तर पर तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। आगामी 30 दिनों में उच्च स्तरीय बैठकों के जरिए पूरी रूपरेखा तय की जाएगी। कुल मिलाकर, मध्य प्रदेश में परिवहन व्यवस्था में बड़ा बदलाव होने जा रहा है, जिसमें चेक पोस्टों की वापसी और नई पारदर्शी प्रणाली लागू करने पर जोर रहेगा।

आदिवासी बालिकाओं को पढ़ाई के लिए मिलेगी आर्थिक सहायता

भोपाल। मप्र सरकार प्रदेश की बेटियों को सशक्त बनाने पर लगातार जोर दे रही है। अक्सर देखा गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों की बालिकाएं आर्थिक तंगी और अन्य समस्याओं के कारण अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ देती हैं, जिससे उनका भविष्य प्रभावित होता है और वे केवल घर के कामकाज तक ही सीमित रह जाती हैं। खासकर आदिवासी समुदाय की लड़कियां। इसी को ध्यान में रखते हुए मोहन सरकार हाल ही में आदिवासी बालिकाओं को प्रोत्साहित करने के लिए 'जनजातीय कन्या साक्षरता प्रोत्साहन योजना' लेकर आई है। इस योजना के तहत उन आदिवासी बच्चियों को सरकार की ओर से आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी, जिन्हेंने आर्थिक परेशानियों के कारण अपनी पढ़ाई छोड़ दी थी। आइए जानते हैं इस योजना के बारे में। इस योजना का मुख्य उद्देश्य आदिवासी छात्राओं को 11वीं कक्षा में पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रेरित करना है। इसके तहत जो भी छात्रा 10वीं पास करने के बाद 11वीं कक्षा में रेगुलर एडमिशन लेती है, उसे सरकार की तरफ से हर साल 3,000 रुपये की आर्थिक मदद दी जाती है। इस योजना की खास बात यह है कि सहायता राशि सीधे छात्रा के बैंक खाते में जमा की जाती है, ताकि वह बिना किसी परेशानी के अपनी किताबों और पढ़ाई का खर्च खुद उठा सके। जनजातीय कन्या साक्षरता प्रोत्साहन योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए छात्रा का मप्र की मूल निवासी होना अनिवार्य है। वह आनुसूचित जनजाति वर्ग से हो। उसने 10वीं की परीक्षा पास कर ली हो और अभी 11वीं कक्षा में पढ़ाई कर रही हो। छात्रा का स्कूल में रेगुलर छात्र के रूप में एडमिशन होना चाहिए।

एक महिला को राज्यसभा भेजेगी भाजपा!

मप्र में दिखेगा नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक का असर

भोपाल। संसद में नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक गिरने के बाद भाजपा देश भर में राजनीति में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण को लेकर अभियान चला रही है। वहीं मप्र में मोहन सरकार ने देश में सबसे पहले नारी शक्ति वंदन को लेकर विधानसभा का विशेष सत्र आयोजित कर संकल्प पारित करवाया है। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि आने वाले समय में मप्र राजनीति में नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक का असर दिखेगा। इसका पहला असर राज्यसभा चुनाव में दिख सकता है। भाजपा मप्र की अपनी दो सीटों में से एक पर किसी महिला उम्मीदवार को उतार कर राज्यसभा भेज सकती है।

मप्र में राज्यसभा की तीन सीटें रिक्त हो गई हैं। इन सीटों के लिए निर्वाचन प्रक्रिया इसी महीने से शुरू होने के आसार हैं। रिक्त हुई सीटों में से दो भाजपा और एक सीट कांग्रेस के खाते की है। ऐसे में दोनों दलों के सामने अपने-अपने उम्मीदवारों के चयन को लेकर राजनीतिक निर्णय लेने की चुनौती है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि बदली हुई परिस्थितियों में भाजपा महिला आरक्षण के मुद्दे पर अपने सकारात्मक रुख को ध्यान में रखते हुए रिक्त हुई दो सीटों में से एक पर महिला उम्मीदवार को मौका दे सकती है। इससे न केवल संगठन में महिला नेतृत्व को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि देशभर में महिलाओं के बीच एक सकारात्मक संदेश भी जाएगा।

महिला आरक्षण को लेकर भाजपा आक्रामक

गौरतलब है कि राजनीति में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिलाने को लेकर भाजपा आक्रामक रुख अपनाए हुए है। दरअसल, गत 17 अप्रैल को संसद में नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक गिरने के बाद भाजपा देश भर में अभियान चला रही है। इसके जरिए कांग्रेस और पूरे विपक्ष को महिला आरक्षण विरोधी और स्वयं को महिला आरक्षण समर्थक बताया जा रहा है। मप्र में नारी शक्ति वंदन को लेकर गत 27 अप्रैल को विधानसभा का विशेष सत्र आयोजित किया गया। विशेष सत्र के दौरान जहां भाजपा ने महिला आरक्षण लागू नहीं किए जाने के लिए कांग्रेस को पूरी तरह से जिम्मेदार ठहराया, वहीं कांग्रेस ने सवाल उठाया कि लोकसभा व विधानसभा की मौजूदा सीटों पर तत्काल 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने से सरकार क्यों पीछे हट रही है? अब चूंकि राज्यसभा के चुनाव जल्द होने वाले हैं, ऐसे में महिला प्रतिनिधित्व का मुद्दा भी उम्मीदवार चयन में अहम भूमिका निभा सकता है।

कांग्रेस के सामने चुनौती

वहीं, कांग्रेस के सामने भी अपनी एकमात्र राज्यसभा सीट के लिए उम्मीदवार का चयन किसी चुनौती से कम नहीं है। पार्टी उम्मीदवार चयन में स्थानीय राजनीतिक समीकरणों और आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर निर्णय लेगी। पार्टी में शीर्ष स्तर पर उम्मीदवार चयन को लेकर मंथन जारी है। राज्यसभा के दावेदार भी सीट पक्की करने के लिए अपने स्तर पर हर संभव प्रयास कर रहे हैं। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता रागिनी नायक ने राज्यसभा के लिए महिला उम्मीदवार संबंधी सवाल पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि राज्यसभा उम्मीदवार को लेकर अंतिम निर्णय पार्टी हाईकमान द्वारा लिया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह विषय उनके कार्यक्षेत्र से बाहर है, लेकिन वे महिला उम्मीदवार संबंधी सुझाव पार्टी फोरम तक जरूर पहुंचा देंगी। बता दें कि मप्र से भाजपा के राज्यसभा सांसद सुमेर सिंह सोलंकी और केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन और कांग्रेस से राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह का कार्यकाल गत 9 अप्रैल को समाप्त हो चुका है। राज्यसभा की इन तीनों रिक्त सीटों पर जल्द चुनाव होगा। पिछले दिनों मप्र में जिस तरह के राजनीतिक घटनाक्रम सामने आए हैं, उसे देखकर राजनीतिक गलियारों में यह कयास लगा जा रहे हैं कि कांग्रेस के कब्जे वाली रिक्त हुई राज्यसभा सीट पर भी भाजपा उम्मीदवार उतार सकती है। सूत्रों के मुताबिक पार्टी यह आंकलन कर रही है कि वर्तमान संख्या बल और संभावित समर्थन के आधार पर क्या वह जीत की स्थिति में आ सकती है। यदि पार्टी को अनुकूल स्थिति नजर आती है, तो वह उम्मीदवार उतारकर कांग्रेस को सीधी चुनौती दे सकती है।

...तो दो और सीटों पर हो सकता है चुनाव

वर्तमान स्थिति के अनुसार प्रदेश की तीन राज्यसभा सीटों पर चुनाव होना तय है। वहीं दो अन्य राज्यसभा सीटों पर चुनाव की संभावना बनी हुई है। प्रदेश में राज्यसभा चुनाव का गणित इस बार प्रदेश से दूर दक्षिण भारत के चुनाव परिणामों से प्रभावित होता नजर आ रहा है। खासकर राज्यसभा में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रहे केंद्रीय मंत्री डॉ. एल मुरुगन तमिलनाडु और जॉर्ज कुरियन केरल की कांजीरापल्ली विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में हैं। इनकी हार जीत प्रदेश की राजनीति में बड़ा बदलाव ला सकती है। कुरियन का कार्यकाल पूरा हो रहा है। मुरुगन यदि चुनाव जीते तो राज्यसभा में उनकी सीट खाली हो जाएगी। उनका कार्यकाल अप्रैल 2030 तक के लिए है। तमिलनाडु की अविनाशी सीट से प्रत्याशी डॉ. एल मुरुगन है। यहां पर 23 अप्रैल को मतदान हुआ है। वहीं, केरल में 9 अप्रैल को एक चरण में वोट डाले गए। कुरियन और मुरुगन के चुनाव का रिजल्ट 4 मई को आएगा। यदि तमिलनाडु की अविनाशी सीट से चुनाव लड़ रहे डॉ. एल मुरुगन चुनाव जीतते है, तो उन्हें राज्यसभा सदस्यता छोड़नी पड़ेगी।

अंग–बंग कलिंग सब तरफ भाजपा का झंडा

सीएम डॉ. मोहन ने पश्चिम बंगाल की जनता को दी बधाई

भोपाल। पश्चिम बंगाल समेत अन्य राज्यों के चुनावी नतीजों मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का बड़ा बयान सामने आया हैं। उन्होंने कहा कि जब ममता निर्ममता करेगी तो उसकी कीमत तो चुकानी पड़ेगी। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सुशासन की बयार चल रही है। गृहमंत्री अमित शाह के सपनों के तहत अंग-बंग कलिंग सब तरफ भाजपा का झंडा लहराया है। वहीं सीएम ने बंगाल की जनता को बधाई भी दी हैं।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने ग्वालियर में मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि चुनाव की बेला में वाकई दिल से बधाई दे रहे हैं। गृहमंत्री अमित शाह के सपनों के तहत अंग-बंग कलिंग सब तरफ भाजपा का झंडा लहराया है। फिर एक बार घुसपैठियों के

खिलाफ राष्ट्रवादी शक्तियों की तरफ विजय कदम बढ़ा है। जिस प्रकार से बंगाल की हालत हुई है, बंगाल आजादी के पहले से बहुत सक्षम राज्य हुआ करता था। बंगाल आज देश में जो पिछड़ा है उसकी लीडरशिप वजह रही है।

सभी सर्वे सार्थक

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि एक तरह से दुरावस्था जो थी उसका प्रतिकार है। आज लगभग जो जो सर्वे आए थे वह सभी सर्वे सार्थक होते दिखाई दे रहे हैं। जीत के साथ भाजपा का झंडा लहरा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह 22वां राज्य है, हमारे एनडीए के साथ खड़ा होता हुआ दिख रहा है। 17वां राज्य जहां मुख्यमंत्री एक बार फिर भाजपा के होंगे। मैं अपनी ओर से बंगाल की जनता को बधाई देता हूं। एक तो भाजपा के प्रति प्रेम दिखाने के लिए दूसरा निर्वाचन की पूरी प्रक्रिया में बंगाल ने फिर एक साथ तमाम हथकंडों को फेल करते हुए हिंसा आतंक व्यवस्था तमाम प्रकार की कठिनाइयों को दूर किया है।

ममता बनर्जी पर करारा प्रहार

उन्होंने आगे कहा कि जनता अपने निर्णय के प्रति संकल्पित रही और भारतीय जनता पार्टी बहुमत से जीती। इसलिए बंगाल के मतदाताओं के साथ असम और जहां चुनाव हुए हैं हम जीते हैं या कोई कारण से रह भी गए हैं, तब भी मैं यहां कहूंगा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सुशासन की बयार चल रही है। जीत का दावा करने वाली ममता बनर्जी पीछे चल रही है, ममता जब निर्ममता करेगी तो उसकी कीमत तो चुकानी पड़ेगी।

मनरेगा पेमेंट का अधिकार पंचायत के पास हो

– राष्ट्रीय सरपंच संघ की सरकार से मांग

भोपाल। प्रदेश में सरपंचों का कार्यकाल 4 साल का होने वाला है, लेकिन गांवों के विकास को लेकर सरपंचों में नाराजगी है। उनका कहना है कि बजट की कमी और सरकारी नियमों की उलझनों की वजह से वे जनता की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पा रहे हैं। इसी गुस्से को लेकर राष्ट्रीय सरपंच संघ ने सरकार के सामने अपनी मांग रखी है। उनका कहना है कि मनरेगा पेमेंट का अधिकार पंचायत के पास हो। सरपंच संघ के अध्यक्ष मनोज सोलंकी का कहना है कि पंचायतों को उनके हक मिलने चाहिए। उनकी सबसे बड़ी मांग यह है कि मनरेगा का पेमेंट करने वाला अधिकार (डीएससी) जनपद ऑफिस के बजाय सीधे पंचायत के पास हो।

28 उम्मीदवारों पर 2 साल का लगा प्रतिबंध

- चुनावी खर्च रिपोर्ट छुपाना पड़ा भारी

भोपाल। राज्य निर्वाचन आयोग ने नगरीय निकाय चुनावों में खर्च का ब्यौरा समय पर जमा न करने वाले उम्मीदवारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए 28 उम्मीदवारों को 2 वर्ष के लिए चुनाव लड़ने के अयोग्य घोषित कर दिया है। आयोग ने पहले ही स्पष्ट निर्देश जारी कर दिए थे कि चुनाव परिणाम घोषित होने के30 दिनों के अंदर सभी उम्मीदवारों को अपना खर्च का ब्यौरा आयोग को जमा करना अनिवार्य है। लेकिन इन 28 उम्मीदवारों ने इस दिशा-निर्देश की अनदेखी की, जिसके चलते अब उन्हें अगले नगरीय निकाय चुनाव में भाग लेने की अनुमति नहीं मिलेगी।

राज्य निर्वाचन आयोग की सख्ती से प्रभावित उम्मीदवारों में नगर पालिका परिषद विदिशा के 3 उम्मीदवार रोहित मोहन सिंह, धीरज सोनी और राहुल रक्षाकर शामिल हैं। वहीं नगर पालिका कानपुर के 6 उम्मीदवार अमित पाल, राम राज, सीमा बहिन, कोमल प्रसाद अहिरवार, चंद्र प्रकाश और संजीव कुमार, नगर परिषद लटेरी के 4 उम्मीदवार नारन सहरिया, सरोज बाई, नीतू सक्सेना और गीता अहिरवार, नगर पालिका कुरवाई के 15 उम्मीदवार रोशन जहां, कमलबाई, बनवारी बागड़ी, नीतू अहिरवार, सरोज राकेश सप्रे, इदरीश खां, फेमिदा बी, मंजू, इसके अलावा अन्य और उम्मीदवार शामिल है। राज्य निर्वाचन आयोग के इस कड़े फैसले से उम्मीदवारों में सख्ती का संदेश गया है। आयोग का कहना है कि चुनावी प्रक्रिया को पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए खर्च के ब्यौरे की समीक्षा बेहद जरूरी है।

पीने के पानी के लिए हैंडपंपों पर निर्भर बड़ी आबादी

भोपाल के गांवों में अधिकांश नलजल योजनाएं पड़ी अधूरी

भोपाल। मप्र में गर्मी का दौर शुरू होते ही जल संकट पैर पसारने लगा है। भाजपा जिले के गांवों में नलजल योजनाएं अधूरी पड़ी हैं। इस कारण बड़ी आबादी पीने के पानी के लिए हैंडपंपों पर निर्भर है। जानकारी के अनुसार, भोपाल जिला पंचायत के 475 गांवों में भीषण गर्मी के दौरान पेयजल संकट खड़ा होने लगा है, लेकिन पीएचई और जल निगम के जिम्मेदार अधिकारियों ने गांवों में पेयजल आपूर्ति को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई है। यही कारण है कि इन गांवों में पीने के पानी के लिए हैंडपंपों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। इन गांवों में 121 नलजल योजनाएं अधूरी पड़ी हैं और जहां योजना संचालित हो रही हैं, वहां 17 हजार से अधिक परिवारों को कनेक्शन नहीं दिए गए हैं।

जानकारी के अनुसार, जिले में तीन हजार से अधिक हैंडपंप का भी जलस्तर कम होने लगा है। जिन 300 से अधिक गांवों में पानी की किल्लत हो रही है, वहां अधिकतर हैंडपंपों में बीस फीट तक पाइप

बढ़ाए गए हैं। जानकारी के अनुसार 475 गांवों में 98 हजार 128 परिवार रहते हैं, जिनमें पेयजल आपूर्ति करने की जिम्मेदारी पीएचई और जल निगम को दी गई है। इन परिवारों में से 17 हजार 555 परिवार ऐसे हैं, जिनको अब तक नल कनेक्शन तक नहीं दिए गए हैं। जबकि 261 गांवों में नलजल योजना से पानी दिया जा रहा है, जिसमें 86 योजनाएं बंद पड़ी हैं और 121 नलजल योजनाएं अब तक अधूरी पड़ी हैं।

निजी ट्यूबवेलों का सहारा और ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति

ग्राम पंचायत कनेरा में नलजल योजना अधूरी पड़ी होने की वजह से गांव के लोगों को पानी नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में जिला पंचायत उपाध्यक्ष मोहन जाट ने अपने निजी ट्यूबवेल से 100 से ज्यादा घरों में पाइप से कनेक्शन दिए हैं, जिससे इन परिवारों को पानी मिल पा रहा है। उन्होंने बताया कि पानी की किल्लत को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में दो दर्जन निजी ट्यूबवेलों का अधिग्रहण किया जाएगा। गांवों में पानी की आपूर्ति अब हैंडपंपों पर निर्भर हो गई है, जबकि कुछ गांवों में निजी ट्यूबवेलों से पानी की आपूर्ति की जा रही है। करीब चार हजार 92 हैंडपंप में से तीन हजार 828 पानी दे रहे हैं। इनका जलस्तर गिरने की वजह से पाइप बढ़ाकर काम चलाना पड़ रहा है, जबकि 264 हैंडपंप पूरी तरह से बंद हो गए हैं।

आज होगा सीएसके और दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स की टीम आईपीएल में मंगलवार को अपने घरेलू मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। दिल्ली का लक्ष्य जीत के साथ ही प्लेऑफ के लिए अपनी उम्मीदें बनाये रखना रहेगा। दिल्ली ने अब तक खेले गए नौ मैचों में से चार में जीत हासिल की है जबकि उसे पांच में हार का सामना करना पड़ा है और वह अंक तालिका में सातवं स्थान पर है। वहीं दूसरी ओर सीएसके ने अबतक नौ मैचों में चार जीत हासिल की है और वह भी 6 अंक लेकर छठे स्थान पर है। नेट रन रेट बेहतर होने के कारण वह दिल्ली से अंक तालिका में ऊपर है।

पिछले मैच में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मिली जीत से भी सीएसक टीम उत्साहित है। उसके कप्तान रुतुराज गायकवाड़ भी फार्म में आ गये हैं जिससे टीम की बल्लेबाजी मजबूत हुई है। टीम के पास संजू सैमसन जैसा बल्लेबाज भी है। सैमसन ने अब तक दो शतक लगाये हैं। जहां तक गेंदबाजी की बात है दोनो ही टीमों के पास अच्छे गेंदबाज हैं। दिल्ली के पास मिचेल स्टार्क के अलावा कुलदीप यादव और टी नटराजन जैसे गेंदबाज हैं। वहीं सीएसके के पास अंशुल कंबोज और मुकेश चौधरी व नूर अहमद हैं। अक्षर पटेल की कप्तानी वाली दिल्ली कैपिटल्स की बल्लेबाजी केएल राहुल के अलावा ट्रिस्टन स्टब्स और पथुम निसांका पर आधारित रहेगी। दोनो ही टीमों के बीच अबतक 32 मुकाबले हुए है, इनमें से दिल्ली कैपिटल्स ने 12 जबकि चेन्नई सुपर किंग्स ने 20 मैच जीते हैं।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह

चेन्नई सुपर किंग्स- रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान),संजू सैमसन (विकेटकीपर), उर्विल पटेल, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, जेमी ओवरटन, रामकृष्ण घोष, प्रशांत वीर, नूर अहमद, अंशुल कंबोज और मुकेश चौधरी
इम्पैक्ट प्लेयर- कार्तिक शर्मा

दिल्ली कैपिटल्स
अक्षर पटेल (कप्तान),के एल राहुल (विकेटकीपर), पथुम निसांका, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, नितीश राणा, आशुतोष शर्मा, काइल जैमीसन, मिचेल स्टार्क, कुलदीप यादव और टी नटराजन
इम्पैक्ट प्लेयर- आशुतोष शर्मा

आरसीबी को झटका, चोटिल होने के कारण इंग्लैंड वापस गये सॉल्ट

मुम्बई। आईपीएल में मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेल रहे इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट चोटिल होने के कारण स्वदेश लौट गये हैं। माना जा रहा है कि सॉल्ट उंगली में लगी चोट की जांच और इलाके लिए अपने घर गये हैं। साल्ट के स्वदेश लौटने से आसीबी की बल्लेबाजी प्रभावित हुई है। इससे उनकी टीम आरसीबी की खिताब बचाने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सॉल्ट को यह चोट दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में लगी थी। बाउंड्री लाइन के पास एक शॉट लगाते समय उनकी बाएं हाथ की उंगली में काफी चोट आई थी। जिसके बाद से ही वह खेल से दूर हैं। चोट इतनी गंभीर हैं कि फ्रेंचाइजी को उन्हें जांच और इलाके लिए स्वदेश भेजना पड़ा।

आरसीबी ने अभी तक सॉल्ट की चोट की गंभीरता और उनके इंग्लैंड रवाना होने को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया है, जिससे भी प्रशंसक साल्ट की वापसी को लेकर आशंकित हैं। सॉल्ट के बाहर होने से उनकी जगह पर इंग्लैंड के ही युवा बल्लेबाज जैकब बेथेल को शीर्ष क्रम में अवसर मिला है। इस सत्र में साल्ट ने 6 पारियों में 168.33 के शानदार स्ट्राइक रेट से कुल 202 रन बनाए थे। उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी ने विपक्षी गेंदबाजों पर दबाव बनाया था और टीम के मध्यक्रम के लिए एक मजबूत मंच तैयार किया था। उनकी अनुपस्थिति में टीम की शुरुआत धीमी पड़ रही है, जिसका सीधा असर कुल स्कोर पर दिख रहा है।रिपोर्ट के अनुसार, सॉल्ट और टीम मैनेजमेंट दोनों को उम्मीद है कि वह इस महीने के अंत तक भारत लौटकर टीम के साथ जुड़ सकते हैं, बशर्ते उनकी चोट की स्थिति में सुधार हो।

सनराइजर्स के खिलाफ मैच में चोटिल हुए वरुण

हैदराबाद। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती के अच्छे प्रदर्शन से कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने सनराइजर्स हैदराबाद को हरा दिया हालांकि इस मैच में वरुण के चोटिल होने से टीम को करारा झटका भी लगा है। वरुण को गेंदबाजी करते समय पैर में चोट लग गई। इस घटना के बाद से उनका आगे के सत्र में खेलना संदिग्ध नजर आ रहा है। वहीं वरुण ने उम्मीद जतायी है कि वह कुछ ही दिनों में ठीक हो जाएंगे। वरुण मैच में पहली पारी के 12वें ओवर की पहली ही गेंद पर चोटिल हो गये। सनराइजर्स के बल्लेबाज ईशान के शॉट को रोकने के प्रयास में वरुण को ये चोट लगी। वरुण ने पैर से बाउंड्री रोकने का प्रयास किया और इस दौरान गेंद उनके पैर में लग गयी हालांकि इसके बाद भी वह मैदान पर ही रहे।

पीएसएल जीत से उत्साहित बाबर बोले, तीनों प्रारुप खेलूंगा

लाहौर। पाकिस्तान सुपर लीग में अपनी टीम के खिताब जीतने से उत्साहित अनुभवी बल्लेबाज बाबर जाने ने कहा है कि अभी वह तीनों ही प्रारुप खेलते रहेंगे और उनके किसी भी एक प्रारुप को छोड़ने की कोई संभावना नहीं है। आजम ने इसी के साथ ही उनके किसी एक प्रारुप से संन्यास की अटकलों पर भी विराम लगा दिया। वहीं लंबे समय से यह चर्चा जोरों पर थी कि बाबर अपने करियर को बढ़ाने के लिए किसी एक फॉर्मेट से संन्यास ले सकते हैं, लेकिन उन्होंने इन सभी संभावनाओं को खारिज कर दिया। बाबर ने कहा, परेशान न हों, मैं तीनों प्रारुप खेलूंगा। बाबर के इस बयान से साफ है कि उन्हें अब पाक टीम में वापसी का अवसर मिल सकता है। पिछले काफी समय से उनकी धीमी बल्लेबाजी पर सवाल उठते रहे हैं। यही वजह थी कि उनके टी20 करियर को लेकर तरह-तरह की बातें शुरू हो गई थीं, जिसमें फॉर्मेट छोड़ने की अटकलें प्रमुख थीं। हालांकि, इन आलोचनाओं के बीच बाबर ने पाकिस्तान सुपर लीग 2026 में जबरदस्त वापसी की। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए 11 पारियों में कुल 588 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 73.50 और स्ट्राइक रेट 145.90 रहा। इस दौरान बाबर ने दो शानदार शतक और तीन अर्धशतक लगाये। बाबर ने जोर दिया कि एक खिलाड़ी को सभी प्रारुप खेलने चाहिए। उन्होंने तर्क दिया, यह एक खिलाड़ी का काम है कि वह हर फॉर्मेट में अपनी टीम के लिए उपलब्ध रहे। साथ ही कहा कि टेस्ट प्रारुप आपको धैर्य और लंबी पारी खेलने की कला सिखाता है।।। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि टेस्ट क्रिकेट से मिलने वाला अनुभव न केवल टेस्ट मैचों में बल्कि टी20 और एकदिवसीय जैसे सीमित ओवरों के प्रारूपों में भी एक खिलाड़ी को बेहतर बनाता है। पीएसएल की सफलता के बाद अब बाबर का अगला ध्यान टेस्ट क्रिकेट पर है। पाकिस्तानी टीम जल्द ही बांग्लादेश के दौरे पर दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलेगी। यह श्रृंखला आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 का महत्वपूर्ण हिस्सा होगी, और बाबर इसमें अपनी टीम के लिए अहम भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार दिख रहे हैं।

विश्व एथलेटिक्स 2026 : रागुल, नित्या सहित भारतीय रिले टीम ने बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

गाबोरोन। बोत्सवाना में हुए विश्व एथलेटिक्स 2026 भारतीय एथलेटिक्स में भारतीय टीम क्वालीफाई नहीं कर पाने के बाद भी एक रिकार्ड बनाने में सफल रही । इसमें शामिल पांचों भारतीय टीमें अपने-अपने वर्ग में क्वालिफिकेशन नहीं कर पायीं पर 4 गुणा 400 मीटर में भारत की र रिले टीम ने एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड जरुर बनाया। भारतीय रिले टीम में रागुल कुमार, नित्या गांधे, अनिमेश कुजूर और स्नेहा सत्यनारायण शनुवल्ली शामिल थे। इस चारों ने शानदार तालमेल और गति का प्रदर्शन करते हुए 41.35 सेकंड का समय निकाला। इससे ये हीट में छठे स्थान पर रहे और क्वावलीफाई नहीं कर पाये पर 42.30 सेकंड के पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ने में जरुर सफल रहे। यह प्रदर्शन भारतीय रिले एथलेटिक्स के भविष्य लिए सकारात्मक कदम है, जो आगामी प्रतियोगिताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकता है और युवा एथलीटों को बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। वहीं अन्य रिले टीमों का प्रदर्शन हालांकि उतना प्रभावशाली नहीं रहा। मिश्रित 4 गुणा 400 मीटर रिले में भारत की दूसरी टीम अपनी हीट में ही पांचवें स्थान पर रही। वहीं, पुरुषों की 4 गुणा 400 मीटर रिले टीम दौड़ पूरी नहीं कर सकी। इसका कारण ये रहा कि अनुभवी धावक आमोज जैकब को दौड़ के बीच में ऐंठन का सामना करना पड़ा। वहीं महिला 4 गुणा 400 मीटर टीम अपनी हीट में अंतिम स्थान पर रही, जबकि पुरुषों की गुणा 400 मीटर टीम को बैटन बदलने के दौरान हुई गलती के कारण अयोग्य करार दिया गया।

एकजुट होकर प्रदर्शन करने से गुजरात टाइटंस को मिल रही सफलता - होल्डर

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस के ऑलराउंडर जेसन होल्डर ने आईपीएल में पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली जीत पर उत्साहित होते हुए कहा है कि हमारी सफलता का कारण एक ईकाई के तौर पर खेलना रहा है। आईपीएल के इस मुकाबले में गुजरात ने अंक तालिका में नंबर एक पर चल रही पंजाब किंग्स को 4 विकेट से हरा दिया। होल्डर ने इस मैच में 4 ओवर में ही केवल 24 रन देकर 4 विकेट लिए और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

होल्डर ने कहा कि टीम की सफलता का सबसे बड़ा कारण उसका एकजुट होकर खेलना रहा है। टीम किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है। उन्होंने कहा, यही हमारी टीम का टेम्पलेट रहा है। हमारे पास मजबूत खिलाड़ी हैं और हर मुकाबले में अलग-अलग खिलाड़ी आगे आकर अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि टीम किसी एक स्टार खिलाड़ी पर निर्भर नहीं करती, बल्कि हर मैच में एक नया हीरो सामने आता है। इसी से टीम अब तक टिकी हुई है।

होल्डर ने साथ ही कहा, हमने अभी तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी नहीं किया है, फिर भी हम जीत हासिल कर रहे हैं। यह बयान टीम की गहराई और क्षमता को दर्शाता है। उनके अनुसार, टीम अभी अपनी क्षमता के शिखर पर नहीं पहुंची है, लेकिन इसके बावजूद लगातार जीत दर्ज कर रही है, जो उनके लिए सबसे बड़ा सकारात्मक पहलू है। यह दिखाता है कि टीम में न केवल गहराई है, बल्कि संतुलन भी मजबूत है, जिससे वे दबाव में भी बेहतर प्रदर्शन कर पा रहे हैं।

इस महत्वपूर्ण जीत के साथ गुजरात टाइटंस की स्थिति अंक तालिका में और बेहतर हुई है। टीम अब तक 10 मुकाबले खेल चुकी है, जिसमें से उसने 6 में जीत हासिल की है और 4 में उसे हार का सामना करना पड़ा है। 12 अंकों के साथ गुजरात टाइटंस अंक तालिका में पांचवें स्थान पर आ गई है। अब गुजरात टाइटंस अपने अगले मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स का सामना करेगी। यह मैच 9 मई को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेला जाएगा।

रहाणे ने जीत का श्रेय गेंदबाजों को दिया, वरुण ने अच्छी गेंदबाजी की

हैदराबाद। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान आजिंक्य रहाणें ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली 7 विकेट से जीत का श्रेय गेंदबाजों को दिया है। रहाणे ने कहा कि हमारे गेंदबाजों विशेषकर वरुण चक्रवर्ती ने काफी सटीक गेंदबाजी कर करते हुए सनराइजर्स के बल्लेबाजों को खेलने का कोई अवसर नहीं दिया।

केकेआर के गेंदबाजों ने इस मैच में अच्छा प्रदर्शन करते हुए सनराइजर्स के बल्लेबाजों को 19 ओवर में ही 165 रनों पर समेट दिया था। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने अपने चार ओवर में केवल 36 रन देकर तीन अहम विकेट लिए, वहीं अनुभवी सुनील नारायण ने 31 रन देकर दो विकेट लिए। इन दोनों गेंदबाजों ने मिलकर सनराइजर्स के बल्लेबाजों पर अंकुश लगा दिया। ये गेंदबाज नियमित अंतराल पर विकेट लेते रहे। इसके बाद लक्ष्य का पीछा रते हुए कोलकाता ने 10 गेंद पहले ही मुकाबला जीत लिया।

रहाणे ने उम्मीद जतायी कि इस जीत से उनकी टीम टूर्नामेंट में टिकी रह सकती है। उन्होंने कहा, यह एक अच्छा मैच रहा और जिस तरह से हमने गेंदबाजी में वापसी की, वह शानदार था। एक समय ऐसा लग रहा था कि वे 190-200 रन बना लेंगे, और उस लक्ष्य का पीछा करना कठिन होगा पर हमारे गेंदबाजों ने उन्हें रोक दिया। । रहाणे ने पिछले कुछ मैचों में गेंदबाजों के निरंतर प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा, हमारी गेंदबाजी इकाई पिछले पांच-छह मैचों में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इसका श्रेय हमारे गेंदबाजी कोच ड्वेन ब्रावो और टिम साउदी को जाता है, जिन्होंने खिलाड़ियों को सही मार्गदर्शन दिया है। इस मैच में शानदार प्रदर्शन के लिए वरुण चक्रवर्ती को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। यह लगातार चौथा मैच था जिसमें उन्होंने कम से कम दो विकेट हासिल किए।

इंटर मिलान ने परमा को हराकर सीरी ए फुटबॉल खिताब जीता

मिलान। इटली के प्रतिष्ठित फुटबॉल क्लब इंटर मिलान ने यहां शानदार प्रदर्शन करते हुए सीरी ए खिताब टूर्नामेंट जीत लिया है। इंटर मिलान ने तय मैचों से तीन मैच पहले ही यह खिताब अपने नाम कर लिया। परमा क्लब को 2-0 से हराकर मिली जीत के साथ ही एक अंक हासिल कर उसने खिताब पर कब्जा कर लिया। इस जीत से टीम के प्रशंसकों में उत्साह की लहर है।

ये खिताब जीतने के लिए इंटर मिलान को केवल एक ड्रॉ की आवश्यकता थी पर टीम ने जीत दर्ज कर ये खिताब धमाकेदार तरीके से अपने नाम किया। इस जीत के साथ, इंटर मिलान ने दूसरे स्थान पर कायम नापोली पर 12 अंकों की एक अजेय बढ़त हासिल कर ली थी। यह इंटर मिलान का कुल 21वां सीरी ए खिताब है। इससे वह इटली के सबसे सफल फुटबॉल क्लबों में से एक बना है। वहीं सबसे अधिक खिताब जीतने वाली टीमों की सूची में वे क्लब दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

निर्णायक मुकाबले में इंटर मिलान की शुरुआत अच्छी रही। टीम ने मैच के पहले हाफ में ही मार्कस थुरम के गोल से बढ़त हासिल कर ली। मैच के अंतिम पलों में, अनुभवी मिडफील्डर हेनरिक मिखितारियन ने 80वें मिनट में दूसरा गोल कर इंटर मिलान की जीत तय कर दी। जिससे उसके प्रशंसकों को जश्न मनाने का पूरा अवसर मिल गया।

पूरे सीजन में इंटर मिलान का प्रदर्शन असाधारण रहा है। टीम ने निरंतरता, दृढ़ संकल्प और बेहतरीन रणनीतिक खेल का प्रदर्शन किया, जिसने उन्हें बाकी टीमों से मीलों आगे खड़ा कर दिया। मजबूत रक्षा पंक्ति और आक्रामक आक्रमण रणनीति का बेहतरीन संतुलन इस सीजन उनकी सफलता का मुख्य कारण रहा

अब इंटर मिलान ही इटालियन कप के फाइनल में लाज़ियो को हराने उतरेगी। अगर इंटर मिलान इस मुकाबले में भी विजयी रहता है, तो वे इस सीजन में दोहरी ट्रॉफी जीतने का अपना सपना पूरा कर सकते हैं।

सिराज ने बनाया रिकार्ड

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में यहां पंजाब किंग्स के खिलाफ सिराज ने पहले ही ओवर में दो विकेट लेकर एक बड़ा रिकार्ड बना दिया। इसी के साथ ही सिराज आईपीएल मैच के पहले ही ओवर में दो विकेट लेने वाले गुजरात टाइटंस के पहले गेंदबाज बने हैं। गुजरात ने इस मैच में पंजाब को आसानी से हरा दिया हालांकि इसके बाद भी पंजाब की टीम शीर्ष पर बरकरार है।

सिराज ने पहले पंजाब किंग्स के सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य विकेट लिया, वहीं इसके बाद कूपर कॉनॉली को भी शून्य पर ही पेवेलियन भेज दिया। अपने इस प्रदर्शन से

सिराज आईपीएल 2026 में पहले ही ओवर में विकेट लेने वाले प्रमुख गेंदबाजों में शामिल हो गये हैं। वहीं इस सत्र के शुरुआती ओवरों में सबसे अधिक विकेट लेने वाले खिलाड़ियों में जोफा आर्चर 5 विकेट के साथ नंबर एक पर हैं, जबकि मोहम्मद सिराज 3 विकेट दूसरे नबर पर हैं।

इस मैच में सिराज के साथ जेसन होल्डर और कगिसो रबाडा शामिल ने पंजाब किंग्स के बल्लेबाजों पर दबाव बनाते हुए 20 ओवरों में 9 विकेट पर 163 रनों पर ही रोक दिया। सिराज के पहले ओवर में दो विकेट के बाद होल्डर की सटीक गेंदबाजी के कारण पंजाब की शुरुआत बेहद खराब रही, और टीम ने नौ ओवर में ही 47 रन पर पांच विकेट खो दिये। इसके बाद, शेडगे ने मार्कस स्टोइनिस 40 रनों के साथ ही 79 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी कर टीम को संभाला।

बाबर की पेशावार जल्मी ने हैदराबाद किंग्समेन को हराकर दूसरी बार पीएसएल खिताब जीता

लाहौर। बाबर आजम की टीम पेशावर जल्मी ने यहां गद्दाफी स्टेडियम में खेले पीएसएल के फाइनल मुकाबले में हैदराबाद किंग्समेन को पांच विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया है। जल्मी टीम ने इसी के साथ ही दूसरी बार पीएसएल जीता है। साल 2017 में टीम ने पहली बार ट्रॉफी जीत थी। बाबर पहले भी दो बार पीएसएल विजेता टीम में रहे हैं पर कप्तान के तौर पर ये उनकी पहली जीत रही है। बाबर की टीम ने फाइनल में आरोन हार्डी की किंग्समेन को हरा दिया। किंग्समेन की टीम 18 ओवर में 129 रन ही बना पायी। साइम अयूब ने 54 रन बनाये पर उन्हें किसी का साथ नहीं मिला।

इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए पेशावर की टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। उसने 40 रन पर 4 विकेट खो दिये। आजम पहली ही गेंद पर आउट हो गये।

पंजाब किंग्स को हराकर पांचवे नंबर पर पहुंची गुजरात, मुम्बई हुई बाहर

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में पंजाब किंग्स को हराकर अपनी प्लेऑफ की संभावनाएं बनाये रखी हैं। गुजरात अब पांचवें स्थान पर पहुंच गयी है। वहीं मुम्बई इंडियंस की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। पंजाब की टीम हार के बाद भी नंबर एक पर बनी हुई है। गुजरात टाइटंस ने पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में साई सुदर्शन की 57 रनों की आक्रामक पारी से जीत हासिल की। गुजरात की गेंदबाजी भी हावी रही और उसने पंजाब को 163 रन ही बनाने दिये। इसके बाद जीत का लक्ष्य हासिल करने उतरी टाइटंस के लिए सुदर्शन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को अहम जीत दिलाई। अंक तालिका में पंजाब किंग्स नंबर एक पर बनी रही।

वहीं पंजाब किंग्स 9 मैचों में 6 जीत, 2 हार और एक मैच का

परिणाम नहीं निकलने कारण 13 अंक लेकर शीर्ष पर बनी हुई है। वहीं, गुजरात टाइटंस, इस जीत के बाद 10 मैचों में 6 जीत दर्ज करते हुए 12 अंक लेकर अंक तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गयी है। अंक तालिका में दूसरे स्थान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु है, जिसने पंजाब जितने ही 9 मैच खेलकर 6 जीत और 3 हार के साथ 12 अंक हासिल किए हैं। इसके बाद सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स भी 12 अंकों के साथ ही तीसरे और चौथे स्थान पर बरकरार हैं। वहीं हैदराबाद ने 10 मैच खेले हैं और रॉयल्स को भी इतने ही मैचों में जीत मिली है। इन तीनों टीमों के बीच नेट रन रेट के आधार पर कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है, जो प्लेऑफ की दौड़ को और भी दिलचस्प बना रही है।

मध्य तालिका में चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स दोनों ने 9 मैच खेलकर 4 जीत दर्ज की हैं और 8 अंकों के साथ छठे व सातवें स्थान पर हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स ने 9 में से 3 मैच जीतकर 6 अंक हासिल किए हैं और आठवें स्थान पर है।

वहीं अंक तालिका में मुम्बई इंडियंस 9 मैचों में सिर्फ 2 जीत के साथ ही 4 अंक हैं और वह नौवें स्थान पर हैं। मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए, मुंबई के लिए प्लेऑफ की रेस अब लगभग समाप्त हो चुकी है।वहीं सबसे निचले स्थान पर लखनऊ सुपर जायंट्स है, जिसने 8 मैचों में केवल 2 जीत दर्ज की हैं और उसके भी 4 ही अंक हैं।

फिर पाक टीमी की कप्तानी संभालने तैयार हूं -बाबर आजम

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम ने कहा है कि टीम को जरुरत होगी तो वह आने वाले समय में एक बार फिर कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार हैं। आजम ने कहा कि टीम हित उनके लिए सबसे पहले है और वह इसके लिए कुछ भी कर सकते हैं। पाक सुपर लीग में आजम का प्रदर्शन अच्छा रहा है। जिससे वह उत्साहित हैं ओर भविष्य में राष्ट्रीय टीम की कप्तानी दोबारा संभालने की संभालने तैयार हैं। यह बयान उन अटकलों के बीच आया है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) उन्हें एक बार फिर टीम की कमान सौंपने पर विचार कर सकता है। बाबर ने आखिरी बार 2024 टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की कप्तानी की थी। उन्होंने 2020 से 2023 तक सभी प्रारूपों में टीम की कप्तानी की थी, जिसके बाद 2023 एकदिवसीय विश्व कप के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद उन्होंने यह जिम्मेदारी छोड़ दी थी। हालांकि, उन्हें 2024 टी20 विश्व कप के लिए फिर से राष्ट्रीय टी20 कप्तान नियुक्त किया गया था। उस टूर्नामेंट में पाकिस्तान के रुप चरण से बाहर होने के बाद उन्हें कप्तानी से हटा दिया गया, जिससे उनकी कप्तानी की यात्रा उतार-चढ़ाव भरी रही है।उनका मानना है कि खेल का आनंद लेना और बुनियादी बातों पर टिके रहना महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा, चाहे मैं अच्छा खेलूं या न खेलूं, आलोचना तो होती ही है, इसलिए मैं इसके बारे में कुछ नहीं कर सकता। बाबर ने पीएसल को युवा प्रतिभाओं के लिए एक मंच भी बताया, और जोर दिया कि इन उभरते हुए खिलाड़ियों को उचित मार्गदर्शन और प्रशिक्षण की आवश्यकता है ताकि वे राष्ट्रीय टीम के लिए तैयार हो सकें।

बीसीसीआई अब आईपीएल में क्रिकेटरों की गर्लफ्रेंड्स के रहने को लेकर सख्त नियम बनाने जा रहा

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खिलाड़ियों की गर्लफ्रेंड्स के रहने को लेकर सख्त नियम बनाने जा रहा है। बीसीसीआई ये कदम मुख्य रूप से भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों को रोकने, खिलाड़ियों की आचार संहिता को बनाए रखने और उनकी छवि को देखते हुए उठा रहा है।

जहां भारतीय टीम के विदेशी दौरों के दौरान खिलाड़ियों की पत्नियों और परिवार के सदस्यों के साथ रहने को लेकर पिछले साल बोर्ड ने सख्त नियम बनये थे, वहीं आईपीएल में इस प्रकार के कोई नियम नहीं है जिसका लाभ खिलाड़ी उठा रहे हैं। ।

आईपीएल में खिलाड़ियों की यात्रा और ठहरने की व्यवस्था की जिम्मेदारी आमतौर पर टीम मालिकों की होती है पर बोर्ड के पास इसमें हस्तक्षेप के अधिकार हैं। पिछले कुछ सत्र में कई खिलाड़ी अपनी गर्लफ्रेंड्स के साथ यात्रा करते और होटलों में रुकते देखे गए हैं, जिससे बोर्ड नाराज हैं। बीसीसीआई इसलिए भी परेशान है क्योंकि कुछ खिलाड़ियों की गर्लफ्रेंड्स पर बेटिंग ऐप्स के लिए काम करने का संदेह है। यह भ्रष्टाचार रोधी नियमों के उल्लंघन के साथ ही खेल की अखंडता के लिए खतरा है। इसके अतिरिक्त, कई युवा भारतीय क्रिकेट खिलाड़ियों की गर्लफ्रेंड्स सोशल मीडिया पर इन्फ्लुएंसर हैं और अपने पेज पर विभिन्न प्रोडक्ट्स, जिनमें बेटिंग ऐप्स और शराब ब्रांड्स भी शामिल हैं, का प्रचार करती हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांसजेंडर एक्ट संशोधन पर केंद्र-राज्यों को नोटिस दिया

सेल्फ आइडेंटिफिकेशन खत्म करने का आरोप, सुप्रीम कोर्ट ने 6 हफ्ते में जवाब मांगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन अधिनियम, 2026 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर केंद्र सरकार और सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को नोटिस जारी किया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाल्य बागची की बेंच ने इस मामले पर छह सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। अब इस मामले की सुनवाई तीन जजों की बेंच करेगी।

सुनवाई की शुरुआत में याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने संशोधन पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि यह संशोधन ट्रांसजेंडर व्यक्तियों से सेल्फ आइडेंटिफिकेशन (अपनी पहचान खुद तय करने) का अधिकार छीनता है। सिंघवी ने तर्क दिया कि यह 2014 के ऐतिहासिक जजमेंट के खिलाफ है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने खुद की लैंगिक पहचान चुनने

को मौलिक अधिकार घोषित किया था।

क्या लोग फर्जी पहचान बनाकर फायदा नहीं उठाएंगे?

सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने सेल्फ आइडेंटिफिकेशन के अधिकार को लेकर कुछ चिंताएं जताईं। उन्होंने पूछा, क्या इससे कोई खतरा पैदा नहीं होता? क्या ऐसे लोग नहीं हो सकते जो ट्रांसजेंडर होने का दिखावा करें ताकि उन्हें इस समुदाय के लिए तय आरक्षण या विशेषाधिकारों का लाभ मिल सके? इस पर सिंघवी ने जवाब दिया कि उनकी जानकारी के अनुसार ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए अभी कोई आरक्षण लागू नहीं है, इसलिए गलत इस्तेमाल की संभावना नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि अगर 0.01 प्रतिशत मामलों में दुरुपयोग की गुंजाइश है भी, तो इसके आधार पर बहुसंख्यक समुदाय के आर्टिकल 21 (जीवन और गरिमा का अधिकार) के अधिकार को सस्पेंड नहीं किया जा सकता।

मेडिकल बोर्ड की सिफारिश अब जरूरी होगी

जस्टिस बागची ने इस दौरान टिप्पणी की कि विधायिका किसी फैसले के आधार को बदल सकती है। नए संशोधन के बाद अब ट्रांसजेंडर पहचान के लिए व्यक्ति की अपनी इच्छा के बजाय कि मेडिकल इवैल्यूएशन यानी डॉक्टरी जांच को आधार बनाया गया है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट अब मेडिकल बोर्ड की सिफारिश के बाद ही पहचान पत्र जारी करेंगे, जो निजता और गरिमा के अधिकार का उल्लंघन है।

अभी लागू नहीं हुआ है एक्ट

एक पक्ष हर्ष असद ने बेंच को बताया कि यह एक्ट अभी लागू नहीं हुआ है क्योंकि केंद्र ने इसे नोटिफाई नहीं किया है। उन्होंने दलील दी कि याचिकाएं समय से पहले दाखिल की गई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि समुदाय के कुछ लोग सरकार के साथ बातचीत कर रहे हैं ताकि इस संशोधन को लागू न किया जाए, और कोर्ट का नोटिस उस प्रक्रिया में बाधा डाल सकता है। कोर्ट ने फिलहाल किसी भी तरह का अंतरिम आदेश देने से इनकार कर दिया क्योंकि कानून अभी प्रभावी नहीं हुआ है।

लालू परिवार को राबड़ी आवास खाली करने का अल्टीमेटम : सरकार ने दिया 15 दिन का समय

पटना। बिहार की राजनीति में एक बड़ी हलचल सामने आई है, जहाँ सम्राट सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और उनके परिवार को पटना के 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास राबड़ी आवास खाली करने के लिए 15 दिनों का समय दे दिया है। यह वहीं आवास है जहाँ पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव रहते हैं।

सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, सम्राट सरकार ने पहले भी करीब एक साल पहले 25 नवंबर को आवास खाली करने का आदेश दिया था, लेकिन लालू परिवार की ओर से अब तक आवास खाली नहीं किया गया। इसके बाद अब सम्राट सरकार ने सख्त रुख दिखाकर अंतिम चेतावनी दी है। भवन निर्माण विभाग के अधिकारियों द्वारा जारी नोटिसों में राबड़ी देवी के अलावा, हाल ही में चुनाव हार चुके कई पूर्व विधायकों को भी सरकारी बंगले खाली करने को कह दिया गया है। बताया जा रहा है कि लालू परिवार करीब 20 वर्षों से 10 सर्कुलर रोड स्थित आवास में रह रहा था। भवन निर्माण विभाग ने राबड़ी देवी को पहला नोटिस तब जारी किया था जब उन्हें बिहार विधान परिषद के आवासन के लिए पटना के 39 हार्डिंग रोड पर एक नया आवास आवंटित किया गया था। इस घटनाक्रम पर लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस सुशासन बाबू का विकास मॉडल बताकर लालू प्रसाद का अपमान करार दिया और लिखा, घर से निकल सकते हो, बिहार की जनता के दिल से कैसे निकालिएगा। हालाँकि, इस पूरे मामले पर अभी तक सरकार या संबंधित विभाग की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है, जिससे राजनीतिक गलियारों में अटकलें और तेज हो गई हैं।

चुनाव नतीजों के बाद सुरक्षा बल बंगाल में तैनात रहेंगे या नहीं? 11 को होगी सुनवाई

-आयोग ने कहा- मतदान-मतगणना के बाद इस मुद्दे पर उसका कोई अधिकार नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया है कि वह 11 मई को पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद संभावित हिंसा की आशंका के मद्देनजर केंद्रीय बलों की तैनाती जारी रखने के निर्देश देने वाली याचिका पर विचार करेगा। याचिकाकर्ताओं के वकील ने उल्लेख किए जाने पर सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने पहले कहा कि याचिकाकर्ता कलकत्ता हाईकोर्ट का रुख कर सकते हैं और ऐसे निर्णय राज्य कार्यपालिका द्वारा लिए जाने हैं।

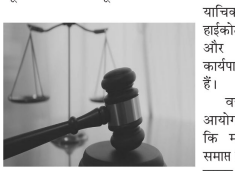

वहीं भारत निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया कि मतदान और मतगणना समाप्त होने के बाद इस मुद्दे पर उसका कोई अधिकार नहीं है। पक्षों को संक्षिप्त रूप से सुनने के बाद कोर्ट ने संकेत दिया कि वह 11 मई को इस मुद्दे पर विचार कर सकता है। इस बीच मतगणना के रुझानों के मुताबिक बीजेपी पश्चिम बंगाल में पहली बार सरकार बनाने के करीब पहुंच गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 294 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के लिए मामूली बढ़त का अनुमान लगाया है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 91.66फीसदी मतदान के साथ आजादी के बाद से अब तक का सबसे ज्यादा मतदान दर्ज किया गया। पहले चरण में मतदान प्रतिशत 93.19फीसदी था, जिससे कुल मतदान प्रतिशत 92.47फीसदी हो गया है। बता दें 2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस ने 294 में से 213 सीटें जीतकर निर्णायक जीत हासिल की, जिसमें उसे करीब 48 फीसदी वोट मिले थे। वहीं, बीजेपी 77 सीटों और करीब 38 फीसदी वोटों के साथ प्रमुख विपक्षी दल बनकर उभरी, जो पिछले चुनाव की तुलना में एक बड़ी वृद्धि है। वाम-कांग्रेस गठबंधन एक भी सीट जीतने में असफल रहा।

जेपी एसोसिएट्स अधिग्रहण : वेदांता की अपील खारिज, अडानी का रास्ता साफ

मुंबई। राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने सोमवार को खनन कंपनी वेदांता लिमिटेड द्वारा दायर उन अपीलों को खारिज किया, जिसमें कर्ज में डूबी जयप्रकाश (जेपी) एसोसिएट्स लिमिटेड के दिवाला प्रक्रिया के तहत सफल बोलीदाता के रूप में अडानी एंटरप्राइजेज के चयन को चुनौती दी गई थी। इस महत्वपूर्ण फैसले के बाद, अडानी एंटरप्राइजेज के लिए करीब 14,500 करोड़ रुपये के कर्ज में डूबी जेपी एसोसिएट्स का अधिग्रहण करने का रास्ता साफ हो गया है। एनसीएलएटी के अध्यक्ष जस्टिस अशोक भूषण और तकनीकी सदस्य बरुन मित्रा की पीठ ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया कि वेदांता द्वारा दायर अपीलों में कोई दम नहीं है।

वेदांता ने एनसीएलटी की इलाहाबाद पीठ के मार्च 2026 (स्रोत के अनुसार) के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें जयप्रकाश एसोसिएट्स के अधिग्रहण के लिए अडानी की बोली को मंजूरी दी थी। वेदांता की मुख्य दलील यह थी कि प्रतिस्पर्धी बोलियों के बीच बड़ा वित्तीय अंतर था। जहां अडानी एंटरप्राइजेज ने 14,535 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी, वहीं वेदांता ने कहीं अधिक 17,926 करोड़ रुपये की पेशकश की थी, जो करीब 3,400 करोड़ रुपये का अंतर दिखाता है। वेदांता ने तर्क दिया कि कर्जदाताओं ने अडानी की कम बोली को मंजूरी देकर दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के अधिकतम मूल्य प्राप्त करने के मूल सिद्धांत का उल्लंघन किया। वेदांता के वरिष्ठ अधिवक्ता अभिजीत सिन्हा ने दावा किया कि उनकी समाधान योजना का सही तरीके से मूल्यांकन नहीं किया गया और उनके प्रस्ताव के महत्वपूर्ण पहलुओं को नजरअंदाज किया गया।

हालांकि, एनसीएलएटी ने वेदांता की दलीलों को खारिज कर स्पष्ट किया कि कर्जदाताओं की समिति (सीओसी) ने फैसला अपनी व्यावसायिक समझ के आधार पर लिया है और सीओसी के निर्णय में कोई कानूनी खामी या असंगतता नहीं है। सीओसी की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने फैसले का बचाव कर कहा कि पूरी प्रक्रिया आईबीसी के नियमों के अनुसार हुई है। उन्होंने कहा कि केवल सबसे ऊंची वित्तीय बोली लगाने से किसी बोलीदाता को चुने जाने का अधिकार नहीं मिल जाता। सॉलिसिटर जनरल मेहता ने बताया कि एक कथित चूक सचना लीक के बाद वेदांता ने अपनी बोली में संशोधन किया था, जिसमें नेट प्रेजेंट वैल्यू और इक्विटी निवेश जैसे मानकों को बेहतर किया गया था, लेकिन यह संशोधित प्रस्ताव तय समय सीमा के बाद पेश किया गया था, जिसके कारण इसे खारिज कर दिया गया। सीओसी के अनुसार, बोलियों का मूल्यांकन केवल कुल रकम के आधार पर नहीं, बल्कि अग्रिम नकद भुगतान, व्यवहार्यता और कार्यान्वयन क्षमता जैसे कई कारकों के आधार पर किया गया।

दूसरी ओर, अडानी एंटरप्राइजेज ने वेदांता की याचिका को सीओसी की कारोबारी समझ में न्यायिक हस्तक्षेप की अनुचित कोशिश बताया। अडानी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील रीतिन राय ने कहा कि वेदांता द्वारा चुनौती दिए गए मूल्यांकन मानदंड पहले से सार्वजनिक थे और सभी बोलीदाताओं पर समान रूप से लागू किए गए थे, जिन्हें सभी ने स्वीकार भी किया था। उन्होंने तर्क दिया कि दिवाला प्रक्रिया समाप्त होने के बाद वेदांता की संशोधित बोली पर विचार करना इस प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता को कमजोर करता।

दिल्ली हाईकोर्ट ने एक्टर अर्जुन कपूर के फोटो-वीडियो के अनधिकृत इस्तेमाल पर लगाई रोक

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने अभिनेता अर्जुन कपूर के व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा करते हुए उनके नाम, आवाज, तस्वीर और अन्य विशेषताओं के अनधिकृत इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला ने 29 अप्रैल को पारित एक अंतरिम आदेश में ऐसी सामग्री को हटाने का निर्देश देते हुए, कहा कि कपूर ने फिल्म जगत में अपने लिए एक विशेष स्थान बनाया है, और उनके नाम, आवाज, तस्वीर, हस्ताक्षर और विशेषताएं किसी भी तरह के दुरुपयोग से संरक्षित किए जाने योग्य हैं। हाई कोर्ट ने कहा कि अभिनेता के मुकदमे में पेश किए बड़ी संख्या में स्क्रीनशॉट्स पहली नजर में उनके व्यक्तित्व/प्रचार अधिकारों के उल्लंघन को दर्शाते हैं, खासकर एआई उपकरणों के जरिए तैयार की गई सामग्री के माध्यम से, जिनका इस्तेमाल अवैध आर्थिक लाभ के लिए किया है। कोर्ट ने कहा कि यदि इस चरण पर राहत नहीं दी, तो कपूर को अपूरणीय क्षति होगी, और उनके व्यक्तित्व को लगी ठेस की भरपाई केवल आर्थिक रूप से पर्याप्त नहीं हो सकेगी। कोर्ट ने कहा, जिन प्रतिवादियों ने आपत्तिजनक और घृणित सामग्री वाले वीडियो बनाने के लिए एआई उपकरणों का इस्तेमाल किया है, वे वादी के व्यक्तित्व/प्रचार अधिकारों का स्पष्ट रूप से उल्लंघन कर रहे हैं। न्यायमूर्ति गेडेला ने कहा कि ऐसे वीडियो वादी की छवि और व्यक्तित्व अधिकारों को न केवल अत्यधिक, बल्कि संभवतः अपूरणीय रूप से भी नुकसान पहुंचाएंगे। कोर्ट ने कहा कि ऐसी सामग्री को किसी भी प्लेटफॉर्म पर किसी भी रूप में उपलब्ध रहने की अनुमति नहीं दी जा सकती है और इसे तत्काल हटा दिया जाना चाहिए। अदालत ने मेटा और गूगल को क्रमशः कुछ कथित तौर पर आपत्तिजनक फेसबुक या इंस्टाग्राम अकाउंट और यूट्यूब चैनलों की बुनियादी ग्राहक जानकारी का खुलासा करने का भी निर्देश दिया। अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन, अभिनेता अभिषेक बच्चन और सलमान खान, आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रवि शंकर, पत्रकार सुधीर चौधरी और पॉडकास्टर राज शमानी ने पूर्व में अपनी निजता और प्रचार अधिकारों की रक्षा के लिए उच्च न्यायालय का रुख किया था। उच्च न्यायालय ने उन्हें अंतरिम राहत प्रदान की थी। हाल में, उच्च न्यायालय ने अंतरिम राहत प्रदान करते हुए क्रिकेटर गौतम गंभीर और अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा, अभिनेता विवेक ओबेरॉय और अल्लू अर्जुन के व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा की।

चतरा उपायुक्त के नाम पर फर्जी फेसबुक आईडी का खुलासा

चतरा। चतरा जिला प्रशासन के संज्ञान में एक गंभीर मामला आया है, जिसमें उपायुक्त रवि आनंद के नाम से एक फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर उनके फोटो का दुरुपयोग किया जा रहा है। प्रशासन ने तत्काल स्पष्ट किया है कि यह आईडी पूरी तरह फर्जी है और इसका उपायुक्त या जिला प्रशासन से कोई संबंध नहीं है। इसे साइबर अपराध की श्रेणी में बताते हुए कहा गया कि ऐसे कृत्य न केवल भ्रामक हैं, बल्कि आमजनों को ठगी का शिकार बनाने की साजिश भी हो सकते हैं। मामले की गंभीरता को देखकर साइबर सेल और संबंधित इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्म को सूचित कर दिया गया है ताकि त्वरित कार्रवाई हो सके। उपायुक्त रवि आनंद ने स्वयं आम नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने बताया कि इंटरनेट मीडिया पर कई फर्जी प्रोफाइल लोगों का विश्वास जीतकर उन्हें गुमराह करते हैं। इसलिए किसी भी संदिग्ध अकाउंट पर भरोसा करने से पहले उसकी सत्यता जरूर जांचें। अनजान फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार न करें और अपनी निजी जानकारी साझा करने से बचें। साथ ही, यदि किसी को इस तरह की फर्जी आईडी या संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तुरंत जिला प्रशासन या नजदीकी साइबर थाना को सूचित करें।

विक्रमशिला पुल का 34 मीटर हिस्सा गंगा में गिरा, बड़ा हादसा टला

भागलपुर। बिहार के भागलपुर में 4.7 किलोमीटर लंबे विक्रमशिला सेतु का 34 मीटर हिस्सा देर रात गंगा नदी में गिर गया। गनीमत रही कि जिला प्रशासन ने समय रहते पुल पर ट्रैफिक रोक दिया था, जिससे कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। इस घटना से सीमांचल सहित बिहार के करीब 16 जिलों की कनेक्टिविटी बुरी तरह प्रभावित हुई है, जिससे रोजाना करीब 1 लाख लोगों का आवागमन बाधित हुआ है। यूपी ब्रिज कॉर्पोरेशन द्वारा निर्मित पुल की बीते 10 सालों में तीन बार मरम्मत हो चुकी थी और इसकी आखिरी मरम्मत हाल ही में की गई थी। पुल के धंसने को लापरवाही मानकर पथ निर्माण विभाग ने एग्जीक्यूटिव इंजीनियर को तत्काल निलंबित किया है। बिहार राज्य पुल निगम लिमिटेड के अध्यक्ष डॉ चंद्रशेखर ने भागलपुर पुलिस और जिला प्रशासन की सजगता की सराहना कर कहा कि उनकी तत्परता से ही एक बड़ी अनहोनी को टाला जा सका। उन्होंने बताया कि पुल के रखरखाव के लिए डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) पहले ही भेजी गई थी। वहीं मुख्यमंत्री समाट चौधरी ने इस गंभीर स्थिति को देखकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से बात की है और पुल की मरम्मत के काम में भारतीय सेना की मदद मांगी है। इसके साथ ही, लोगों को हो रही परेशानी को कम करने के लिए वैकल्पिक आवागमन की व्यवस्थाएं भी की जा रही हैं।

खुद को भगवान समझ बैठे हैं मिलॉर्ड, कोर्ट में दबंगई करते हैं जज

तुषार मेहता ने अपनी किताब में खोले कई राज

नई दिल्ली। देश के दूसरे सबसे लंबे समय तक सॉलिसिटर जनरल रहने वाले तुषार मेहता ने अपनी नई किताब 'द बेंच, द बार एंड द बिज़ार में न्यायपालिका के एक ऐसे पक्ष पर गंभीर सवाल उठाए हैं, जिस पर अक्सर सार्वजनिक चर्चा से बचा जाता है। मेहता का तर्क है कि अदालतों में वकीलों द्वारा न्यायाधीशों के प्रति दिखाए जाने वाले अत्यधिक सम्मान ने कुछ जजों के भीतर देवत्व का एक झूठा अहसास पैदा कर दिया है। उनके अनुसार, इसी भावना के कारण कुछ जज अदालतों में दबंग की भूमिका डूमें आ गए हैं और वकीलों को दबाने की कोशिश करते हैं। मेहता ने भारतीय न्यायपालिका की तुलना विदेशी अदालतों से करते हुए लिखा है कि यह न्यायिक दबंगई कई रूपों में प्रकट होती है। कुछ न्यायाधीश वकीलों की दलीलों के दौरान बार-बार टोका-टाकी करते हैं, तो कुछ कठोरता की सीमा लांघकर वकीलों को अपमानित करने से भी नहीं चूकते। कोर्टरूम में शक्ति का संतुलन पूरी तरह जज के पक्ष में होने के कारण वकीलों के पास विरोध के विकल्प बहुत सीमित रह जाते हैं। उन्होंने अदालती भाषा पर भी कटाक्ष किया कि कैसे एक वकील को स्पष्ट कानूनी गलती दिखने पर भी झुककर मिलॉर्ड कहना पड़ता है और जज की बात को गलत कहने के बजाय वैकल्पिक प्रस्ताव की अनुमति मांगनी पड़ती है। अपनी पुस्तक में मेहता ने दिवंगत अरुण जेटली के वाक्यांश गैर-निर्वाचितों की तानाशाही का उल्लेख करते हुए कहा कि जनता एक अहंकारी राजनेता को तो चुनाव में हरा सकती है, लेकिन एक अहंकारी जज के सामने वह पूरी तरह असहाय होती है। चूंकि न्यायाधीश सीधे तौर पर जनता के प्रति जवाबदेह नहीं होते, इसलिए उनका आदर्श आचरण से भटकना पूरी लोकतांत्रिक संस्था के विश्वास को खतरे में डाल सकता है। हालांकि, मेहता ने जजों की कठिन कार्यप्रणाली के प्रति सहानुभूति भी जताई है। उन्होंने स्वीकार किया कि जज मुकदमों के अत्यधिक बोझ, कम वेतन और सीमित बुनियादी ढांचे के बीच काम करते हैं। इसके बावजूद, वे स्पष्ट करते हैं कि ये चुनौतियां कोर्टरूम में अभद्र व्यवहार का आधार नहीं बन सकतीं। उन्होंने इस बात पर भी चिंता जताई कि न्यायपालिका अक्सर अपने कामकाज की बाहरी निगरानी या शिकायत तंत्र का विरोध करती रही है। मेहता के अनुसार, सच्चा सम्मान अवमानना के डंडे से नहीं, बल्कि निष्पक्षता, तटस्थता और सभ्य व्यवहार से अर्जित किया जाना चाहिए। किताब में वकीलों की उस लाचारी को भी बखूबी उभारा गया है, जहां अपने मुवक्किल के हित और पेशेवर अस्तित्व को बचाने के लिए उन्हें अपमान सहकर भी चुप रहना पड़ता है।

रानी दुर्गावती अभयारण्य में बनेगा साउंडप्रूफ फ्लाईओवर!

भोपाल। दमोह से जबलपुर के बीच जो एनएच-34 है, उसको अपग्रेड करने का काम शुरू होने वाला है। हालांकि इस प्रोजेक्ट के शुरू होने से पहले ही इसमें बड़ा बदलाव किया गया है। यह बदलाव वन्य जीवों को देखते हुए किया गया है। इसके तहत वन्य जीवों को सुरक्षित रखने के लिए रानी दुर्गावती अभयारण्य में 3.5 किलोमीटर लंबा साउंडप्रूफ फ्लाईओवर बनाया जाएगा।

साउंडप्रूफ फ्लाईओवर बनाने का मकसद वन्यजीवों पर सड़क के शोर और आवाजाही के असर को कम करना है। ताकि ऊपर से गुजर रहे वाहनों के कारण वन्यजीवों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। यही वजह है कि इस तरह का फैसला लिया गया है।

साल 2022 में प्रस्तावित हुई थी परियोजना

यह हाईवे परियोजना साल 2022 से प्रस्तावित है और इसकी लंबाई लगभग 100 किलोमीटर है। शुरुआत में इसे सामान्य सड़क के रूप में तैयार किया जाना था, लेकिन वन क्षेत्र से गुजरने की वजह से पर्यावरणीय मंजूरियों में देरी होती रही। अब डिजाइन में बदलाव करते हुए फ्लाईओवर का विकल्प चुना गया है, ताकि जंगल और वन्य जीवों को कम से कम नुकसान पहुंचे।

अब पाकिस्तान से आने वाला निवेश सीधे नहीं होगा, सरकार से लेनी होगी मंजूरी

नई दिल्ली। भारत सरकार ने विदेशी निवेश (एफडीआई) को लेकर अपने नियमों को और सख्त कर दिया है। वित्त मंत्रालय द्वारा 2 मई को जारी अधिसूचना के मुताबिक अब पाकिस्तान से आने वाला कोई भी निवेश सीधे नहीं किया जा सकेगा। ऐसे सभी निवेशों के लिए सरकार की पूर्व अनुमति जरूरी होगी। यह कदम राष्ट्रीय सुरक्षा और संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। नए नियमों का असर न केवल पाकिस्तान बल्कि उन सभी देशों पर पड़ेगा जो भारत के साथ भूमि सीमा साझा करते हैं।

नए नियमों के तहत पाकिस्तान के किसी भी नागरिक या वहां रजिस्टर्ड कंपनी को भारत में निवेश करने के लिए सरकार की मंजूरी लेनी होगी। इसके अलावा रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में पाकिस्तान से किसी भी तरह का निवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। सरकार का साफ कहना है कि केवल गैर-संवेदनशील क्षेत्रों में ही ऐसे निवेश की अनुमति दी जा सकती है, वह भी कड़ी जांच के बाद।

यह नियम केवल पाकिस्तान तक सीमित नहीं है। भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले सभी देशों के निवेशकों पर भी यही शर्त लागू होगी। इसमें चीन, बांग्लादेश, नेपाल, म्यांमार, भूटान और अफगानिस्तान शामिल हैं। अगर किसी निवेश में 'बेनिफिशियल ओनर' यानी वास्तविक मालिक इन देशों का नागरिक है, तो उसे भी सरकारी मंजूरी के तहत ही निवेश करना होगा। इससे अप्रत्यक्ष निवेश पर भी नजर रखी जा सकेगी।

सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि किसी कंपनी के मालिकाना हक में बदलाव होता है और नया मालिक इन प्रतिबंधित देशों से जुड़ा होता है, तो इसके लिए भी पहले से सरकारी अनुमति लेना अनिवार्य होगा। इसका मतलब है कि कंपनियां अब निवेश के बाद भी अपनी संरचना में बदलाव करते समय पूरी तरह पारदर्शिता बनाए रखेंगी। इससे किसी भी तरह के बैकडोर निवेश को रोकने में मदद मिलेगी।

दरअसल, भारत ने पहली बार अप्रैल 2020 में ऐसे नियम लागू किए थे, जब कोविड-19 के दौरान विदेशी कंपनियों द्वारा भारतीय कंपनियों के अधिग्रहण का खतरा बढ़ गया था। उस समय उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने यह अनिवार्य किया था कि सीमावर्ती देशों से आने वाला हर निवेश सरकारी मंजूरी के तहत होगा। अब नए बदलाव उसी नीति को और मजबूत बनाते हैं और उसके दायरे को स्पष्ट करते हैं।

स्पाइसजेट और प्रवर्तक अजय को झटका, याचिका खारिज, लगा जुर्माना

कोर्ट ने 19 जनवरी को 144 करोड़ रुपए जमा करने का दिया था आदेश

नई दिल्ली,। दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला सामने आने से विमानन कंपनी से जुड़ा बड़ा विवाद फिर चर्चा में आ गया। बता दें कि कोर्ट ने स्पाइसजेट और उसके प्रवर्तक अजय सिंह की वह याचिका खारिज कर दी है, जिसमें उन्होंने पहले दिए गए आदेश की समीक्षा की मांग की थी। इस आदेश के तहत उन्हें 144 करोड़ रुपए जमा करने को कहा था, जिसे लेकर उन्होंने राहत की गुहार लगाई थी।

जानकारी के मुताबिक न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने याचिका को खारिज करते हुए स्पाइसजेट और अजय सिंह पर 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट ने साफ कहा कि मामला खारिज किया जाता है और पहले दिया गया आदेश लागू रहेगा। बता दें कोर्ट ने 19 जनवरी को स्पाइसजेट को कुल 194 करोड़ रुपए की स्वीकृत देनदारी में से 144 करोड़ रुपए छह सप्ताह के अंदर जमा करने का निर्देश दिया था। बाद में इस समय सीमा को 18 मार्च तक बढ़ा दी थी।

बताया जा रहा है कि स्पाइसजेट और अजय सिंह ने पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और कंपनी की खराब वित्तीय स्थिति का हवाला देते हुए इस आदेश पर पुनर्विचार की मांग की थी। उन्होंने कोर्ट को यह भी प्रस्ताव दिया कि नकद राशि जमा करने के बजाय गुरुग्राम स्थित एक व्यावसायिक संपत्ति को गारंटी के तौर पर स्वीकार कर लिया जाए। साथ ही यह भी कहा कि केंद्र सरकार से कुछ सहायता मिलने की उम्मीद है। हालांकि दूसरी ओर कलानिधि मारन और उनकी कंपनी कल एयरवेज ने इस पुनर्विचार याचिका का कड़ा विरोध किया। उनका कहना था कि इसी तरह के तर्क पहले भी सुप्रीम कोर्ट में रखे जा चुके हैं और वहां उन्हें खारिज किया जा चुका है। ऐसे में इस आधार पर दोबारा राहत नहीं दी जानी चाहिए।

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

नागपुर से गांव लौटे 68 वर्षीय बुजुर्ग ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लामता थाना क्षेत्र की चरेगांव पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम नेवरगांव में इंद्रसेन पटले पिता जीवनलाल पटले 68 वर्ष ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह व्यक्ति करीब 20 साल पहले रोजगार के सिलसिले में नागपुर जाकर बस गए थे और 27 अप्रैल को ही गांव लौटे थे। चरेगाव पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इंद्रसेन पटले नागपुर में पत्नी एक बेटे और एक बेटी के साथ रहते थे। बच्चों की शादी हो चुकी है। नेवरगांव में उनकी पैतृक जमीन है।जिसके चलते वे शादी-विवाह और खेती-बाड़ी की देखरेख के लिए गांव आते-जाते रहते थे। 27 अप्रैल को वे गांव आए और चचेरे भाई नंदकिशोर पटले के घर रुके थे। इस दौरान वे गांव में एक-दो विवाह कार्यक्रमों में भी शामिल हुए। 2 मई की शाम करीब 7ः30 बजे इंद्रसेन खाना खाकर आराम कर रहे थे। परिवार के अन्य सदस्य भी सो गए। 3 मई की सुबह अरविंद पटले के मकान की डहल की म्याल में इंद्रसेन का शव फंदे पर लटका हुआ देखा गया। नंदकिशोर पटले ने रिश्तेदारों और चरेगांव पुलिस को खबर दी। प्रधान आरक्षक वीरेंद्र वरकड़े ने मौके पर पहुंचकर शव बरामद किया और पंचनामा कार्रवाई के बाद लामता अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिये। इंद्रसेन पटले ने आत्महत्या क्यों की इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। परिजनों के मुताबिक वे पहले से शराब का सेवन करते थे। लामता पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

बेदखली नोटिस से भड़के वार्ड 23 के परिवार

मुआवजा और पुनर्वास की मांग की

वेटरिनरी कॉलोनी के रहवासी पहुंचे विधायक कार्यालय, बोले बिना पुनर्वास नहीं हटेंगे

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर की वेटरनरी कॉलोनी और सिविल लाइन आकाशवाणी क्षेत्र में शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए जारी अंतिम बेदखली आदेश के बाद स्थानीय रहवासियों में आक्रोश बढ़ गया है। बीते कई वर्षों से यहां निवास कर रहे परिवारों ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक उन्हें वैकल्पिक जमीन और मुआवजा राशि नहीं दी जाती, वे अपने मकान खाली नहीं करेंगे। इसी मांग को लेकर करीब 21 परिवार बाघ कॉलोनी स्थित विधायक कार्यालय पहुंचे और अनुभा मुंजारे से मुलाकात कर अपनी समस्या रखी। रहवासियों ने बताया कि वे वर्षों से यहां रह रहे हैं और अचानक बेदखली के आदेश जारी कर दिए गए हैं, जिससे उनके सामने रहने का संकट खड़ा हो गया है। रहवासियों का कहना है कि प्रशासन पहले उन्हें पुनर्वास के लिए निश्चित जमीन और मकान निर्माण हेतु मुआवजा राशि उपलब्ध कराए, उसके बाद ही वे स्थान खाली करेंगे। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि बिना वैकल्पिक व्यवस्था के वे किसी भी हालत में अपने घर नहीं छोड़ेंगे। कॉलोनीवासियों ने भावुक होकर यहां तक कहा कि यदि उनके मकानों पर बुलडोजर चलाया गया तो वे इसका विरोध करेंगे और अपनी जान तक देने को तैयार हैं, लेकिन बिना मुआवजा और पुनर्वास के घर खाली नहीं करेंगे। इस मुद्दे को लेकर अब प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सामने चुनौती खड़ी हो गई है, जहां एक ओर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई है, तो दूसरी ओर प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की मांग भी जोर पकड़ रही है।

शहर के वार्ड क्रमांक 23, सिविल लाइन और वेटरनरी कॉलोनी क्षेत्र में रह रहे लगभग 72 परिवारों के सामने इन दिनों बड़ा संकट खड़ा हो गया है। शासकीय जमीन पर वर्षों से निवास कर रहे इन परिवारों को प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं, जिसके बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल बन गया है। प्रभावित परिवारों ने साफ तौर पर कहा है कि बिना पुनर्वास और मुआवजे के वे अपने मकान खाली नहीं करेंगे। जानकारी के अनुसार, सिविल लाइन स्थित आकाशवाणी के पीछे तहसील कार्यालय के निर्माण कार्य के चलते प्रशासन ने आसपास के क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराने की कार्रवाई शुरू की है। इसी के तहत सिविल लाइन और वेटरनरी कॉलोनी के पास शासकीय भूमि पर बने मकानों में रह रहे लोगों को बेदखली नोटिस थमाए गए हैं। प्रशासन ने इन परिवारों को कम समय में मकान खाली करने के निर्देश दिए हैं, जिससे लोगों में असमंजस और नाराजगी बढ़ गई है। वेटरनरी कॉलोनी निवासी चित्ररेखा सेंद्रे ने बताया कि वे पिछले कई वर्षों से यहां रह रहे हैं और उन्होंने अपने सीमित संसाधनों से मकान बनाकर जीवन यापन शुरू किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि बीते दिनों नगर पालिका सहित भाजपा और कांग्रेस के जनप्रतिनिधियों ने उन्हें आश्वासन दिया था कि जब तक उन्हें वैकल्पिक जमीन और मुआवजा नहीं दिया जाएगा, तब तक उन्हें मकान खाली करने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा। इतना ही नहीं, कुछ परिवारों से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत फॉर्म भी भरवाए गए थे, जिससे उन्हें उम्मीद जगी थी कि सरकार उन्हें स्थायी आवास उपलब्ध कराएगी। लेकिन अब अचानक प्रशासन द्वारा अंतिम बेदखली आदेश जारी कर दिए गए हैं और दो दिन के भीतर मकान खाली करने का निर्देश दिया गया है। इस फैसले ने परिवारों की चिंता बढ़ा दी है। लोगों का कहना है कि प्रशासन ने न तो उन्हें कोई मुआवजा दिया है और न ही पुनर्वास के लिए जमीन उपलब्ध कराई है। ऐसे में वे अपने घर-परिवार और सामान लेकर कहां जाएं, यह सबसे बड़ी समस्या बन गई है। चित्ररेखा सेंद्रे ने दो टूक शब्दों में कहा कि जब तक उन्हें जमीन और मकान का उचित विकल्प नहीं दिया जाएगा, वे अपना घर खाली नहीं करेंगी। उन्होंने यहां तक कहा कि यदि प्रशासन जबरन कार्रवाई करता है, तो वे विरोध करेंगी, भले ही इसके लिए उन्हें अपनी जान की बाजी ही क्यों न लगानी पड़े। उनका कहना है कि उनके पास रहने का कोई दूसरा विकल्प नहीं है और वे वर्षों से बसे अपने आशियाने को यूं ही छोड़ने को तैयार नहीं हैं। स्थानीय लोगों ने यह भी सवाल उठाया कि सिविल लाइन के कुछ हिस्सों में अतिक्रमण हटाया गया, लेकिन वेटरनरी कॉलोनी क्षेत्र में फिलहाल कोई बड़ा निर्माण कार्य प्रस्तावित नहीं है, फिर भी उन्हें हटाने की कार्रवाई क्यों की जा रही है। इससे लोगों में प्रशासन की मंशा को लेकर संदेह भी पैदा हो रहा है। फिलहाल इस पूरे मामले ने तूल पकड़ लिया है और वार्ड वासी संगठित होकर अपने हक की लड़ाई लड़ने की तैयारी में हैं।

जनप्रतिनिधियों के आश्वासन के बाद बदला रुख

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि बीते कुछ समय पहले नगर पालिका और विभिन्न राजनीतिक दलों के जनप्रतिनिधियों ने उन्हें आश्वासन दिया था कि जब तक पुनर्वास की व्यवस्था नहीं होगी, तब तक उन्हें हटाया नहीं जाएगा। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत कुछ परिवारों के आवेदन भी भरवाए गए थे, जिससे लोगों को उम्मीद थी कि उन्हें वैकल्पिक आवास मिलेगा। लेकिन अब अचानक अंतिम बेदखली आदेश जारी कर दिए गए हैं, जिससे लोगों में गहरा असंतोष है।

02 दिन में मकान खाली करने का निर्देश

नोटिस में मात्र दो दिन के भीतर मकान खाली करने की बात कही गई है, जिसने परिवारों को चिंता में डाल दिया है। लोगों का कहना है कि इतने कम समय में वे अपने घर का सामान कहां ले जाएं और परिवार को कहां बसाएं, यह सबसे बड़ी चुनौती है। प्रशासन द्वारा न तो कोई मुआवजा दिया गया है और न ही पुनर्वास के लिए कोई ठोस योजना सामने रखी गई है।

कार की ठोकर से स्कूटी सवार महिला घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के अंबेडकर चौक में कालीपुतली की चौक रोड पर स्कूटी को ठोस मार दी इस सड़क दुर्घटना में स्कूटी सवार महिला कविता पति लक्ष्मण लाडे 43 वर्ष ग्राम टेकाड़ी लालबर्रा निवासी घायल हो गई जिनका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। जानकारी के अनुसार कविता अपने गांव के स्कूल में रसोईया का काम करती है। 3 मई को कविता अपनी स्कूटी में बालाघाट के अंबेडकर चौक मीटिंग में आई थी और मीटिंग खत्म होने के बाद 2ः30 बजे वह स्कूटी में अंबेडकर चौक से काली पुतली चौक तरफ जा रही थी। तभी पीछे से तेज रफ्तार से आ रही कार ने स्कूटी को ठोस मार दी। कार की टक्कर से कविता स्कूटी सहित गिरने से घायल हो गई। जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। कार एमपी 04 सी एल 0722 को राहुल बोपचे ग्राम टेमनी निवासी चला रहा था।

108 एंबुलेंस के ईएमटी ने अपने घर में फांसी लगाकर की आत्महत्या

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कटंगी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम छतेरा में 108 एंबुलेंस के ईएमटी गौरी शंकर पिता गोमचंद पटले 45 वर्ष ने अपने घर के ऊपर वाले कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना 4 मई को सुबह 8ः30 बजे करीब हुई। गौरी शंकर पटले ने किस वजह से फांसी लगाई ।अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गौरी शंकर अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। जिसकी तीन बहने हैं और तीनों बहनों की शादी हो चुकी है।। परिवार में माता-पिता के अलावा पत्नी और दो बेटियां हैं। गौरी शंकर पटेल खेती किसानी के अलावा हुए वे 108 एंबुलेंस में ईएमटी (आपातकालीन चिकित्सा तकनीशियन) थे।बताया गया की 4 मई को सुबह गौरी शंकर सोकर उठे और घर में नहाने धोने के बाद उन्होंने पूजा भी की थी। इसके बाद में घर में दिखाई नहीं दे रहे थे। परिजनों ने फोन किया किंतु वह फोन रिसीव नहीं कर रहे थे। इसके बाद परिजनों ने गौरी शंकर की खोजबीन शुरू की, 8ः30 बजे करीब मकान के ऊपर कमरे में पंखे के हुक में उन्हें फांसी पर लटके हुए देखे ।गौरीशंकर ने पंखे के हक में नायलॉन की रस्सी बांधकर फांसी लगा ली थी और उनकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलते ही कटंगी पुलिस ग्राम छतेरा पहुंची और गौरी शंकर का फांसी पर लटका हुआ शव बरामद किए। पंचनामा कार्यवाही पश्चात उनका शव पोस्टमार्टम करवा कर उनके परिजनों को सौंप दिया गया है। गौरी शंकर ने किस वजह से फांसी लगाई अभी पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है ।किंतु पारिवारिक विवाद के चलते फांसी लगाने की संभावना व्यक्ति जा रही है। कटंगी पुलिस धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार विजय घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली रोड़ ग्राम आंवलाझरी के कटिंगटोला के पास सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार घायल हो गया। घायल मोटरसाइकिल सवार विनय पिता श्रवण बनोटे 38 वर्ष ग्राम टवेझरी निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विजय बनोटे अपनी पत्नी सरिता के साथ मजदूरी करते हैं। 4 मई को विजय अपनी पत्नी सरिता के साथ मोटरसाइकिल में भरवेली एसबीआई बैंक गए थे और बैंक से काम निपटने के बाद दोनों मोटरसाइकिल में कटिंगटोला पहुंचे। वही के गेराज में मोटरसाइकिल बनवाई। 4ः00 बजे करीब विजय गेराज से मोटरसाइकिल लेकर बाहर निकल रहा था तभी बालाघाट की ओर से तेज रफ्तार से जा रही मोटरसाइकिल ने विजय की मोटरसाइकिल को ठोस मार दी। इस सड़क दुर्घटना में विजय मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गया। जिसे उनकी पत्नी सरिता ने ऑटो से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती की है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :**9425138710**, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायलयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट